

7 ?) 31. -tinuit (ob-) : ἐκράτησεν. 32. -turat (ob-) : ἐμφράσσει. (Fest. 201, 21) 33. -ulencia : εὐδαιμονία. 34. -ulus : κισσόφυλλον. 35. -us : ἔργον, χρεῖα, προσῆκον. 36. -us <pis> torium : πλακουντάριον.

OR

Ora : πρόσωπα, στόματα [δρχν]. (Cic. 1, 1) 2. -ae : ὄχθαι, γαῖ. (Fest. 196, 31) 3. -at : ἀξιοῖ, λέγει. (Verg. E. 2, 43 ?) 4. -aculum : χρηστήριον, τὸ τοῦ Ἀπόλλωνος θέσπισμα, ἀντιφώνησις. 5. -ator : ῥήτωρ. (Fest. 196, 24) 6. -atio : λόγος. (Cic. 2, 3) 7. -ba : ἐπίκληρος. (Fest. 194, 28 ?) 8. -bi : ἄτεκνοι. 9. -bis : κύκλος, οἰκουμένη. 10. -bi-culatur : κυκλεύει. 11. -bita : ἀρματροχ[ε]ία. (Verg. G. 3, 29) 12. -bus : πηρός, ὀρφανός, τυφλός. 13. -chae (?) : ἐλαῖαι ἐπιμήκεις. 14. -ceolus : ξέστης τὸ ἄγγος. 15. -cus : Χάρων. (Verg. G. 1, 277 ?) 16. -dinare : διατάξαι. 17. -dinatio : χειροτον[ε]ία. 18. -dinatur : κατατάσσεται. 19. -ditur : διάζεται. 20. -dior telam : <20 a. (ordo)> : τάξις, τάγμα, ἀκολουθ[ε]ία, βουλὴ, ψυκρά (?). (Syn. ?) 21. -iculae : ὠτία. (Fest. 196, 28) 22. -iens : ἀνατολή. καὶ <22 a.> ἀνατέλλων. 23. -iginale : πρωτότυπον. 24. -igo : ἀρχαιογονία, καταρχή, ἀρχή. 25. -iundi : γεννηθέντες. 26. -natrix : κοσμητρία. 27. -natura : κόσμησις (Char. ?) 28. -natus : κεκοσμημένος. (Cic. 2, 18) 29. -tus : ἀνατολή. <29 a.> ἀνατείλας. 30. -nus : ἀγρία πίτυς (?). (Verg. G. 2, 71 ?)

OS

Os : στόμα. (Char. 42, 15) 2. [oris = 1] Osor : μ[ε]ισήτης ἀρχαί<ως>. (Fest.

217, 1) 3. -sa : ὀστᾶ. 4. -safragor (-if-) : ὀστοκόπος. (=16) 5. -trea (-trya) : ὀστρύα. 6. -tium : θύρα. 7. -citatur : χασμαῖται. (Fest. ?) 8. -culum : φίλημα εὐσεβεία<ς> (Bibl. ?) 9. -tentum : φάντασμα, Διὸς σημε<ς>ϊα. (Fest. 218, 27) 10. -cillum : στομάτιον. (Fest. 212, 14) 11. -tentabile : ἐπιδ<ε>ικτικόν. 12. -tentans : ἐπιδ<ε>ικνύμενος. (Verg. A. 5, 567 ?) 13. -tendit : δ<ε>ικνύει. (Cic. 3, 11) 14. -stior (otior) : ἀσχολοῦμαι. (Hor. S. 1, 6, 128.)

OT

Otium : ἡρεμ<ι>α, σχολή. (Cic. 1, 25) 2. -ropa (urupa) : ὄρυξ. (= OB 51)

OV

Ovans : γήθων. (Fest. 213, 6 ?) 2. -atur : χάρει.

OS

Ossilegium : ὀστολόγιον. 16. -sifragus : ὀστοκόπος, ὀστοκλάστης, ὀστοκατεάκτης ὄρνειον. (Fest. 420, 16 ?)

P

PA

Pacata : εἰρηνεύμενα. (Cic. 2, 11) 2. -cant : εἰρηνεύουσιν. 3. -ciscitur : συντίθεται, συμφωνεῖ. 4. -cificus : εἰρηνοποιός. (Matt. 5, 9 ?) 5. -bulum : πόα, χόρτασμα, νομή. 6. -biculae (pav-) : ὀμαλιστῆρες.

OR 1. *Forsitan* O. : π., σ. <1 a>. <Oreae : στόμια> ἀρχαίως. (Fest. 196, 36) ? ἀρχὴ *Goetz*. || 3. Verg. A. 7, 262. || 4. Verg. A. 3, 143. || 9. *Vix* κ. οἰκουμένη<ς> ? || 13. Verg. G. 2, 86 (orchades) ? || 14. cf. UR 4. || 19-20. *Una glossa* ? || 22-22 a. cf. 29-29 a. || 24. Verg. E. 6, 72, etc. || 26. cf. Ov. A. A. 3, 238 ? || 27. *Ornatus* : κοσμ. « Char. » 552, 16. || 29-29 a. cf. 22-22 a.

OS 1. *An* Os. oris : στ. (cf. 2) ? || 3. Verg. E. 10, 33, etc. || 7. cf. Plaut. Men. 833. || 8. cf. Rom. 16, 16, etc. (-o).

OV 1. Hor. S. 2, 3, 146 *Wey*.

7. -bo (-vo) : ταῶς. (=190) 8. -ca mater (?) : Παναχία (-άχεια). 9. -bulatio : χορτολογία. 10. -bulamentum (palud-) : φοινικίς. (Fest. 298, 13 ?) 11. -cto : τρόπω. (Cic. 1, 31, etc.) 12. -ctione : συμφώνων συνθήκη. 13. -ctum : ὁμόλογον, σύμφωνον, διάλυσις. 14. -enitentia : μετάνοια. 15. -ene : μ[ε]ικροῦ δεῖν, παρ' ὀλίγον. (=PE 87) 16. -enitet : μετανοεῖ καὶ μετανοῶ. (Char. ?) 17. -elex : ζήλη, ζηλάς, ἀντεράστρια. (Hor. C. 3, 27, 66 ?) 18. -elicatus : ζηλοτυπ[ε]ία. (« Char. » 552, 16) 19. -eninsula (-ins-) : χερρόνησος. 20. -enitet me huius muneris : μετανοῶ ἐπὶ τῷ δώρῳ. (Char. 293, 11) 21. -edor : ῥύπος. 22. -enicillum (pen-) : σπογγάριον. (=PE 57 ?) 23. -enuria (pen-) : σπάνις, λεῖψις, ἔνδ<ε>ια. (Fest. 247, 28 ?) 24. -etus : μύωψ τοῖς ὄμμασιν. (Hor. S. 1, 3, 45 ?) 25. -lam : φανερώς. (Cic. 2, 4) 26. -gos : δήμους (Verg. G. 2, 382 ?) 27. -gus : τοπαρχ[ε]ία, χώρα τις, νόμος. 28. τοπαρχεῖον, ὡς ἐπίν<ε>ιον. 29. -gina : σελης (-ίς). (Verg. E. 6, 12 ?) 30. -leas : ἄχυρα. (Matth. 3, 12 ?) 31. -lbebrae (palp-) : βλέφαρα. 32. -lus : ἔλος. (« Char. » 553, 24) <32 a.> πασσαδος (-λός). (=32 b.) λίμνη. (=32 ?) 33. -ludes : ἔλη. (<32) 34. -lmula : φοῖνιξ. <34 a.> θρίναξ. (Fest. ?) 35. -lma : χεῖρ καὶ βάις καὶ φοῖνιξ καὶ παλάμη. 36. -lanti : ῥεμβομένω. 37. -lmes : κλήμα βότρυς ἔχον. (=65) 38. -lla : ἔνδυμα, πέπλος, πάλλιον. 39. παραπέτασμα. 40. -latum : οὐρανίσκος. (« Char. » 554, 3) 41. -lmus : παλαιστής. (Bibl. ?) 42. -lpitat : σπαίρει, πάλλει. 43. -lantes : ῥεμβομένους. (Verg. A. 5, 265 ?) 44. -le[t]ja : σφενδόνη δακτυλίου, ὡς Ὑγῖνος ἐν τῷ—. (Fest.) 45. -llidus : χλω-

ρός, ὠχρός. (Verg. G. 1. 277 ?) 46. -lmetum : φοινικ[ε]ών. 47. -lleatus : στιχολόγος. (?) 48. -les : Ἐυνομ[ε]ία. (Verg. G. 3, 1 ?) 49. -lumbis (-es ?) : φάσσα. 50. -ludamentum : χλαμύδα τὸ μαντίον. (Fest. 298, 13 ?) 51. -lmetum : φοινικών. (=46) 52. -lmus : παλαιστής. (=41) 53. -leare : ἀχυράν. 54. -learia : θλάσμα, ἐπιδορατὶς τοῦ τραχήλου βόδς. (Verg. G. 3, 53 ?) 55. -lla : μίτρα, πέπλος, παραπέτασμα. (=38-9) 56. -lma : νίκη. <56 a.> φοῖνιξ. (=35) 57. -lmes : ὄσχος. 58. -la : πτύον. 59. -lantes : ῥεμβομένον<ο>ς. (=43) 60. -latur : ῥέμβεται. (Fest. 245, inf. 4) 61. -le[t]ja : σφενδόνη δακτυλ<ί>ων. (=44) 62. -bulatio : χορτολογ[ε]ία. (=9) 63. -lmum : ψημύθιν (ψιμ-). (?) 64. -l<1>or : ὠχρίσις. (Verg. A. 4, 499 ?) 65. -lmes : κλήμα τὸ τοῦς βότρυας ἔχον συνεκκοπέντα. (Fest. 246, 1) 66. -llatus (pull-) : μελανέμων. (=PU 40) 67. -mpino : βλαστολογῶ. 68. -lpro equo : κατακροτῶ τοῦ ἵππου. (Char. 293, 32) 69. -mpineum : οἰνάνθινον. 70. -mpinus : φυλλάμπελον. (Verg. G. 2, 333 ?) 71. -nda : εἰρήνης θεός. (Fest.) 72. -ndat : διζᾷται. 73. -ndit. (-git ?) : συνσπᾷ. 74. -ngit : πῆσσει πᾶλον, πηγνύει. 75. -ndo : ἀνοίγω, σαφηνίζω, ἀναφέρω, φανερῶ. (Syn. ?) 76. -nditur : ostenditur, φαίνεται. (Verg. G. 1, 34) 77. -nic[t]um : ἔλυμος. (Fest. 146, 8) 78. -nis : ἄρτος. 79. -nnus : ῥάκος. (Hor. A. P. 15 ?) 80. -nnosus : τριδακός, ῥακώδης. 81. -n[n]jucellium (-llam ?) : πην[ε]ίον. (Char. ?) 82. -nceps : ἔλκος κτήνους ἐπὶ τραχηλίου. 83. -nificium : ἄρτοποι[ε]ία. (Fest. ?) 84. -nopaneion. 85. -paver : μήκων. 86. -pilla : θήλη,

PA 8. cf. PO 67 (Pola ma.); Pola *Hermen.* || 10. cf. 50. || 12. συμφώνω ἢ συν. *Goetz.* || 16. cf. 20. || 20. Hor. E. 1, 1, 49 *Wey.* || 32. *An Verg.* E. 1, 48, etc. || 33. Hor. C. 3, 2, 79 *Wey.* || 41. cf. *Ezech.* 40, 5, etc. || 43. Hor. S. 2, 3, 49 *Wey.* || 44. cf. Cic. Off. 3, 38; cf. 61. || 45. cf. OR 15. || 49. *Vert.* E. 1, 57, etc. || 50. cf. 10. || 63. *Plumbum Goetz* : σπιθμὴν *Vulcanius.* || 65. *An Verg.* G. 2, 364 ? || 71. cf. Varr. ap. Gell. 13, 22, 4; Fest. 67, 4 (*Empanda*). || 73. Verg. A. 3, 479, etc. || 77. cf. MI 7. || 81. *Penuculam Cyril.* (Πηνίον : [penus]haec panucula). || 82 *De hoc verbo cf. Skutsch. Forsch. z. lat. Gramm.* (1892) 1, 41; cf. 157. || 83. cf. Varr. L. L. 5, 105. || 85. Verg. G. 1, 212.

μαζός. (Fest. 246, 8) 87. -ppat : μασᾶται. (Fest. ?) 88. -pulae : ψυδράκια. (Verg. G. 3, 564 ?)

Par : ἴσος. (Char. 42, 7) <89 a.> ζευγος, [ζυ] ζυγή. (Char. 42, 16) 90. -rat : ἐτοιμάζει. 91. -rans (-ens) : πατήρ, γονεύς. (Fest. 247, 11) 93. -ravisce : ἡτοιμακέναι. (Cic. 1, 15) 92. -rum : ἤττον. (Cic. 2, 4). 94. -rticeps : μέτοχος, μερ<ι>της. (Cic. 1, 2) 95. -rricidius : πατροκτονίας. (Cic. 1, 17) 96. -rra : μύστης ὄρνειον. <96 a. (cardellus)> : κορυδαλλός ἢ ἀστραγαλίσκος. 97. -rtam : πορισθεῖσαν. (Cic. 1, 29) 98. -ruit : ἐπ<ε>ίσθη. (Cic. 2, 12) 99. -rentat : ἀποκαίει νεκροῖς νεκύσια. 100. -rentes : γονεῖς. (Cic. 1, 17, etc.) 101. -ra[n]t : ἐτοιμάζει. (=90) 103. -rea : πεπρωμένη. (Hor. C. 2, 16, 39 ?) 102. -ret : π<ε>ίθεται, π<ε>ίθαρχεῖ. (Fest. 247, 14) <103 a.> φαίνεται (-ve-). (Fest. 247, 15) 104. -riolus (har-) : προφήτης, θυόσκοπος. 105. -rricida : πατροκτόνος, πατρολῶας (-αλοί-). (Cic. 2, 7, etc.) 106. -rtiuncula (port-) : ποστιμωρῶ (ποστημόριον). (Off. ?) 107. -rvum : ἐλάχιστον. 108. -rumper : ἐπ' ὀλίγον [ἐφ' ὀλίγον]. (Fest. 247, 25) 109. -rma : Θρακικὸν ὄπλον. 110. -rs : μέρος. (Cic. 2, 26) 111. -rae : Μοῖραι. (Verg. E. 4, 47 ?) 112. -rentalia : νεκύσια. (Char. 34, 4) 113. -riter : ὁμοῦ. 114. -rturrit : ὠδ[ε]ῖναι. (Verg. G. 2, 380 ?) 115. -rva : ὀλίγα. 116. -rit : τίκτει. 117. -rta : περικτηθέντα. (Verg. E. 3, 68 ?) 118. -ries : τοῖχος. (Cic. 2, 1 ?) 119. -rvulum : ὀλιγιστον. 120. -rsimonium : μικρολογία. 121. -rcit : φείδεται. 122. -rcius : πεφ<ε>ισμένος. (Verg. E. 3, 7) 123. -rsimonia : φ<ε>ιδωλία. 124. -r<co> tibi (tibi) quod est φείδομαι, σοῦ. (Char. 292, 28) 125. -scit : βόσκει, τρέφει, νέμει, σ<ι>τίζει, περιδ<ε>πνίζει. (Syn. ?) 126. -sco :

τρέφω. (Hor. S. 2, 6, 67 ?) 127. -scua : νομή. 128. -stor et pavor (pabulator ?) : νομεύς, ποιμήν, βοσκός, ἐπίσκοπος. 129. -ssus : βῆμα τὸ ἐν τῷ ποδ[ε]ῖ. 130. -stien-da (pastinatio ?) : βουλοστρόφησιν. 131. Phasiolus : λοβός. (= PH 3) 132. -ssim : πανταχοῦ, σποράδην, ἀντιδὴν (ἀνδ-), λελλυμένως, ἀθρόως. (Syn. ?) 133. -ssio : πάθος. 134. -ssiones : πάθη. (=133) 135. -stus : πιμελής, λιπαρός. 136. -sturalis canis : ποιμενικὸς κυὼν. 137. -sser : στρουθός, σιτοφάγος. 138. -stin[i]aca : σταφυλίνος ἢ <138 a.> τρυγὼν θαλασσία. 139. -ssura <e> <e> sse : ἀνέξασθαι (-ξε-). (Cic. 2, 20) 140. -ssivum : παθητικόν. 141. -ssum : σταφιδίτης (σταφυλ-). 142. -ssus : διάσθημα. <142 a.> μετὰ πόνου καὶ παθόν. 143. -stillum : τροχίσκος. (Char. 37, 15 ?) 144. -stinatio : φυν<ε>α. 145. -stio : νομή. 146. -stus : βοσκηθεῖς, τραφεῖς. 147. -ssus : παθών. (=142 a.) 148. -ssa (-rra ? passer ?) : εἶδος ὀρνέου. 149. -scua : νομαί. (=127) 150. -stina-ceus : σταφυλίνος. (=138) 151. -stillus : τροχίσκος. (=143) 152. -pilio : σκήνωμα. 153. Phaseli : φάσηλοι. 154. -tefactam : πεφανερωμένην (-ην). 155. -tet : ἀναπενταται (-πέπταται), ἀνέφγεν, φανερόν ἐστιν. (Hor. S. 2, 30 ?) 156. -tella : λοπάδιον. (Hor. E. 1, 5, 2 ?) 157. -<n> tices : ἔλκη κτηνῶν ἐν τραχήλῳ. (=82) 158. -tefacit : ἐξανόγει. 159. -tinae : λοπάδες. (Hor. S. 2, 2, 95 ?) 160. -ternum : πατρι-
κόν. (Verg. A. 7, 657 ?) 161. -terfamilias : οικοδοσπέτης. (Cic. 4, 12) 162. -tiendi : τοῦ πάσχειν. 163. -tibulum : σταῦρος ἀχραιος (ἀρχαίως). (Fest. ?) 164. -titur : ὑπομένει, πάσχει. 165. -tera : φιάλη. 166. -tescit : ἐξανόγεται. (Verg. A. 3, 530 ?) 167. -tina : λοπάς. (=159) 168. -tricius : εὐπατρίδης (=179 ?) 169. -titur : ὑπο-

87. cf. Plaut. Epid. 727. *an* Sat. (cf. Pers. 3,17) ? || 89 a. ζυγή *om.* Char. || 96-96 a. cf. Class. Phil. 13, 7. || 106. cf. Digest. 39, 2, 15, 13. || 109. Verg. A. 2, 175 (-am). || 125. Verg. G. 2, 189, etc. || 127. Verg. E. 1, 48, etc. || 130. cf. 144. || 131. cf. Verg. G. 1, 227, etc. ? || 146. Verg. G. 3, 231, etc. || 148. cf. Class. Phil. 13, 7. || 153. Verg. G. 4, 289 (-is) ; cf. PH 3. || 154. Cic. Sull. 45 ? || 157. cf. ad 82. || 163. cf. Plaut. Mil. 360 ; *an* « Char. » 554, 2 (p. : σταῦρος) ? cf. GA 12. || 165. Verg. A. 1, 729, etc. (-am).

μένει, πάσχει. (=164) 170. -tiens sui (sum) laboris : ὑπομένω τὸν κάματον. (Char. 293, 8) 171. -tiendi : (=162) <171 a.> passivum : παθητικόν. (=140) 172. -trimonium : οὐσία πατρική. (Cic. 2, 10 ?) 173. -trocinium : προστασία. (Fest. 262, 22) 174. -tronus : προστάτης, πάτρων <v>, τοῦτ' ἐστὶν ὁ ἐλευθερώσας. (Fest. 300, 36 ?) 175. -tronus causae : συνήγορος. 176. -truelis : ἀνεψιός. 177. -truus : θεῖος πρὸς πατρός. 178. -tulum : ἐκπέταλον, συνεστός, διακεχνητός. (Fest. ?) 179. -tricius : αὐτόχθων, εὐγενής. (Fest. 277, 2 ?) 180. -trat (pappat) : μασᾶται. (=87) <180 a. (patrat) > : κακενφάτως (-εμ-) ὡς εἰτ' ἐπ' αἰσχροῦς (-ῶν). (Fest. 238, 27 ?) 181. -tricii : πρόγονοι. (Cic. 2, 26 ?) 182. -tribulum (?) : πρόφορον. 183. -vet : pavescit, πτοεῖ. (Hor. Epod. 12, 25) 184. -viciat : ποδίζει, ἑδαφίζει. 185. -vimentum : χονδροβολίας (?) ἑδαφος. (Hor. C. 2, 14, 27 ?) 186. -vitum : ἡδαφισμένον. 187. -ululum : ὀλίγον, μ[ε]λίκρον. (Cic. 1, 9) 188. -ulo ante : πρὸ ὀλίγου, μικροῦ πρόσθεν. (Cic. 1, 16, etc.) 189. -ulisper : ἐπ' ὀλίγον, ἐπὶ βραχύ. (Cic. 1, 30) 190. -vo : ταῶς. (Char. 98, 4) 191. -vor : δέος, πτόησις. 192. -uper : πένης, πτωχός. 193. -usat : ἀναπαύεται καὶ ἀναπαύει. 194. -upertas : πενία. (Hor. C. 1, 12, 43 ?) 195. -tulum : ἐκπέταλον. (=178) 196. -ulatim : κατ' ὀλίγον. 197. -ucum : ὀλίγον. 198. -uper : πτωχός, πένης. (=192) 199. -vet : πτοεῖται, φοβεῖται. 200. -vimentum : ψηφολόγημα. 201. -x : εἰρήνη.

PE

Peccat : ἁμαρτάνει. 2. Pacciolus (pet- ?) :

ποδάριον καὶ πόδιον τῶν γραμμάτων, καὶ πάσης ὁπώρας τὸ ξυλῶδες, καθ' ὃ ἐξήρηται τοῦ κλάδου. (Fest. ?) 3. -cu[o]s- <i>us : ποιμὴν ἀρχαίως. (Fest.) 4. -cunio- sus : πολυχρήματος. 5. -cten : πλῆκτρον, κτένισμα. 6. -ctem (-cten) : κυεῖς (κτ-). (=13) 7. -ctus : στῆθος. 8. -culatio : νοσοφισμός, διαρπαγή, peculatus. 9. -culium : κτήσις τοῦ ἐπ' ἄλλοτρίᾳ ἐξουσία ὄντος, τοῦτ' ἐστὶν υἱοῦ ἢ δούλου. (Fest. 290, 34) 10. -cunia : νόμισμα, ἀργύριον. 11. -cus : ποίμνιον, πρόβατον, βόσκημα, κτήνος, βρέφος. 12. -cuniaria : χρηματική. (Off. ?) 13. -ctis : κτεῖς, κτενίον. 14. -cudarius : προαλῆς (?). 15. -culium : περιουσία, περίκτησις, ἴδιον, σφέτερον, οὐσία δούλου. (Fest. 290, 34) 16. -culiaris : ἰδιόκτητος. 17. -cunia : χρήματα, ἀπὸ τιμῆς κτηνῶν. (Char. 107, 33) 18. -culiatus : κτήσιος, πολυούσιος. (Off. ?) 19. -dale : ποδεκμαγεῖον. 20. ποδ<ε>ιον. 21. -des : πόδες δακτύλου (-τυλ-). καὶ <21 a.> μέτρα. 22. -dester : πεζός. 23. -destre : πεζὸν καὶ ἐπίπεδον. 24. -des [s]tel[1] <a>e : ἰστόποδες. 25. -dieli : ἀρπεδόνες. 26. -disequos : ἀκολουθο<u>ς. 27. -ditum : πορδῆ. 28. -duculum : φθεῖρ. 29. -do : πλατύπους (=34) 30. πορδῶ. 31. -des : πεζός. 32. -dis : ποδός. (=33) 33. -s : πους. 34. -do : plantus (-cus), πλατύπους. (Fest. ?) 35. -dius : πόδιον τὸ τῶν γραμμάτων. 36. -dical (?) : παγίς, σκελοποδη (-πέδη). 37. -dicularius : συντονάριος. (?) 38. -daneus iudex : χαμεδικαστής (-μαι-). (Off. ?) 39. -destre : πεζάς. 40. -demstruit : φεύγει. (Fest. 408, 37) 41. -ius : χεῖρων. 42. -ior : χεῖρων. 43. -llis : δέρμα. 44. -llio : δερματοουργός, ἡνιοράφος. 35. -licatio : εἰρων<ε>ία, ζήλοτυπία. « Char. » 552, 17. (Char. ?) 46. -llis lanata : μολωτή, ἀρνα-

180 a. cf. Pers. 1, 18 ; Porph. ad Hor. S. 1, 5, 84. || 192. Verg. A. 2, 87, etc. || 196. Verg. E. 4, 28, etc.

PE 2. cf. 35 ; Non. 160, 16. || 3. cf. Loewe, Gl. nom. 104. Pecusius *Abav.* || 5. Verg. G. 1, 294, etc. (-ine). || 12. cf. Digest. 48, 22, 11 ; Gaius, Inst. 4 111 *Rudorff.* || 15. cf. 9. || 17. P., quoniam a pecore dicta est *Char.* || 18. cf. Digest. 19, 1, 13, 4. || 31. cf. 22 ; *forsitan* P : pedester, π. ? || 32. Verg. G. 3, 460, etc. || 35. cf. 2. || 36. *Pedicla Cyrrill.* || 38. cf. Digest. 2, 7, 3. || 40. cf. CA 64. || 43. Verg. G. 3, 502, etc. || 45. *Pellicatus* : ζήλοτυπία. « Char. » 552, 17.

κίς. (Fest. 102, 1) 47. -llarius : πελλορά-
 φος. 48. -lvis : λεκάνη. 49. -llit : ὠθεῖ,
 ἀπωθεῖται. 50. -lliculare : δερματωσαι.
 51. -llio : βυρσεύς, οθαποτροφος (?). 52.
 -lex : ζηλή, παλλακή. (Fest. 248, 1 ?) 53.
 -nes : παρά. (Fest. 20, 19 ?) 54. -ndet :
 κρέμαται. (=86) 55. -ndo : ἡγοῦμαι καὶ
 τιμῶμαι καὶ σταθμιζω καὶ τίνω καὶ <55 a.
 (-eo)> : ἡρτημαι καὶ <55 b.> ἀποδίδο-
 μαι. 56. -netrat : ἐνδύνει. (Verg. A. 7, 363?)
 57. -nicillum : σπογγεῖον. (Fest. 231, 2 ?)
 58. -nis : αἰδοῖον, πρόσθεμα. (Fest. 260,
 15) 59. -nitus : ἐνδοτέρω, κατὰ βάθος.
 (Cic. 1, 27 ?) 60. -nsat : ἐξισοῖ, ἀντελλο-
 γεῖ καὶ σταθμιζει. 61. -nsilis : κρεμαστός.
 (Hor. S. 2, 2, 121 ?) 62. -nsio : ἀναφορά
 (ἀπο-), ἐνολικιον. (Fest. 229, 7) 63. -num :
 ὅσα εἰς πόσιν καὶ βρώσιν συναθροίζεται.
 64. -ndere : ἐκτίσαι. <64 a.> ἡρτῆσθαι.
 65. -ninsula : χερρόνησος. (=PA 19) 66.
 -nsat : σταθμιζει. (=60) 67. -nates :
 πατρῷοι θεοί, κατοικίδιοι. (Fest. 298, 19)
 68. -nitentia : μετάνοια. <66 a. (penu-
 ria)> : ἐνδ<ε>ια. 69. -rgula : μεσόδμη,
 ὑπερῶον, ὀροφή. (=170) 70. -nsitatio-
 nem : τὴν καταβολήν, τὴν εἰσφοράν.
 (Bibl. ?) 71. -ne (-nis) : κήδαλον. 72.
 -nitus : ἐνδον, παντελῶς. 73. -nusa (peno-
 ra) : βρώτα καὶ πότα. (Fest. 231, 8) 74.
 -nsionum : τῶν συντελ<ε>ιῶν. 75. -n-
 siones (-is) : καταβολῆς. 76. -nsitatio :
 συντέλ<ε>ια. 77. -nsitant : τελοῦσ[ε]ιν.
 78. -niculum (ped-) : ἀρπεδόνιον. (Fest.)
 79. -n<i>s : αἰδοῖον. (=58) 80. -ndo
 p<o>enas : δίκας τινύω. (Fest. 278, 23)
 81. -netrat : διαπερᾶ, διέρχεται. 82. -n-
 sius : δαπαν[ν]ηρῶς. 83. -ndo : ἡγοῦμαι,
 τινύω. 84. -ndo magni te : ἡγοῦμαι σε
 πολλοῦ. (Char. ?) 85. -ndo poenas :
 τίνει (-ω) τιμωρίας. (Fest. 229, 5 ?) 86.
 -ndit (-ndet) : κρέμαται, ἡρτηται. 87.

-ne : μικροῦ δεῖν, ὀλίγου δεῖν, παρ' ὀλίγον,
 σχέδον. (Cic. 4, 19 ?) 88. -netrale : μοιχός
 (μυ-). 89. -nitet me : μετanoῶ. (=PA 20)
 90. -netralia : μοιχοί (μυ-), ἐνδότατα.
 (Fest. 231, 1) 91. -naria cella et promun-
 torium (promptuarium) : ταμείον. (Fest.
 231, 9) 92. -pigit : συνέθετο, συνετάξατο
 καὶ ἀνάκτωσεν (ἐπ-). (Verg. A. 10, 902 ?)
 Per : διὰ <93 a.> πάνυ. 94. -a : κόρυκος.
 95. -acto : πληρωθέντος. (Act. 27, 9 ?)
 96. -agit : ἀπαρτίζει. (=98 ?) 97. -agrat :
 περιέρχεται, περινοστεῖ. (Verg. A. 4, 72 ?)
 98. -actis : ἀπαρτισθέντων. (Hor. C. 4,
 14, 89 ?) 99. -agitur : ἀπαρτίζεται. (=98 ?)
 100. -censere : ἐξαριθμῆσασθαι. 101.
 -cidit : περαίνει ὡς ἐπὶ αἰσχροῦ. 102.
 -agit : (=96 ?) <102 a.> peragat : περεοῖ
 (-ραι-), διατελέσῃ, πληρώσῃ, διαπραξή-
 ται. (Verg. A. 4, 452) 103. -contentur
 (-contatur) : πυνθάνεται, φιλοπευστεῖ.
 104. -contari : πυνθάνεσθαι. 105. -colui :
 ἤσκησα. 106. -cunctatio : πυγμα (πύσ-).
 (Fest. 236, 4) 107. -cunctator (-cont-) :
 πευστής. (Hor. E. 1, 18, 69 ?) 108. -cep-
 tio : συνεκδοχή. 109. -cussor : κροτα-
 φιστής, σφάκτης. 110. -currit : διατρέχει,
 διέρχεται. (Verg. G. 1, 294 ?) 111. -cus-
 sit : ἐξέπληξεν. (Hor. C. 1, 7, 11) 112.
 -cutit (-cussit ?) : ἐπληξεν. (=111 ?)
 <112 a.> κρούει. 113. -culsum : ἀπωσμέ-
 νον (Cic. 2, 2) 114. -cussus : ἐκπλαγείς,
 ἀπόπληκτος. 115. -cipit : ἀντιλαμβάνε-
 ται καὶ συνίστην. 116. -censere : ἀπογρά-
 φασθαι. 117. -ditus : ἀπεγνωσμένος.
 (=128) 118. -pennius (?) : αὐθέντης.
 119. -duelliones : οἱ κατὰ τοῦ δήμου τοῦ
 Ῥωμαίων βουλευόμενοι ἢ κατὰ βασιλέων.
 (Off. ?) 120. -cipere : μεταλαβεῖν. 121.
 -ditissimorum : ἀπολλυμένων. (Cic. 2,
 29) 122. -dustus (-duc-) : ἀχθεῖς. (Cic.
 3, 14 ?) 123. -ditus : ἀπεγνωσμένος καὶ

47. cf. 44. || 51. δερματοράφος. (cf. Cyrill.) ? || 52. Paelex cod.; cf. PA 17. || 53. Paenes cod. ||
 55 a. cf. 64 a; 86. || 63. cf. 73. || 68. Paenit. cod. || 70. cf. Sulp. Sev. Chron. 63, 9 ? || 72. cf.
 59. || 78. cf. Fest. 14, 8; AM 31. || 80. cf. 85. || 85. cf. 80. || 91. cf. Cyrill. (Ταμείον: promp-
 tuarium). || 95. διαγενομένου. N. T. || 101. Goetz conf. Mart. 11, 28, 2. || 109. cf. Cic. dom. 13. ||
 112. An percultit (cf. 133-4) ? || 116. cf. 100. || 118. cf. 249. || 110. cf. Digest. 50, 16, 234; an
 Fest. (cf. 91, 7) ?

ἀπολωλώς. (Cic. 2, 7) 124. —ducit : καθισ-
τᾷ, διασώζει, διάγ[αγ]ει. 125. —ditrix :
ὀλέτειρα, ὀλεθρία. 126. —dicax (-vic-) :
ἱταμός, μονότονος, ἱσχυρογνώμων, ἐπι-
μονος. (Syn. ?) 127. —cipit : λαμβάνει,
προσδεύετο (-ται). 128. —culit : κατέ-
βαλεν, ἐξέπληξεν. 129. —cutit : πλῆσσει,
παίει, ραπίζει. 130. —egre : adverbialiter
ἐπὶ ξένῃς, ἀπὸ ξένῃς, ἐπὶ ξένῃν. 131. —egri-
natur : ξενιτεύει, ἀποδημεῖ. 132. —egrinus :
ἀπόδημος, ξένος, ἐπίξενος. 133. —emit
(-im-) : ἀναιρεῖ. (Fest. 294, 1) 134. —enne :
ἀδιάλ<ε>ιπτον, αἰώνιον. 135. —egisse :
ἡνυκέναι. 136. —enne : ἀ<ε>λιδιον, διηγε-
κές. 137. —egrinatio : ἀποδημία. 138.
—endie : εἰς τρίτην. (Char. 215, 15 ?)
139. —egrinus : παρεπιδημος. (=132 ?)
140. —fectum : πεπερωμένον (-ραι-),
ἀπηρτισμένον. 141. —us : ἀπηρτισμένος,
τέλειος καὶ τετελεσμένον (-ος) 142. —a :
ἀπηρτισμένη, πεπερωμένη (-ραι-). 143.
—fidia : ἀπιστία. 144. —filiis : μακροσκελῆς.
(?) 145. —fodit : διουρύσσει. (Iob. 24, 16 ?)
146. —foraculum : τέρετρον. 147. —forat :
διατρύπᾳ. (Verg. A. 10, 485 ?) 148. —fri-
xit : περιεψύγη. (Iuv. 7, 194) 149. —fundit :
καταχέει, καταχύνει. (Verg. G. 4, 384)
150. —ferre : περιφέρειν. (Verg. G. 2, 343 ?)
151. —ficiit : πληροῖ. (Hor. E. 1, 1, 39 ?)
152. —fringendas : καταεακταιας (-έας).
(Cic. 1, 18) 153. —frui : ἀπολαῦσαι. 154.
—ficiam : ἀνύσω. (Cic. 2, 28) 155. —fidus :
ἄπιστος. 156. —ferre : διαγαγεῖν. (=150 ?)
157. —fectus : ἀπηρτισμέ[ι]νος, τέλειος,
ἐκτικός. 158. —fringit : ἀποκλᾷ. 159.
—fectum : παρακείμενον, περαιώμενον,
συντελικόν. 160. —fectissimus : ἀξιολογώ-
τατος. 161. —git : ἐπείγεται, σπεύδει,
ὀρμᾷ, βαδίζει. (Fest. 235, 20-1 ?) 162.
—gula : ὑπερῶν καὶ ἔκρια. (=165 ?) 163.
—ge : βαδίζει. (Cic. 1, 10, etc.) 164. —go :
παραγίνομαι. 165. —gula : μεσόδη,

ὑπερῶν, ὀροφῇ, στενὸν οἶκημα. (Iuv. 11,
188 ?) 166. —hibenda : παρασχεταία
(-έα). 167. —hibentur : λέγονται. 168.
—igi<t> (rep-) : συνέθετο, συνετάξατο.
(=92) 169. P. idem : κατὰ τὸ αὐτό. 170.
—it : ἀπολαυται (-όλλυ-), ἀναιρεῖται. 171.
—itus : ἐμπειρος. 172. —iurus : ἐπιόρκος.
173. —inde : ὁμοίως, ἐπ<ε>ιτα, τοιγα-
ροῦν. (Fest. 65, 24 ?) 174. ὥστε, παραπλη-
σίως καὶ ὁμοίως. (=173 ?) 175. —itia :
πεῖρα, γνῶσις. 176. —<i>clitanda[ε] :
κινδυνευταίαις (-έα). (Cic. 1, 11 ?) 177.
—istilum : περυστιλόν (-ίστυλ-). 178. —icu-
lum : κίνδυνος. 179. P. instantiam : διὰ
βοηθείας. 180. —iculum facere : παρα-
βολεύσασθαι. 181. —lucidum : διαυγές,
διαφανές. 182. —a : διαφανῆ. (=181 ?)
183. —lavia (-luy-) : ποδάνιπτρα. (Fest.
152, 28) 184. —lustrat : περισκοπεῖ. 185.
—luo : διακλύζω. 186. —lucescit : διαφαίνει.
Permiscuit : συνέμιξεν, συνέχευεν. 188. —misit :
ἐπέτρεψεν. (Verg. E. 1, 10 ?) 189. —mulsit :
κατέψησεν, κατεπράυνεν. (Verg. A. 5,
816) 190. —manet : διαμένει. (Cic. 2, 10)
191. —marini : διαπόντιοι. 192. —meo :
διαπερῶ. 193. —nicies : ὀλεθρος. (Cic. 2,
1) 194. —niones : χε<ι>μετλα. 195. —nix :
ὠκύπους, ἀκρότονος. 196. —tinax :
βίαιος, δυσέρισ<τος>. (=286) 197. —noc-
tatio : παννυχισμός. 198. —na : σάρκινον
υποδεμα (?). 199. —noctat et pervigilat :
διανυκτερεύει, παννυχίζει. 200. —nox :
πάννυχος, ἄγρυπνος. 201. —orat : δικαιο-
λογεῖται. 202. —orare : τελ<ε>ιώσαι,
περαιῶσαι. 203. —orat[ur] : δικαιολογεῖ-
ται. (=201) 204. —oratio : ἐπίλογος. 205.
—peram ago : περπερεύομαι, προπετεύο-
μαι. (Bibl. ?) 206. —pendiculum : δια-
θήτης, καθετης (-ήρ). (=274 ?) 207. —per-
[per]am : αναμαρτον (ἐναμάρτως ?).
(=218) 208. —pendenda : σταθμηταία
(-έα). 209. —perus : πέρερος, προπετής.

128. Verg. A. 5, 374..|| 130. Hor. S. 1, 6, 103 Wey.|| 137. Bibl. ? cf. Eccclus. 29, 30, etc.||
140-2. Una glossa ?|| 144. cf. Non. 25, 26 (Compertes dicuntur longis pedibus).|| 155. Verg.
E. 8, 91, etc.|| 161. An Verg. A. 11, 521 ?|| 180. cf. Cic. 1 Verr. 34 ?|| 185. Hor. E. 1, 15,
4 (-or) ?|| 188. Hor. C. 4, 4, 3 Wey.|| 195. Verg. G. 3, 93, etc.|| 198. Hor. S. 2, 4, 60 Wey. cf.
276.|| 200. cf. Iuv. 8, 10 ?|| 207. Perperum : ἀνάμαρτον Goetz.

210. -pensas : δοκιμασθεῖς<ας>, σταθμισθεῖσας. 211. -petuum : αἰώνιον, δι' ὅλου, διηγεγες (-κές). (Cic. 1, 30) 212. -potatio : πρόποισις. 213. -petitur : ὑπομένει, καρτερεῖ. 214. -petratio : κατόρθωσις καὶ δρασματοπ<οι>ία. 215. -pendit : σταθμίζει, σηκοῖ. 216. -plexe : σπουδαίως, περιπεπλεγμένως. (Fest. ?) 217. σκολίως. 218. -peram : ἐναμάρτως, προπετώς. 219. -quirit : ἐκζητεῖ. (Iob. 39, 8 ?) 220. -petrat : κατορθοῖ. (Fest. 239, 7) 221. -scribit : καταγράφει. 222. -sequitur : κατ' ἔχθραν δίδωκει, ἐπακολουθεῖ, μετέρχεται, περιδίδωκει. (Syn. ?) 223. P. singulos dies : καθ' ἑκάστην ἡμέραν. 224. -sona : πρόσωπον. (= 248) 225. -spicuum : καταφανές, διαυγές, προὔπτον. 226. -sapiens : πᾶν φρόνιμος. 227. -spicat (-ax) : περίεργος. 228. -spicuitas : λαμπρότης, περιφάν<ε>ία. 229. -sonarum acceptio : προσωπολη[μ]ψία. (Ephes. 6, 9) 230. -severat : ἐπιμένει, ὑπομένει, καρτερεῖ. 231. -severantia : ἐπιμονή, ὑπομονή. (Ecclus. 28, 26 ?) 232. -spicuum : ἐκδηλον. 233. -spectus : εὐπρόορατος. 234. -scrutatur : διερευνᾷ. 235. -secutor : διώκτης. (1 Tim. 1, 13 ?) 236. -secutio : δίωξις, ἐπανάλη[μ]ψις. (Bibl. ?) 237. -sonat : διαχαρκτηρίζει. 238. -spirat : διαπνεῖ. 239. -stat : διαστέκει. (Verg. A. 5, 812) 240. -severaverunt : παρέμειναν. (Ezech. 13, 6 ?) 241. -suaserit : ἀνέπεισεν. 242. -sequi : μετελθεῖν, ἐπεξελεθῆν. (Cic. 2, 4) 243. -sona : πρόσωπον, προσωπεῖον. 244. -spicius : κατάδηλος. (= 273) 245. P. se : αὐτόματον, δι' ἑαυτοῦ. 246. -suadet : ἀναπείθει, συμβουλεύει. 247. -spicua : δῆλα, προφανῆ. 248. -severet : ἐπιμένει. 249. -pennius (?) : αὐθέντης. (= 118) 250. -pendi<t> : δοκιμάζει[v]. 251. -petrare : πεπλημμελῆκεναι. 252. -petrata : γιγνώμενα. 253. -pendentes etiam : καὶ λογισάμενοι. 254. -quam : [χ]εῖραν. 255. -peti : καρτε-

ρῆσαι. (Hor. C. 1, 3, 25 ?) 256. -petratio. κατόρθωμα. 257. -tica : κανών, κάμαξ. 258. μόχλος ληνοῦ. 259. -spicuum : πρόδηλον, τρανόν. 260. -spiciam : φανήσομαι. 261. -tulit : διεκόμεσεν. (= 278 ?) 262. P. suffragia : διὰ προστασιῶν, διὰ μαρτυριῶν. 263. -tinax : ἐπίμονος, φιλόναικος. 264. -ceptio : συνεκδοχή. 265. -tundit : τριπᾷ (τρυ-). 266. -tulit : ἐπήνεγκεν (ὕπ- ?). (= 278) 267. -sonat : χαρκτηριάζει. (= 237 ?) 268. -tinet : ἀνέκειν (-ει). 269. -petuantes : παραμένοντας. 270. -cisus : perdicatus (paed-), πεπυγισμένος. 271. -multa : πᾶν πολλά. 272. -solvo : περιλύω, περιγράφω. 273. -spicuum (-us) : προφανής, κατάδηλος. 274. -pendiculum : σταθμὴ λεξικη (?), ὃ καλεῖται καθετήρ. 275. -spicit : συνήτησιν. 276. -na : σάρκινον υποδεμα (?). (= 198) 277. -tendit : σημάίνει. 278. -tulit : ὑπ<ήν>εγκεν, διεκόμεσεν. 279. διεκόμεσεν, ὑπήνεγκεν. (= 278) 280. -tinax : φιλέριστος. (= 286) 281. -sonat : καρακτηρι<ά>ζει (χαρ-). (= 267) 282. -timesces : εὐλαβηθῆσαι. (Cic. 1, 17) 283. -ditissimorum : ἀπολλυμένων. (= 121) 284. -ditus : ἀπεγνωσμένος. (= 123) 285. -tinet : ἀνέκειν. (= 268) 286. -tinax : βίαιος, δυσέριστος, σφοδρός, μονότονος, ἐπίμονος, φιλέρι<στος>. 287. -turbat : θορυβεῖ. (= 288) 288. περιφύρει, ταρασσει. (Syn. ?) <288 a. (-agrat)> : περινοσσεῖ. (= 97) <288 b.> διαρεύει, περικυκλεύει, θορυβεῖ. (= 288) 289. -sonet : κατηχεῖ. (Hor. E. 1, 1, 7) <289 a.> ρετο (peto) : αἰτῶ καὶ στέλλομαι καὶ ὁρῶ. (= 333) 290. -t<a>esus : εἰς μ[ε]τ[ε]ριστος γενησόμενος. (Fest. 336, 2) 291. -tinacia : ἐγχεράτ<ε>ία, φιλονεικία. 292. -taesum est iniuriae : σικχεῖται (-αίνομαι) τὴν ὕδριν. (Char. 293, 11) 293. -secutus est : μετῆλθεν. (Cic. 4, 13) 294. P. se : μόνον, δι' ἑαυτοῦ. (= 245 ?) 295. -sequitur : ἐξέρχεται, ἐπιδίδωκει. 296. -severat :

212. Cic. Pis. 22 ? || 216. cf. Ter. Eun. 817. || 236. cf. Rom. 8, 35, etc. || 268. cf. 285. || 270. Mart. 4, 48, 1 Goetz. || 274. cf. 206 ; λαξευτική *Vulcanius* : λαξοῖχη *Buecheler*. || 295. Pequitur *cod*.

ἐπιμένει, ἐμμένει. 297. -secutione : παραιοπιπῆ. 298. -vadit (-sit) : διωδυσεν, ἐπέρασεν. 299. -vadit : διωδεύει. (=298) 300. -vasisse : ἐπεληλυθέναι. 301. -urgue-tur : κατεπ<ε>ιχθήσεται. 302. -versus : ἐπαρίστερος. 303. -vigilium : παννυχισμός. (=313) 304. -vigilatio : παννυχίς. 305. -secta (praeiecta) recta (tec-) : ἀναπεταμένη (-τετ-), ἀνά[σ]τασιν ἔχουσα, ἐπ' οἰκ[ε]ίας. (=PR 313). 306. -vium : ὀδεύσιμον. 307. -vicax : φιλόν<ε>ικος. 308. μονότονος. 309. (pergula) : ὑπερῶν, καλύβη. (=165 ?) 310. -vagatur : περιρέμεται. 311. -valde : multum, πολύ, πᾶν, λίαν. 312. -vigilat : παννυχίζει. (=199) 313. -vigilium : παννυχισμός καὶ ἡ διὰ νυκτὸς ἀγρυπνία. 314. -volat : δῖπταται. (Verg. A. 12, 474 ?) 315. -vado : ἐφορῶ. 316. -vadit : διο[υ]δεύει. (=299) 317. -vastat : ἐκπορθεῖ. 318. -taesum : μ[ε]ῖσος (!). (=290) 319. -vicacitas : μονοτονία.

Pes : πούς. 321. -ssum : βυθός καὶ βόθρος. (Fest. ?) 322. -ssumdat : βυθίζει, καταποντίζει. (Fest.) 323. -ssulum : μάνδαλον, κλ<ε>ῖθρον. (Fest. ?) 324. -ssimus : ἔσχατος, κάκιστος. (=325) 325. κάκιστος, χείριστος, ἔσχατος, χείρων. (Syn. ?) 326. -stimus (?) : λοιμοφόρος. (=327) 327. -stilens : λοιμώδης, λοιμικός. 328. -stis : λοιμός, φθορά. (=330) 329. ὀλεθρος. (Cic. 1, 30) 330. -stilentia : lues, λοιμός, φθορά. 331. -stiferum : λοιμώδης (-εσ). (Fest. 230, 14) 332. -ssulum : χελώνιον (?). 333. -to : αἰτῶ καὶ στέλλομαι καὶ ὀρῶ καὶ ἀξιώ καὶ μέτειμι. 334. -tivolum (-ibul- ?) : σκοπός. 335. -tulans : ἀναγωγός, προαλής. 335. -tumen

(-imen) : κτήγους ἔλκος. (= PA 157 a.) 337. -tivit : ἤτησεν, ὤρησεν. (=339 ?) 338. -titor : ὁ ἐνάγων, αἰτητής, μνηστήρ. 339. -tisti : ὤρησας, αἰτησας (ἤτ-). (Cic. 1, 11) 340. -titiones : ὀρμάς. (Cic. 1, 15). 341. -tulantia[e] : ἀναιδία, προπέτ<ε>ια. (Cic. 2, 25) 342. -tulans : προαλής (-αλ-), ἱταμός, προπετής. 343. -tuosus (paet-) : μύωψ. (=PA 24 ?) 344. -to : δέομαι, αἰτοῦμαι, ἀξιώ. 345. -xo capillo : ἐκτενισμένος κόμη<ν>. (Cic. 2, 22) 346. -xus. κτενισθείς.

PH

Phalangarii : οἱ ταῖς δοκοῖς ἀποκρεμῶν-τες βάρη καὶ πλείονες ἅμα βαστάζοντες. (Fest. ?) 2. -lera : φάλαρα. 3. -sioli : λοβοί.

PI

Piaacula : ἀποτροπιάσματα, ἀγνί[α]σματα, μολύσματα, λύματα. 2. -atur : ἐξιλάσ-κεται. (Fest. 232, 8) 3. -ca : κησσα (κί-) καὶ <3. a. (pix)> : πίσσα. 4. -cat : πισσοῖ. 5. -ctor : ζώγραφος. (Fest. 228, 10) 6. -cus : δρυοκολάπ[λαπ]της, δενδρο-κολάπτης. (Verg. A. 7, 48 ?) 7. -etas : εὐσέβεια (Cic. 2, 25) 8. -ger : ὀγνηρός (ὀκ-), ἀργός. 9. -get me : ὀκνῶ. (=11) 10. -gnerarium : πρακτόριον. (Off. ?) 11. -get me huius rei : ωγνο (ὀκνῶ) ἐπὶ τούτῳ τῷ πράγματι. (Char. 293, 10) 12. -gnus : ἐνέχυρον, ὑπάλλαγμα. 13. -gra : κρυψιπυρίς (?). 14. -gmentarius : μυρο-πώλης, φαρμακοπώλης, σμηγματοπώ-λης καὶ μυροφος (-εψός). (Bibl. ?) 15.

304. cf. Pervigilium : π. « Char. » 554, 22. || 307-8. cf. 286. || 322. cf. Cyrill. (Κατα-βυθίζω : demergo, pessumdo Terentius Andriae (208) etc.); (Καταποντίζω : demergo, perundo, pessumdo). || 326. Pestifer (cf. 331) ? || 337. Verg. A. 3, 563, etc. || 342. cf. 335.

PH 1. cf. FA 36 (Falangarii : λιθοφόροι). cf. Non. 163, 20 (Palangae dicuntur fustes teretes qui navibus subiciuntur cum adtrahuntur ad pelagus vel cum ad litora subdu- cuntur; unde etiam nunc palangarios dicimus qui aliquid oneris fustibus transvehunt : Varro, etc.)

PI 1. Verg. A. 4, 636, etc. || 3. cf. Pers. prol. 13; Class. Phil. 13, 7. || 12. Verg. A. 5, 538, etc. || 13. cf. Hermen. (Pigella : θερμοφύλαξ) ?

-la ; κρηπίδωμα, κρηπίς καὶ παραστάς. (Fest. 225, 6) καὶ <15 a.> σφυρα (σφαῖ-). 16. -larius : σφεροειδής (σφαι-), σφεροποιός (σφαι-). 17. -l<a>e : ταυράριοι, ταυροκατάπται (-καθ-). 18. -losus : δασύς. (Gen. 27, 11 ?) 19. -lus : θριξ σώματος. 20. -lum : ὑπερ[ω]ον. καὶ <20 a.> 'Ρωμαϊκόν δόρυ. 21. -atur : ἀγνίζεται καὶ καθαίρεται. (=2 ?) 22. -gmen-tarius : χρωματοπώλης. (=14 ?) 23. -pitat : κορυζιῶ. 24. -ligerat : τριχολογεῖ. (Fest. ?) 25. -ctor : ζώγραφος. (=5) 26. -atur : ἐξιλάσκειται. (=2) 27. -get illum : ὀκνεῖ. (Char.) 28. -gnus : ἐνέχυρον, ἐπάγγελμα. (=12 ?) 29. -la : κρηπίδωμα, παράστασις. (=15) 30. κρηπίς καὶ ὄλμος καὶ παραστάς (=15) καὶ <30 a.> σφερα (σφαῖ-). (=15 a) 31. -nna : πτέρυξ, πτερόν. 32. -nnae : ἐπάλλξεις <32 a.> πτερά. (=31) 33. -ngu[a]e : λιπαρόν. 34. -nus : πίτυς, πεύκη. 35. -pita : κόρυζα. 36. -pula (pir- ?) : κηκίς ἥτις εἰς τὸ μελάνιν πέμπεται, hoc est galla. 37. -rum : ἄππιος ὁ καρπός. 38. -ra et piri : ἄππιοι. 39. -rus : ἄππιος τὸ δένδρον. 40. -r[um]astrum : ἀχράς. 41. -saculum (?) : ὑπερον. (=20 ?) 42. -sat : πτησσει (πτί-) 43. -scator : ἀλιεύς. 44. -scatus : ἄγρια. 45. -sces : ἰχθύες. (=46) 46. -scis : ἰχθύς. 47. -scina : δεξαμενὴ, ἰχθυοτροφ<ε>ιον. (Fest. 232, 12) 48. -stillum : ἀλατρίβανος, δοῖδιξ (-υξ), τριβεύς. 49. -stor : ἀρτοκόπος. 50. -strinum : μυλὼν, ἀρτοκόπιον. 51. -strix : κῆτος καὶ <51 a.> ἀρτοποιός. (Fest. 126, 14) 52. -scina : δεξαμενὴ καὶ κολυμβιθρα (-θη-). (=47 ?) 53. -sus (?) : πησός (πι-). 54. -tana (?)

ἀλαπη, ὡς Κικέρων. (?) 55. -tuita : φλέγμα. (Hor. S. 2, 2, 76, etc. ?)

PL

Placavit : ἐπράυνεν. (=2) 2. -cavi : ἐπράυνα. 3. -cat : ἱλάσκειται, καταστέλλει. (Hor. E. 1, 16, 58 ?) 4. -casti : ἐπράυνας. (=2) 5. -cabilis : εὐκαταπράυντος. (Verg. A. 7, 764 ?) 6. -centa : πλακοῦς. 7. -cet : ἀρέσκει. (Cic. 4, 6 ?) 8. -ga : πληγή. 9. ζώνη οὐρανία καὶ <'I>ρις. 10. -gae : κυνηγετικά λίνα. 11. -gula : δίκτυον. 12. -giarius : ψυχαγωγός. (Off. ?) 13. -netus : κοπετός. 14. -neus : πλατύπους. (Fest. 258, 11) 15. -ne : σαφῶς καὶ μέντοι. (Cic. 1, 8) 16. -nta : σφυρόν. 17. -ntat : φυτεύει. 18. -ntae : μόσχοι τὰ φύτα καὶ αἱ φυτ<ε>-ῖαι. (Fest. 258, 8) 19. -ntago : ἀρνόγλωσσον. (Char. ?) 20. -num : ἐπίπεδον, ὁμαλόν, σαφές. 21. -usus : κρότος. (Verg. G. 2, 508 ?) 22. (plautus) : βαρύωτος. (=23) 23. -utus : βαρύωτος. (Fest. 259, 1) 24. -n[a]e : ὄντως. (=32) 25. -num : fallacem ἀπὸ τοῦ πλανᾶν. (Hor. E. 1, 17, 59) 26. -ntatio : φυτ<ε>ία, μοσχία. 27. -gae : πληγαί. (=8) <27 a.> λίνα κυνηγετικά. (=10) 28. -ngoribus : κοπετοῖς, θρήνοις. (Verg. A. 2, 487, etc.) 29. -gare (plac-) : ἐξιλεώσασθαι. (Hor. C. 1, 36, 2 ?) 30. -ustrum : ἄμαξα. (Fest. 258, 12) 31. -ntae : πέλματα. (Fest. 258, 9) 32. -ne : profecto, σαφῶς, μέντοι, ὄντως, τῷ ὄντι. (Hor. S. 1, 3, 66) 33. -usibile : αιτησεκρι-ton (?). 34. -gosus : δάρτης. (Hor. E. 2, 1, 70) 35. -catus : διηλλαγμένος. Plebiscitum : δῆμου ψήφισμα. 37. -antae :

17. Pilae taurariae : ταυροκαθάπται *Salmas*, cf. Mart. 2, 43, 6; Spect. 9, 4 ? || 20. cf. ad 41. || 23. cf. 35. pipita *idem est quod* pituita (*Italice* pipita, *Hispanice* pepita, *Franco-gallice* pépie). *Male igitur Catullus quadrisyllabice* pitūitā. cf. Quint. 1, 6, 37 (Aelius pituitam, quia petat vitam). || 24. cf. Pilat (Fest. 225, 4) || 27. cf. 9 et 11. || 28. Hor. C. 1, 9, 23 *Wey.* || 32. Verg. A. 7, 159 (-is). || 33. Verg. G. 1, 64, etc. || 34. Verg. E. 4, 38, etc. || 35. cf. 23. || 41. cf. Cyrill. ('Υπερον : pisaculum, pilum). Pisabulum *Hermen.* || 51. Verg. A. 3, 427. || 53. Pisum : πυσός *Hermen.* *Sed cf.* Cyrill. (Πισός : pisus). || 54. Patina : λέπας, ὡς Κικέρων (Att. 4, 8 a, 1) *Klein.*

PL 2. Hor. S. 2, 3, 206 *Wey.* || 3. *An* Verg. A. 1, 142 ? || 5. *An* Prov. 15, 4 ? || 9. Verg. A. 7, 227. || 12. cf. Digest. 1, 18, 13. || 19. cf. Gram. Lat. 4, 582, 20. || 30. cf. 51. || 33. αἰτη-

μόσχοι. (=18) 38. -icat : πτύσσει, διπλοῖ. 39. -enum : μεστόν, πληρες. (=49 a) 40. -ecti[bi]le : πλεκτόν, πτυκτόν. 41. -ebs : πληθος, δῆμος ὁ μικρός. 42. -ectitur : πλέκεται. (=46) 43. -enissime : πληρέστατα. 44. -enumque (-rum-) : κατὰ τὸ πλεῖστον. 45. -ectile : πτυκτόν. (=40) 46. -ectitur : πλέκεται. καὶ <46 a.> προστιμᾷ. 47. -enius : πληρέστατον (-τερον). 48. -ecto : πλέκω. 49. -issime : (=43) <49 a.> plenum : plenitudo, πληρες, μεστόν. (Cic. 4, 14 ?) 50. -orat : κλαίει. (Fest. 260, 4) 51. -ostrum : ἄμαξα. (=30) 52. -uma : πτίλον, πλουμιν (?), πτερω (-όν), μνοῦς. 53. -umarius : ψιλοβάφος. 54. -umbum : μολιβδός (-λυ-). (Char. ?) 55. -urale : πληθυντικόν. (=65) 56. -urima : πλεῖστα. 57. -urifariam : πολλαχῶς. 58. -[a]e : πολλαχῶς. (=57) 59. -ebeius : δημότης. 60. -us : πλεῖον, πλέον. 61. -us sivetum (iusto) : πλεῖον τοῦ δέοντος. (=72) 62. -uteus : παράθεμα. (=74) 63. -unia : ὑετός, ὕμβρος, βροχή. (Verg. G. 1, 325 ?) 64. ὑετός. (=63) 65. -uralis : πληθυντικός. 66. -urimum : πλέον, πλεῖστον. 67. -uris : πλείων (-ονος ?) 68. -uteum : ἀνάκλιτον, θυμέλη πλοίου. 69. παράθεμα. (=74) 70. -enus : πλήρης. 71. -ix : ἡτυχή (πτυ-). 72. -us iusto : πλέον τοῦ δέοντος. (Hor. C. 3, 7, 24 ?) 73. πλέον τοῦ καθήκοντος. (=72 ?) 74. -uteum : παράθεμα, ἐγγώνιον τρικλίνου. (Fest. 258, 23) 75. -uit : ὕει, βρέχει.

PO

Poena : πρόστιμον, τιμωρία, δίκη (-η), κόλασις. (Cic. 1, 4) 2. -eni : Ἄφροι, Φοίνικες. (Verg. A. 1, 302, etc.) 3. -lienda : λελουμένα, κναπτρα (-τέα). 4. -llere : αὔξεσθαι, ἀνθεῖν, λάμπει<ν> καὶ φαίνεσθαι. (Syn. ?)

5. -llex : ἀντίχε<ι>ρ. 6. -llicetur : ἐπαγγέλ[ε]λται, ὑπασχεῖται. 7. -l[1]it : κνάπτει. 8. -llinis : γύρω. (=20 ?) 9. -litus : ἡσκημένος. 10. -llinctor : ἔνταφιαστής. 11. -llet : ἰσχύει, λάμπει. (Fest. 222, 27) 12. -llicitatio : ὑπόσχεσις, ἐπαγγελ<ί>α. (Off. ?) 13. -l[1]ite : σπληνησκημένος (συν-). 14. -litor : σμήκτης. 15. -llens : φανείς, λάμψας. 16. -lluit : μιαίνει. (Verg. A. 3, 234 ?) 17. -libant : ἐτελείουν. (Verg. A. 8, 436) 18. -lio (Pollio ?) : πατρ<ω>οφάγος. (Iuv. 11, 43 ?) 19. -llux : Πολυδεύκης. (Verg. A. 6, 121) 20. -llen : γῦρις [et polline]. (Char. 42, 2) 21. -l[e]titus : ἐμπνιής (!), ἐξηρτισμένος. 22. -llinctor : ἔνταφιαστής [id est pollingor]. (=10) 23. -llingo : περιστέλλω νεκρόν, σ<ε>ίρο-πλοκῶ, ἐνταφιάζω, ταρ<ι>χεύω. (Char.) 24. -marium : παράδ<ε>ισος. 25. -marius : ὁπωροπώλης. (Hor. S. 2, 3, 227 ?) 26. -marium : ὁπωράριον. 27. -ma : ὁπωρω (-α). 28. -moerium : ὁ περὶ τὸ τεῖχος τόπος. (Fest. 295, 5) 29. -metum : παράδεισος. (=24 ?) 30. -ma : ὁπωρα. (=27) 31. -miferat : ὁπωροτροφεῖ. 32. -ndus : ὄλκῃ, σταθμός. (« Char. » 554, 25) 33. -ndera : στῆσον, σήκωσον. 34. σταθμία καὶ βάρη. (Hor. E. 1, 6, 51 ?) 35. -nderosum : ἐπιδαρές, βαρὺ καὶ στιβαρόν. 36. -nderat : σταθμίζει. 37. -nderator : σταθμιστής καὶ ζυγοστάτης. (Prov. 16, 2) 38. -ndo et pondus : σταθμός. (Fest. 288, 18 ?) 39. -ne : ὅς. καὶ <39 a.> ὀπιθεν καὶ ὀπίσω. 40. -nendum : θετέον. (Hor. S. 2, 3, 16 ?) 41. -nit : τιθεῖ, τίθει (-θησ-). 42. -ns : γέφυρα. (Cic. 2, 20) 43. -ntifex : ἀρχιερεὺς, ἱερομνήμων, ἱερεὺς. (Cic. 1, 3) 44. -ndus : σταθμή, σταθμόν, ὄλκῃ. (=32 ?) 45. -nderare : σταθμίσαι, στῆσαι καὶ σταθμίσασθαι. 46. Pinus : ποτῆς (πίτυς ?) (=PI 34 ?) 47.

σίκροτον corr. Vulc. || 54. Hor. C. 1, 35, 20 Wey.

PO 8. cf. Char. 42, 2 (Pollis : γῦρις, pollinis). || 10. De forma pollinet- cf. Skutsch, Forsch. 1, 21. || 11. Hor. A. P. 242 Wey. || 12. cf. Digest. 50, 4, 6, 1, etc. || 22. cf. C. R. 31, 159. || 23. P., -is, -xi, σοροπλοκῶ Char. 245, 12 ; P., -xi, ταριχεύω, ἐνταφιεύω « Char. » 565, 9. || 24. cf. 29 ; forsitan Pometum : pomar. π. ? || 32. σταθμός om. « Char. » || 39. Verg. E. 1, 73, etc. || 39 a. Verg. G. 4, 487, etc.

-pa<num> : πλακοῦς καὶ πόπανον. (Iuv. 6, 541 ?) 48. -pa : θύτης. (Sat. ?) 49. -pa[x] : θύτης. (=48) 50. -pina : πολυτελὲς καπελ<ε>ιον (-πη-). (Cic. 2, 4) 51. -ples : ἀγκύλη. (« Char. » 552, 16) 52. -plites : ἀγκύλαι. (=51) 53. -pularis : δημαγωγός. (=58) 54. -pulator : θυμαίνεται (λυμ-). (=63) 55. -pulus : αἰγίριος, λεύκη. 56. -pulus alba : λεύκη τὸ δένδρον. 57. -pulia (?) : λυχίνε. 58. -pularis : δημαγωγός, ὀχλαγωγός. 59. -pulum : λεύκη τὸ δένδρον. (=56 ?) 60. -pina : ποτιστήριον, καπιλ<ε>ιον (-πη-). 61. -pulus : δημός. 62. -pulares : στρατιῶται (?). (Cic. 4, 10?) 63. -pulatur : πορθεῖ, λοιμαίνεται (λυμ-). 64. -pus (pup -) : νιννίον. 65. -rrus capitatus : κεφαλῶν τὸν <πράσον>. 66. -pulatur : λυμαίνεται. (=63).

Pora mater (?) : Πανάκ<ε>ια. (?) 68. -reus : χουρος (χοῖ-). 69. -rrigi : ἔκτ<ε>ίνεσθαι, ἀπλοῦσθαι. 70. -rrigo : πιτυρίσας. (Hor. S. 2, 3, 126 ?) 71. -rrigit : ἐπιδιδῶσιν, ὀρέγει. 72. -rrigo : πίτυρα τὰ ἐν τῇ κεφαλῇ. (=70 ?) 73. -rta (-rea) : τὸ μεταξὺ τῶν αὐλάκων ὕψος. (Fest. 274, 19) 74. -rtat : βαστάζει. 75. -rta : ἡ πύλη. 76. -rro : ἐξῆς, λοιπόν. 77. πόρρω καὶ ἔπειτα καὶ πάλιν. 78. -rrus : πράσον. (=65 ?) 79. -rrum : κεφαλῶν πρᾶσον. (Hor. E. 1, 12, 21) 80. -rta (-rea) : τὸ μεταξὺ τῶν κυμάτων. (=73) 81. -rtendit : σημαίνει διὰ τέρατος. 82. -rtentum : τέρας. 83. -rticus : στοά. 84. -rti<s>culus : κελύστης. (Fest. 266, 24) 85. -rtio : τὸ ἐπιβάλλον μέρος. 86. -rtitor : τελώνης. (Verg. G. 4, 502, etc.) 87. -rtitorium : τελωνεῖον. 88. -rtorium : τέλος. (Fest. 270, 25) 89. -rtulaca : ἀνδράχνη, id est po<r>cacla. 90. -rtunus : Παλαίμων, θαίμων θαλάσσιος (Fest. 279, 2) 81. -rtus : λιμὴν. 92. -rtio-

ne : ἐκ μέρους. 93. -rtio : ἀνάλογον, ἐπιβάλλον. (=85 ?) 94. -rticus (?) galeae : λόφος. 95. -rtella : ῥυ[υ]μοπύλιον. 96. -rtendit : σημαίνει. (=81) 97. -scit : αἰτεῖ. 98. -situm : κείμενον. 99. -sitio : θέσις. 100. -ssibile : δυνατόν. 101. -ssidet : ἐπικρατεῖ, νέμεται, κέκτεται (-τητ-). 102. -st : ὀπίσω καὶ <102 a.> μετὰ ταῦτα. (Cic. 3, 11 ?) 103. -steri : ἔγγονοι, μεταγενέστεροι. (Cic. 3, 2 ?) 104. -stero die : τῇ ἐξῆς ἡμέρᾳ. 105. -stes : παραστάδες. 106. -st[i]limen : ἐπάνοδος. (Fest. 244, 10) 107. -stunus : ὁ ζώντος μὲν τοῦ πατρὸς συνλαμβανόμενος, ἀποθανόντος δὲ γεννώμενος. 108. -stilena : ἱμάς ὁ ἐκ τοῦ ἐφίππιου ἢ σάγματος ὑπὸ τὴν οὐρὰν ἐ<1>ρόμενος (-ος). (Fest. ?) 109. ὀπισθία, ὀπισθένη. 110. -sca : ὀξύκρατον. (Fest. ?) 11. -ssessi<o> : νομή, διακαστοχή, κτήσις. (Fest. 260, 28) 112. -sterior : μεταγενέστερος. 113. -stea : μετὰ ταῦτα. (Cic. 1, 4) 114. -stulantibus : αἰτοῦσιν, ἀξιοῦσιν. 115. -stica (-um) : παπαθύρα (παρ-) κάτοπιν τοῦ οἴκου. (Fest. 244 inf. 1) 116. -stmodum : μετ' ὀλίγον. 117. -stridie : μεθ' ἡμέραν. 118. -stulatio : ἐντευξίς, ἀξιώσις, αἰτήσις. 119. -scentium : τῶν αἰτούντων. 120. -stulo : ἀξιώ, αἰτῶ. (Cic. 3, 26) 121. -steritatis : ὑστερογονίας. (Cic. 1, 28) 122. -ssessiones : κτήσις<ε>ς. (Cic. 2, 18) 123. -ssidet : διακρατεῖ, ἐπικρατεῖ. 124. -stes : θυρώματα. 125. -st : μετὰ, ὀπίσω. (=102-2 a) 126. -stiecus (-secus) : ὀπισθεν. 127. -stic[i]um : παραθύρα, παραθύριον. (=115) 128. -stis : παραστάς. (=145) 129. -stera die[s] : τὴν (τῇ) ἐπιούσῃ ἡμέρᾳ. 130. -tat : πίνει. (Verg. G. 3, 463 ?) 131. -testas : ἐξουσία. 132. -test : δύναται. 133. -tior : ἀπολαύω καὶ ἐγκρατὴς γίνομαι καὶ <133 a.> ἀμ<ε>ίων, διαφέρω<v>. 134.

48. cf. Pers. 6, 74 ; C. R. 31, 162. || 56. Hor. C. 2, 3, 9 Wey. || 60. cf. 50. || 67. cf. PA 8. || 74. Hor. S. 2, 3, 303 Wey. || 79. cf. 65. || 80. *Estne figura Enniana* ? || 89. cf. C. R. 31, 159. cf. Niedermann in indice ad Marcell. de medicamentis ; et alibi (Neue Jahrb. 29, 324) ; A. Thomas (Romania 33, 226). || 105. Verg. E. 7, 50, etc. || 107. cf. 142. || 108. cf. Plaut. Cas. 125 ; Loewe, Prod. 262. || 110. cf. Plaut. Mil. 836. || 111. *An Cic.* 4, 16 ? || 115. cf. 127. || 124. cf. 105. || 129. cf. 104. || 131. Cic. 2, 26 (-ate) ? || 134 cf. ad MU 55 (Mussiat) ; SI 7 et 101.

-teaculum : βαλάνιον τὸ τῶν παιδίων κορωπίων (κοπροποιόν ?). (Fest. ?) 135. -tiri : ἀπολαύειν καὶ ἐν ἐξουσίᾳ ἔχειν. (Cic. 2, 19) 136. -tissimum : μάλιστα. 137. -tius : αἰρετώτερον, ἄμ<ε>ιον, μᾶλλον. (Cic. 1, 5, etc. ?) 138. -tuit : ἡδυνήθη. 139. -titur : ἀπολαύει. 140. -tiori : ἀμείνονι. (Hor. S. 2, 5, 76) 141. -pina : ποτιστήριον. (=60) 142. -stumus : ἀπάτωρ, μετὰ θάνατου (-ον) πατρὸς γεννηθεὶς ἐν τῷ —. (Fest. 274, 14) 143. -stirriduo : μετὰ τρ<ε>ῖς ἡμέρας. 144. -stes-cus (-secus) : ὀπισθεν (-σθεν). (=126) 145. -stes et postui (?) : παραστάς.

PR

Praebet : παρέχει. 2. -cabile (pre-) : δεντικόν (δεη-), εὐκτικόν. 3. -bere : παρασχέειν. 4. -ceps (-ruptum) : ἀπόκρημνον. <4 a. (-ceps)> : κατὰκρημνος. 5. εὐκατάφορος, ἐπιφορος. 6. πρηνής. 7. -cantur (pre-) : δέονται, ἰκετεύουσιν. 8. -cantat : ἐπάδει. 9. -ditus dignitate : ὠχυρομένος (-ρωμ-) ἀξιωματι. 10. -cedit : προάγει. 11. -ceptum : πρόσταγμα. 12. -cellit : προέχει. (=245) 13. -cepit : διεστείλατο, κατεστήσατο. (Hor. S. 2, 2, 2) 14. -cinxit (-git) : ζωννύει. 15. -cipitat : κατακρημνίζει. (Hor. S. 2, 3, 277 ?) 16. -cipue : ἐξαίρετως (Cic. 3, 21) 17. -clarum : ἐνδοξον, εὐδηνον, ἐξοχον. 18. -co : κήρυξ. 19. -cordia : ὑποχόνδρια. (Char. 34, 5) 20. -cox : πρῶμιον. 21. -ciderit : ἐκκόψη. 22. -ceptio : ἐξαίρετος δόσις. (Legg.) 23. -cipitabitur (-batur) : κατεκρημνίζετο. 24. -cipiti : προπετεῖ. (Verg. G. 3, 103) 25. -cepto : τοῦ προστάγματος. 26. -cepissem (-ent) : παραινέσωσιν. 27. -cipientes : παραινων-

τες (-οῦντ-). 28. -cipiendum : παραινέον. (Cic. 2, 19) 29. -cepit : διεστείλατο, ὑπεξείλεν. (=13 ?) 30. -clarum : ἐνδοξον, λαμπρόν. 31. -cellit : ἐξέχει. (=245) 32. -cepta : θεωρήματα. 33. -catur (pre-) : ἰκετεύει. (=190) 34. -cipitat : κατακρημνίζει. (=15) 35. -catio (precario) : κατὰ συγχώρησιν. (=189) 36. -cordia : καρδιότης. 37. -cipit<i> : πρηνεῖ (πρη-), τάχει. (=24 ?) 38. -ceps (-pes) : ὠκυπετής, ὠκός. (Verg. A. 5, 254 ?) 39. -damnato[s] : καταγνωσθέντος. 40. -datur : λεηλατεῖ, ἀρπάζει. 41. -da : ἀρπαγή. 42. -dia : ἔγγαια κτήματα. 43. -diator : ὑπὲρ φόρου δεμου (δῆμ-) ἐνδεδμεμένος. (Off. ?) 44. -dicit : πολέγει. 45. -dicamenta : προκηρύγματα. 46. -ductal : παράγραφος. 47. -dicatio : κήρυγμα. 48. -ditus sum : τυγχάνω. 49. -ditus : γεννηθεὶς ἤτοι προαχθεὶς, κεχορηγημένος, ὠχυρομένος (-ρωμ-). 50. -dicamenta : πρωτότυπα. 51. πρόδρα. (=50 ?) 52. -dicat (-it) : πολέγει, κηρύσσει. 53. -diator : ὠνητῆς ὑπαρχόντων. 54. -ero : ἄρξω. 55. -est : προηγείται, προέστηκεν. 56. προηγείται, ἐφέστηκεν. (=55) 57. -[e]sse : ἄρχειν, προεστάναι. 58. -fatio : προάγων καὶ πρόλογος καὶ προοίμιον. 59. -fecit : προέταξεν, προεποίησεν, προέστησεν. 60. -fectus : προτεταγμένος καὶ οὐπαρχος. 61. -ferendus : προτιμητέος. 62. -a : προτιμητ<ε>α. 63. -fectus castrorum : στρατοπεδάρχης. (Char. ?) 64. P. regionis : τοπάρχης. (Char. ?) 65. P. praetorii : ὑπαρχος (ἐπ- ?) τοῦ πραιτωρίου. (Char. 292, 11) 66. P. cohortis : ἑπαρχος τῆς κοόρτης. (ib. 11-2) 67. P. urbis : ἑπαρχος Ἰώμης τῆς πόλεως. (ib. 12) 68. P. fabrorum : ἑπαρχος τῶν τεχνιτῶν. (ib. 12) 69 P. autem praetorio.

139. Verg. A. 3, 56, etc. || 142. cf. 107. || 145. An Postes id est ostii ? cf. 105.

PR 3. Verg. G. 2, 216, etc. || 4. cf. 106 ; 'Απόκρ. : praeruptus *Cyrill.* || 7. Verg. A. 8, 279, etc. || 9. cf. 49. || 10. cf. 246 (pro-). || 12. cf. 31. || 22. cf. Gaius, Inst. 2, 192, etc. || 31. cf. 12. || 36. cf. 19. || 39. An -os -as ? || 40. Verg. G. 1, 130 (-ari) ? || 42. Cic. 2, 20 (-is) ? || 43. cf. Gaius, Inst. 2, 61. || 46. περίγγορος *Hermen.* (*sed etiam παραγρ. in instrumentis ferreis inter graphium et cultellum memoratur.*) cf. Gloss. EE (Praeductale : instrumentum infantium in scholis.) || 50-1. cf. 45. || 53. cf. 43. || 59. Verg. A. 6, 118, etc.

per dativum fit participium : προτεταγμένος τοῦ πραιτωρίου. (ib. 12-3) 70. P. c[h]o<h>orti[s] : προτεταγμένος τῆς κοόρτης. (ib. 13) 71. P. urbi : προτεταγμένος Ῥώμης τῆς πόλεως. (ib. 13) 72. P. fabris : προτεταγμένος τῶν τεχνιτῶν (ib. 13) 73. <Praeficio te> praetorio : προτάσσω σε τοῦ πραιτωρίου. (ib. 14) 74. Proficio (prae-) illum cohorti : [Aliis etiam] (ib. 15-6) 75. -fert : προκρίνει, παραφέρει. 76. -fectus aerarii : ἑξαρχος γαζοφυλακίου. (Char. ?) 77. -fringit : ἀποκαῖ. 78. -fica : ἡ πρὸ τῆς κλίνης ἐν τῇ ἐκφορᾷ κοπτομένη, θρηνηδὸς ἐπ' ἐκφορᾷ. (Fest. 250, 5) 79. -ficere : καθιστάται (-ῶσαι). 80. -feci (-fici) : προηγέσθαι, φροντίζει<ν>, προτετάχθαι. 81. -ficit : προϊστήσιν. 82. -ficio : προτάσσω. 83. -fatio : πρόλογος, προγραφή, προλεγομένη λαλία. 84. -fert : παραφέρει, προσφέρει. (=75 ?) 85. -fidens : ὑπερπεποιθώς. (Fest. ?) 86. -gnas : ἔγκυος, ἐγκύμων οὔσα. (Fest. 87, 1) 87. -gressus : προ[σ]ελθών. 88. προήγησις. Praejudicium : πρόκριμα. (Off. ?) 90. -lato : προταγέντι. (Verg. A. 5, 541) 91. -mium : γέρας. (Cic. 3, 26) 92. -metium : ἡ πρὸ θερισμοῦ Δημήτρας θυσία. (Fest. 268, 8) 93. -nomen : προωνύμιον. 94. -motio (pro-) : προβιδασμός (=337) 95. -parome : παρασκευάζομαι. 96. -properat : προπετεύεται. 97. -putium : ἀκροθυσία. (Bibl. ?) 98. -ponderat : κατάγει, καταρρέπει. 99. -positus : ἐφεστώς, προστάτης. 100. -posterum : ὑστερόπρω<το>ν, ὑπέρβατον. 101. -ponderatio : ῥοπή[ι]. 102. -rogativa : πρόλημμα. 103. -rogativas : πλεονεξίας (Off. ?) 104. -fertor :

ἀφαρναξ (?). 105. -rupta loca : ἀπόκρημνοι τόποι. 106. -rupta : ἀπόκρημνα, ἀπερρωγόντα. 107. -s : ἔγγυος, ἀνάδοχος. (Fest. 249, 20) 108. -saga : πρόμαντις. (Verg. A. 10, 834) 109. -segmina : ἀποτυχίσματα. (Fest. ?) 110. -sens : ἐπιφανής καὶ παρὼν καὶ ευχαλκος (?). 111. -sepiā : φάνη. (« Char. » 554, 21) 112. -sertim : μάλιστα ἐξαιρέτως. (Cic. 2, 23) 113. -stantissimus : ἐπιφανέστατος, γενναῖος. 114. -stat : παρέχεται. 115. -stigator : ψηφοπεκτής (-παικ-). (« Char. » 550, 9) 116. -sto : παραχαορηγῶ. 117. -stolari : προσκαρτερεῖν, παραμένειν. (Fest. 250, 3) 118. -siitur (-cip- ?) : ὑφηγεῖται. 119. -sto sum : προσκαρτερῶ, προσεδρεύω. 120. -sentibus : παρούσ<α>ις. 121. -sidis : ἡγεμόνος. (=125 ?) 122. -sidali : ἡγεμονικᾶ (-ῶ). 123. -sidales : ἡγεμονικοί. 124. -sultum (-lsum ?) : ταριχηρόν, νεαλές. 125. -ses : ἡγεμών. 126. -sulturo (-sultor) : ὁ ἐν τοῖς ἱεροῖς προορχούμενος. (=400 ?) 127. -sidia : φυλακαί, φρούρια. (Cic. 2, 24) 128. -stitium : παρεσχηματισμένον. 129. -sentis : παρόντος. (Verg. B. 1, 41 ?) 130. -scripti<o> : παραγραφή. (Off. ?) 131. -stantius : διαφορώτερον, ἐπιφανέστερον. 132. -sumpsistis : προλαμβάνεται (-τε). 133. -sumant : προλάβωσιν. 134. -sto est : παρεδρεύει, προσκαρτερεῖ. (=119 ?) 135. -sunt : προϊστάνται. 136. -sequantur (pro-) : προπέμψωσιν. (=404) 137. -sumat [n]t : ὑφαρπάση. 138. -sertim cum : ἄλλως τε. 139. -stituto : ὀρισθέντος. 140. -sentia : παρουσίᾳ. <140 a.> παρόντα. 141. -sensio : πρόγνωσις. 142. -stat : παρέχει. 143. -sto (p. sum) : προ<σ>καρτερῶ.

74. Aliis etiam ad posteram Charisii sententiam pertinet. (!) || 83. cf. 58. || 85. cf. Incert. poet. ap. Cic. de Orat. 3, 166 (-em). || 86. An Verg. A. 7, 320 ? Preg- cod. || 89. cf. Gaius, Inst. 3, 123. || 97. cf. Ephes. 2, 11, etc. || 103. cf. Digest. 1, 16, 4, 5. || 109. cf. Plaut. Aul. 313. || 110. εὔ[χ]αλκος Scalig. || 111. Praesepe « Char. » || 113-6. Prest- cod. || 114. Verg. A. 1, 135, etc. || 115. -es : -αι « Char. » || 118. Vix cf. Fest. 19, 24. || 119. Pre- cod. ; cf. 134. || 120. παρούσιν. (Hor. Epod. 1, 22, etc.) Wey. || 124. -lsum 152. cf. tamen Buecheler (Rhein-Mus. 45, 160). || 126. An prosaltor (cf. 400) ? sed praesultorem apud Lactant. D. I. 128, 4. || 128. Pre-ccd. || 130. cf. Gaius, Inst. 4, 133, etc. || 131. Pre- cod. cf. 195. Ex Iuv. 3, 18 ? || 134. Hor. S. 1, 2, 117 Wey., || 142-3. Pre- cod.

(=119) <143 a.> παρέ[ι]χομαι. <143 b. (p. sum)> : παρεδρεύω. (=119) 144. -sag<i>o : ἡρομαντεύομαι. (Fest. 250, 9) 145. -sidium : παραφυλακή, προστασία, πρόνοια, φρουρά, ὄχρῳμα. (Cic. 1,1) 146. -stolar<i> : προσκαρτερεῖν. (=117) 147. -secutio (pro- ?) : ἔκστασ[ε]ις. (?) 148. -sumptione : προλήψει. 149. -stolare : περισκόπει, περιμένε[ι], ἐπιτήρει. 150. -nomen : παρώνυμον. (=93 ?) 151. -sepium (-pe) : φανή. (=111) 152. -sal<s>um : ταριχῆρόν. (=124) 153. Proserpina : Περσεφόνη. (=416) 154. -stigiis : παραλογισμοῖς, πανουργ[ε]ίαις. 155. -stigator : ψηφοπεκτής (-παίχ-). (=115) 156. -tendit : παρατ<ε>ίνει καὶ προφασίζεται. 157. -ter : ἐκτός, χωρίς, πλὴν. (Cic. 3, 11 ?) 158. -tentura : προβολή, ἐπιτείχισμα. 159. -terea : παρεκτός, πρὸς τούτοις, ἔξωθεν. 160. -sumpsistis : προλαμβανεται (-τε). (=132) 161. -stantissimus : ἐπιφανέστατος. (=113) 162. -terit : παρέρχεται. (Verg. G. 2, 322 ?) 163. -tervehor : παρπλέω, παροδεύω. (Verg. A. 3, 688 ?) 164. -texta : περιπόρφυρα (-ος). (Cic. 2, 4) 165. -tor : στρατηγός. 166. -textatam : ἔντιμον. 167. -ter spem : παρὰ προσδοκίαν. 168. -texto (-tu) : προφάσει. (Off. ?) 169. -tura : στρατηγ[ε]ία. (Cic. 3, 14) 170. -tereo : παρέρχομαι. (Cic. 1, 3) 171. -torium : <σκήνη>. (?) (Fest. 249, 18) <171 a. (petoriturum)> : εἶδος ἄρματος. (Fest. 226, 31) 172. -terquam : παρεκτός οὗ. (Cic. 3, 26) 173. -terea : πλὴν. 174. -te[m]<r>vehitur : παραπλεῖ. (=163 ?) 175. -tendit : προτ<ε>ίνει. (=156 ?) 176. -varicat : διασκελίζει. 177. -venit : φθάνει. <177 a.> ἔφθακεν. 178. -varicor reo : κατυφίημι τοῦ ὑπευθύνου. (Char. ?) 179. -varicor tibi : νοσφιζομαί σε. (Char. ?) 180. -vi-

tam (-bit-) : γεγεννημένην. 181. -varicor : νοσφιζόμε (-αι). (=179) 182. -varicatio : ἡ ἀπόστασ[ε]ις, παράθασ[ε]ις. (Fest. 252, 226.)

Prata : λ<ε>ιμῶνες. 184. -andium : ἄριστον. 185. -ata : λ<ε>ιμών, χορτο<κο>-πεῖον. 186. -avus : σκαῖός, φαῦλος. 187. -andicularius (pan-) : ἡ μετὰ [μ]νηστειαν ἡμέρα. (Fest. 246, 18) 188. -av<a>e : [α]σκολιᾶς. 189. -[a]ecario : κατὰ ἀξίωσιν καὶ συγγώρησιν, κατὰ δέησιν. (Off. ?) 190. -[a]ecatur : ἵκετεύει, εὐκεται (εὐχ-), δέεται. 191. -[a]ecor : ἵκετεύω, δέομαι, παρακαλῶ. 192. -[a]emit : θλίβει, βαρεῖ, συνεκπιάζει. 193. -enum (-lum) : [ε]πιωτήριον ληνοῦ. (Verg. G. 2, 242 ?) 194. -endit : ἀράσσεται, συλλαμβάνει. 195. -<a>estantius : διαφορώτερον, ἐπιφανέστερον. (=131) 196. -etiosa : ἀξιολύπητος. 197. -etiosum : πολυτελής, πολυτίμητον. (=198) 198. πολυτελής, βαρύτιμον, τίμιον. 199. -[a]etium : τίμημα ἐπὶ τοῖς ὀνίοις καταβαλλόμενον. 200. -ensatio (press-) : ἀγγαρ<ε>ία. (Off. ?) 201. -essorium : πιεστήριον, πιαστήριον (?). 202. -[a]eces : ἱκεσίαι. 203. -[a]emuntur : συνέχονται. (Cic. 2, 19, etc.) 204. -idie : πρὸ μιᾶς. (Cic. 1, 15) 205. -imogenitus : πρωτογέννητος. 206. -ivilegium : πρωτοπραξία. 207. -mitiae : ἀπαρχαί. («Char.» 549, 27) 208. -mo<r>-dium : ἀπαρχή γένους. (Fest. 250, 28) 209. -mores : πρωτοστάται καὶ πρόεδροι. 210. ἔξαρχοι, πρωτοστάται. (=209 ?) 211. -mus : πρῶτος. 212. -inceps : πρωτοστάτης, προσετός. 213. -incipale : ἀρχτικόν, πρῶτό[ν]τυπον, ἡγεμονικόν, ἀρχέτυπον. (Syn. ?) 214. -inceps : πρωτοπολίτης, ἔξαρχος. 215. -incipatus : προέδρα, προεδρία, προόμιον, προκαταρκτικόν καὶ ἀρχή. (Syn. ?) 216. -ior : πρότερος. 217. -isca : ἀρχαία. 218. -istina : ἀρχαία. 219.

146. Pre- cod. || 149. cf. 117. || 154-5. Pre- cod. || 156. Verg. A. 3, 116. || 158. Pre- cod. || 161. Pre- cod. || 168. cf. Digest. 50, 4, 6. || 173. cf. 159. || 178. cf. Dosith. 425, 3. || 183. Verg. E. 3, 111, etc. || 189. cf. Gaius, Inst. 2, 60; an Fest. (cf. Ter. Eun. 319)? cf. 35. || 190. cf. 33. || 198. Prae- cod. || 202. Verg. A. 4, 612, etc. || 212. Cic. 1, 7, etc. (-es) ? || 217. Verg. A. 6, 878, etc.

-istinus: ἀρχαῖος. 220. -ivata: ἰδιό<κ>-τητα, ἰδιωτικά. (Fest. 252, 21) 221. -ivaticia: στερητικά. 222. -ivigna: προγόνη. 223. -ivignus: πρόγονος. 224. -ivilegium: προνομία. (Fest. 252, 22.)
 Pro: ἀντί και ὑπόρ (-έρ), πρό, ἐμπροσθεν, ὥς. (Fest. 256, 8) 226. -habilia: εὐαπόδ<ε>ϊκτα, πιθανά. 227. -bat: δοκιμάζειν, στρατεύει (σταθμ-). 228. -ationem: τὸν ἔλεγχον. 229. -batio: ἀπόδ<ε>ϊξις, δοκιμασία, ἔλεγχος. 230. -bationes: δόξαι φιλοσόφων. 231. -batus: δεδοκιμασμένος κλι (και) ἐξήτασμένος. 232. -bi: εὐδόκιμοι. (Fest. 254, 28) 233. -bra: ὄν<ε>ἰδη<233 a.> ὄν<ε>ἰδισον. 234. -brum: αἰσχρόν, ὄν<ε>ἰδος. (Fest. 254, 24) 235. -brosus: ἐπὶον<ε>ἰδιστος, ἐπόρητος (ἀπ-). 236. -bus: αἰδήμων, δοκιμος, καθήκων, ἑλευθέρος, εὐδόκιμος. 237. -cantat: προάδει. 238. -castria: οἰκήματα πρὸ παρεμβολῆς. (Fest. 252, 6) 239. -cedit: προκόπτει ἐπὶ τάξει. 240. -cello (prae-): προφθάνω, ὑπερέχω. 241. -cax: αὐθάδης, ἱταμός, προπετής. (Hor. C. 2, 1, 37 ?) 242. -cella: καταιγίς. 243. -cessit: προέκοψεν ἐν στρατιᾷ, προελήλυθεν. 244. -cessus: προκοπή, προκοπάς. 245. -cellit (prae-): προέχει, ἐξέχει. 246. -cedit: προάγει. 247. -clive: καταντές. 248. κατωφέρές. <248 a.> (?) : ἐπαχθῶς, ὀχληρῶς και ἀθρόως. 249. -ceres: ἔξαρχει, πρωτοπολ[ε]ῖται. (Char. 33, 2) 250. -creaverit: γεννησεῖ (-ῃ ?). 251. -creatio: γενεά, γένους καταγωγή. 252. -creavit: ἐγέννησεν. 253. -cesserat: προελήλυθει, προκεχωρήκει. 254. -crastino: ὑπερτίθεμαι, ἀναβάλλομαι. 255. -cinctum: ὅταν εἰς πόλεμον συγκαλέσωνται. (Fest. 67, 15) 256. -cubuit: προέπεσεν. (Verg. A. 8, 30, etc.) 257. -citat: προεκκαλεῖται. (Fest. 251, 22) 258. -cul: ἑγγύς και μακρὰν και πόρρωθεν. (Cic.

2, 29) 259. -culus: τηλέγονος. (Fest. 251, 14) 260. -cus: μνήστης. 261. -cudium (-pud-): τέρας. (Fest. 253, 25) 262. -curationem: φροντίδα. (Cic. 3, 14) 263. -curator: φροντιστής. 264. Prudentia <e>: δεινότητος. 265. <-ce> dere[t]: ἐπιδοθῆναι και αὐξήσθαι. (Fest. 278, 26) 266. -dest: ὠφελεῖ. (Verg. E. 3, 74 ?) 267. -digium: φάντασμα, τέρας, Διὸς σημεῖον. (Fest. 254, 14.) 268. -digus: ἄσματος, ἀναλωτος (-τής), γαστρίμαργος. 269. -ditus: προχειρισθείς. 270. -ditor: προδότης. 271. -digi: ἄσωτοι. (Fest. 296, 23) 272. -ducit: ἐκτ<ε>ἵνει, ἐξάγει, προάγει. 273. ἐκτ<ε>ἵνει, ἐξάγει, προάγει. (=272) και <273 a. (-cudit)>: ἐλαύνει σίδηρον ἢ χαλκόν. (Verg. G. 1, 261 ?) 274. -dit: προδίδωσιν. <274 a.> προέρχεται. (Fest. 284, 29) 275. -ductus sum: promotus sum, προήχθην, προσέκοψα. 276. -elium: πόλεμος, μάχη, παράταξις. 277. -elio: συμβολῇ, πολέμῳ. (Cic. 2, 25) 278. -etuli (prae-): προειλόμην. 279. -fani: ἀμύητοι, βέβηλοι, ἄνιεροι. (Fest. 296, 33) 280. P. facto: ἴσον, ὅμοιον τῷ γεγονότι. 281. -fanus: βέβηλος, ἀνόσιος. (=279) 282. -fecit: προέκοψεν. (=284) 283. προεχώρησεν. 284. προέκοψεν, ὠφέλησεν ἐν παιδείᾳ. 285. ὠφελήθη, ἤνισεν (-νυ-). 286. -fecto: δηλονότι, δηλαδῇ. (Cic. 2, 2, etc. ?) 287. -fert: προσφέρει, προαρεῖ. 288. -fessores: σοφισταί, στολάρχαι (σχολ-), καθηγηταί. 289. -fiscicitur: ἀποδημεῖ, ὁρμαῖ. 290. -ficio: προκόπτω. 291. -fiteor: προγράφομαι και δημοσίᾳ διδάσκω και ὁμολογῶ. (Cic. 2, 11) 292. ἀπογράφομαι, ὁμολογῶ, σοφιστεύω. (=291 ?) 293. -ficit: ἀνύει. 294. -fliganda: ἀπαιτηταῖα. (-έα). 295. -fligant: ἀπαιτήσωσιν. 296. -fligatum: καταναλόμενον, καταπονηθέν. (Cic. 2, 2) 297. προεκκομμένον. (=296 ?) 298.

227. Verg. A. 5, 418. || 238. cf. 305 (-est-). || 239. Verg. A. 3, 592, etc. || 242. Verg. A. 1, 102. || 243. cf. 239. || 246. cf. 10 (prae-). || 249. P.: ἔξ. πρωτάρχοντες Char. || 251. cf. 401. || 253. Verg. A. 10, 751, etc. || 255. Gaius, Inst. 2, 101 Rudorff; cf. IN 389. || 261. An prodigium (=267) ? cf. τέρας: prod. Cyril. || 268. Verg. G. 4, 89. || 270. Hor. C. 1, 9, 21 Wey. || 274. Verg. G. 2, 254.

-fusa : ἡ δαψιλής. 299. -fundum : βύθιον, βαθύ, ἄδυsson. (Fest. 256, 19) 300. -fugus : φυγάς τῆς ἑαυτοῦ πατρίδος. (Verg. A. 1, 2 ?) 301. -futura : συνοίσοντα, ὥφελήσαντα (-οντα), προσδόμενα. 302. -geniculo : γουνοῦμαι. 303. -genies : ἀπογονή. 304. -geniculatur : γονυπετεῖ. 305. -gestia (-cestria) : προάστια. (Fest. 252, 5) 306. -hibitae : κακωλυμένοι. 307. -hibiti : καλυθέντες. 308. -hibet : καλύει. 309. -iectus : ἔκβολος, ἔκβλητος, πρόχειρος, ἔκφορος. 310. -inde : οὕτως, διὸ δὴ. (Cic. 2, 11 ?) 311. -icit : ῥίπτει. 312. -iectus : ἐκβεβλημένος, ἐξερ<ρ>ιμμένος. 313. -iecerit : ἐκρίψει[η]. (Cic. 2, 2) 314. -iecta tecta : ἀνατεταμένη, ἀνά[σ]τασιν ἐξουσα (ἐχ-), ἐπ' οἷα[ε]ίς. Prolata : ἡ ἐξενεχθεῖσα. 316. -les : γενεά, γονή. 317. -lixitate : μήκει, μεγέθει, διαστήματι (-τι). 318. -lixius : προσελκυσμένων (-ως). (Fest. ?) 319. -lix : προσελκυσμένως, αὐτάρκως. 320. -lixas : ἐπιμήκεις. 321. -loqui : φράσσειν (-ζειν ? -σαι ?). 322. -luit : ἐπέκλυσεν. 323. -luvies : κοιλίας ὑπέρεχουσιν (Verg. A. 3, 217) 324. -laturus (-um) : ἐξοίσοντα. 325. -les : suboles. (Hor. C. 3, 6, 38, etc.) 326. -lixus : τετανθόριξ. 327. -luyies : κοιλίας ἔχουσιν. (= 323) 328. -matur : ἐξηνεχθῆ (-νεχ-). 329. -meruisse : εὖ πεποιημένοι. 330. -mit : προφέρει, προαιρεῖ. 331. -minet : προκυπτει (-κόπ -). (Hor. C. 1, 21, 6 ?) 332. -mulgatam : νομοθετηθεῖσαν. 333. -mittit : ἐπαγγέλλεται. 334. -miscue : μίγδην, κοινῇ. (Fest. 250, 26) 335. ἀδιαφόρος (-ως). (= 334 ?) 336. -motus : προδιθασθείς. 337. -motio : προδιθασμός. 338. -misit : ἐπηγγε<ε>ίλατο. (Verg. A. 4, 228 ?) 339. -mulgat : νομοθετεῖ, προχειρίζεται, θεσπίζει.

340. -mptus : πρόχειρος. 341. -miscue : ἀναμίξ, χύδην. 342. -mitto : ἐπαγγέλλομαι. 343. -motus est : προεβιάσθη. 344. -mptum : πρόχειρον. (= 382 ?) 345. -mptus : εὐπρόφορος, εὐπροαίρετος. (Fest. 294, 37 ?) 346. -montorium : ἀκρωτήριο. 347. -nomen : ἀντωνυμία. 348. -nuba : ἡ παρανιμφορ (-νυ-). (Fest. 282, 16) 349. -nuntiabile : ῥητόν. 350. -nuntiat : ἀποφαίνεται, προαγγέλλει. 351. -nuntiat<i>ο</i> : ἀπόφασις, ἀπόκρισις. 352. -nuntio : προαγγέλλω. (= 350 ?) 353. -nus : πρηνής. 354. -nuntia<tio> : προφορά, ὑπόκρισις. 355. -pagator : κατορθωτής. 356. -paginis (-is) : ἀπώρυγος. (Verg. G. 2, 26) 357. -palam : ἐμφανέστατα. 358. -pagare : producere, 359. -pagatam : ἐκτεταμένην, ἔστιν δὲ ἐπὶ χρόνου. (Cic. 3, 26) 360. -pagatio : προμόσχευσις. 361. -pagarit : ἐπεκτείνη. (Cic. 2, 11) 362. -pe : ἐγγύς. 363. σχεδόν. (Cic. 2, 9) 364. -pediem : τὴν ταχίστην, ταχσεος (ταχέως). 365. -pellabantur (-eb-) : ἀπωθοῦντο. 366. -pelluntur : ἀπωθοῦνται, ἐκβάλλονται. (= 365) 367. -pemodum : σχεδόν (= 363 ?) 368. -pagines : ἀπώρυγες. (= 356 ?) 369. -pe paratum : ἐγγύς τοκετοῦ, ἐπίτοκος, ἐπίτεξ. 370. -perat : σπεύδει. 371. -pinquus : συγγενής, ἀγχιστεύς. 372. -pinquitas : ἀγχιστεία, συγγένεια. 373. -pitius : ἱλεως. 374. -pono : προτίθημι καὶ προτ<ε>ίνω. 375. P. portione : κατὰ τὸ ἀνάλογον καὶ κατὰ τὸ ἐπιβάλλον. (Off. ?) 376. -pellere : ἀπώσασθαι. (Hor. S. 1, 2, 6 ?) 377. -portio : ἀνάλογ[ε]ία. 378. -positum : προαίρεσις, πρόθεσις καὶ προ[σ]κείμενον. 379. -prietas : κυρία, δεσπότη<ε>ια. (Off. ?) 380. -prie : κυρίως, καθολικῶς. 381. -pter : διὰ. 382. -mp-

303. Verg. G. 2, 341, etc. || 304. cf. Gram. Lat. IV, 567, 24 (Genicular tibi : γονυπετῶ σε) ? || 305. cf. 238 (-ast-). || 308. Hor. C. 3, 19, 15 Wey. || 311. Verg. A. 5, 776 ; Hor. A. P. 97 Wey. || 312. cf. 309. || 314. An Praeiecta (cf. PE 305) ? || 318. cf. Ter. Eun. 1082. || 322. Verg. G. 1, 481, etc. || 326. Prolicinus *Vulcanius*. || 338. Hor. C. 1, 7, 28 Wey. || 341. cf. 334-5. || 353. Verg. A. 1, 115, etc. || 355. cf. Apul. Mund. 37 ? || 370. Verg. A. 7, 204, etc. ; Hor. Epod. 12, 9 Wey. || 375. Gaius, Inst. 2, 155 Rudorff. || 379. cf. Gaius, Inst. 2, 90. || 382. cf. 344.

tum : facilem. (Verg. G. 2, 255) 383. -mptius : προθυμότερον. 384. -palare : ἀναχρονίσαι (?). 385. -pugnacula : προμαχῶνες, ἐπάλλεις. (Verg. A. 4, 87, etc.) 386. Populatur : πορθεῖ. (= PO 63) 387. -pago : ἡ καταβολή, ἡ ἐπίδοσις τοῦ γένους, γονή. 388. -pugnaculum : προμαχών, βοήθεια, ἐπαλλίς. (= 385 ?) 389. -pulsar <r>e : ἀποκρούσαι, ἀκροβολίσαι. 390. P. quaestore : ἀντιταμίς. 391. -pulsat : ἀπωθεῖται. 392. -pula (-pyla) : πυλῖς. 393. -regat (-teg-) : προασπίζει (-η). (Verg. G. 2, 489)
Pro rata : τὸ αἰροῦν, κατὰ τὸ ἐπιδάλλων. 395. -reta : πλωρεύς. (Fest. ?) 396. -rogat : ὑποπαραίτεται. 397. P. rata portione : κατὰ ἀναλογ[ε]ῖαν. 398. -rogata fuerint : ἐπεξετάθη, ὑπερετέθη, ἐξελοπάσθη. 399. -rupt[i]a (prae-) : ἀπόκριμα (-κρη-). (= 106) 400. -saltor : ὁ ἐν τοῖς ἱεροῖς προορχούμενος. 401. -sapies : γένους καταγωγή. (Fest. 252, 9) 402. [-sa] pexa tunica : πεζὸν ἱμάτιον. (Hor. E. 1, 1, 95) 403. -sapia : ἐκ προγόνων εὐγένεια καὶ συγγένεια. (« Char. » 548, 9) 404. -sequantur : προνεμῶσιν (-πέμ-). (Cic. 1, 21) 405. -sequi : διελθεῖν. 406. -sequutorum (-secut-) : παραπομπῶν. 407. -sequutione (-secut-) : πομπή. 408. -secutus est : κατέθετο. 409. -scle (-siciae) : ἀκροθίνια. 410. -sequor : παραπέμπω. 411. -sequitur : διέξ<ε>ισιν, προπέμπει. 412. ἐπιδιώκει, ἐπεξέρχεται, προίσχεται. 413. -secutio : παραπομπή. (= 407) 414. -sequimini : προπέμψατε. 415. -secutor : παραπομπός. 416. -serpina : Περσεφόνη, Κόρη. (Verg. G. 1, 39, etc.) 417. -siciae : αἱ τῶν θυμάτων ἀπαρχαί. (Fest. 252, 11) 418. -sidens : πρόεδρος. 419. -spectus :

ἀποψίς. (Verg. G. 2, 285) 420. -spere : εὐτυχῶς, κατὰ προαίρεσιν, αἰσιῶς. 421. εὐμενῶς, κατὰ γνώμην. 422. -sperum : αἶσιον. 423. -spicio : βλέπω, προορῶ. 424. -spicit : προβλέπει, προνοεῖται. 425. -stratus : προσετρωμένος. (Cic. 2, 2) 426. -scriptio : προγραφή. (Cic. 2, 20 ?) 427. -stravi : κατέστρωσα. 428. -stat : προέστηκεν. <428 a. (-spicit)> : προνοεῖ. (= 424) 429. -sternit : προστρωννύει. 430. -tegit : ὑπερασπίζει. 431. -telum : (Fest. ?) <431 a. (Praeclarum)> : ἔκλαμπρον. 432. -tego : προκαλύπτω, προασπίζω. 433. -siulaticium (postulat-) : αἰτησόμενος<ον>. 434. P. sua rientia (sci-) : κατὰ τὴν ἰδίαν ἐντρέχειαν, ἐμπειρίαν. 435. -tectum (iectum) : ἐκθέτης. 436. -tector : προασπιστής. 437. -tinus : παραχρήμα, εὐθέως, ἄφνω. 438. -tervitas : προπέτ<ε>ια. (Hor. C. 1, 19, 7 ?) 439. -trahit : ἐξάγει. (Verg. A. 2, 123 ?) 440. -tervus : προπετής, θρασύς. 441. -testentur : ὁμολογοῦσιν (-ῶσιν). 42. -tegit : προασπίζει. 443. -verbium : προοίμιον. 444. -videntia : πρόνοια. (Cic. 3, 14 ?) 445. -vidus : προνοστικός (-νοητ-). 446. -vincialis : ἐπαρχ[ι]ώτης. 447. -video : προνοῶ, προορῶ. 448. -visio : πρόνοια. 449. -videntur (-ter) (?) : φανερώς. 450. -vocat : προκαλεῖται, ἐπικαλεῖται. (Hor. S. 1, 4, 14 ?) 451. -volutus : προκυλισθείς. 452. -vocatio : ἐκκλητος. 453. -vocaveritis : ἐπικαλέσασθαι (-ε). 454. -vectus : προαχθείς, προκεφας (-κόψ-), προβεδηγός. 455. -vehit : προδιδᾷ. 456. -vincia : ἐπαρχ[ι]α. 457. -verbium : ἐπίρρημα, παροιμία (« Char. » 554, 24 ?) 458. -videnter : προνοστικῶς (-νοητ-), προγνωστικῶς. 459. -ut : κάθως,

387. Verg. A. 6, 870, etc. || 394. cf. Buecheler (Rhein. Mus. 56, 324) ; cf. 375 ; *forsitan* pro rata portione ? cf. 397. || 395. cf. Plaut. Rud. 1014. || 397. cf. 375 ; 393. || 400. cf. 126. || 401. cf. 251 ; *forsitan* P. : procreatio, γ. κ. ? || 403. καὶ συγγ. om. « Char. » || 409. cf. 417. || 411. -12 = Syn. ? || 420-1 = Syn. ? || 423. Verg. A. 3, 648. || 424. Verg. A. 1, 185, etc. || 431. cf. Lucil. ap. Non. 363, 10. || 431 a. cf. Cyrill. (Ἐκλαμπρον : praeclarum). || 434. Pro sapientia *Heraeus* : an Pro sua experientia (cf. EX 134 Experientiam : ἐμπειρίαν, ἐντρέχειαν) ? || 435. Ἐκθέτης ὁ ἐξῶστος : proiectus Cyrill. cf. ad ME 30. || 437. Verg. E. 1, 13, etc. || 442. cf. 393. || 449. Evidenter corr. Goetz. || 448. cf. 444. || 457. P. : παροιμία. « Char. »

ὥς ἄν. 460. -xime : ἔγγιστα, ἐγγύς, πρὸ
 <δ>λίγου. 461. -ximitas : ἀγγιστ<ε>ια.
 462. -ximus : ἐγγύτατος, πλισιος (πλή-).
 Prudentia : ἐμπειρία, σύνεσις, γνῶσις, πρό-
 νοια. (Cic. 2, 25) 464. -denti[m]iores :
 φρονιμωτέρους. 465. -dentissimi : συνε-
 τώτατοι. (Cic. 2, 10) 466. -inas : πάχνας.
 (Cic. 2, 23) 467. -na : ἀνθράκιον. (Char. ?)
 <467 a.> (-um) > : κοκκύμηνον. 468.
 -rigo : κνήφη. (Deut. 28, 27 ?) 469. -rit :
 κνήφη (-θει). 470. -ina : πάχνη. (Fest.
 253, 19.)

PU

Pubes : ἡβη. (=103) καὶ <1 a.> ἐνῆλιξ καὶ
 ἡίθεος. (Fest. 240, 25 ; 296, 18) 2. -beres :
 ἐνήλικες καὶ βούπαιδες. 3. ἡίθεοι. 4.
 -blicanus : δημοσιώνης, τελώνης. 5. -bli-
 cola : δημοκλήδης, δημοτικός. (Hor. S.
 1, 10, 28 ?) 6. -blicano : τῶ τελώνη. 7.
 -berale : ἐφήθειον. 8. -blica cul<1>iola :
 τριβᾶς. (Fest. ?) 9. -bellius (ru-) : φάγρος.
 10. -dens : αἰσχυνητρός. 11. -dicitia :
 σωφροσύνη, αἰδώς. (Cic. 2, 25) 12. -dor :
 αἰδώς, αἰσχύνη. (Cic. 1, 22, etc.) 13. -di-
 cus : αἰδῆμων, σώφρων, αἰδεστικός. 14.
 -denter : αἰδημόνων, αἰδεστικός. (Hor.
 E. 1, 17, 44 ?) 15. -det me amoris : ἐπαι-
 σχύνομαι τῷ ἔρωτι. (Char. 293, 10) 16.
 -ella : κοράσιον, κόρη, παιδίσχη (-κη).
 17. -er : παῖς. 18. -eri : παῖδες. (=17)
 19. -dicitio (-ia) : ἀφθορία. 20. -erilis :
 παιδικός. 21. -ellus : παῖς ἀρχαίως. (Fest.
 290, 35 ; 292, 2) 22. -erperium : παιδο-
 γονία, τοκετός. 23. -erarius : παιδερασ-
 τής. 24. -eritia : παιδία, παιδιότης. 25.
 -gilla (?) : ἐπίσπερ [ι]α (-σφαί-). 26. -er-
 pera : λοχός (?), νεοτόκος. (Hor. Epod. 17,
 52 ?) 27. -gillares : πινακίδες. (Char. 33,
 1) 28. -gil : πύκτης. (Char. 38, 13) <28 a.
 (Pugillum ?) > ἐπίσπερ[ι]ον (-σφαί-).

29. -gillum : δρᾶξ χειρός. (Fest. ?)
 30. -gilli (?) : ἐπίσπερα (-σφαί-). 31.
 -gilis : παγ<κ>ρατιαστής, πύκτης. 32.
 -gio : παραξιφίδιον, παραζώνιον. (Fest.
 264, 25) 33. -gna : μάχη, πυγμή. 34.
 -gnus : γρόνθος. (Fest. 242, 2) 35. -lcher :
 ὠραῖος, εὐειδής. 36. -leium : γλήχων. 37.
 -lenta : ἄλφιτα. (« Char. » 553, 25) 38.
 -lex : ψύλλα. 39. -lix (plix) : πτυλη (-χῆ).
 (= PL 7) 40. -llatus : μελαν<ε>ίμων. (Iuv.
 3, 213 ?) 41. μελαν<ε>ίμων. (=40) 42.
 -llum : φαῖον. 43. -llus : νεοσσός. (=49)
 44. -lmentarium : προσφάγ[ε]ιον. (Char.
 73, 7) 45. -lmo : πνεύμων. 46. -lrae :
 σάρκες. 47. -lritum : θυμέλη[ς], σακίδωμα,
 ἐπίπεδον. 48. -lla : nigra. (Hor. C. 1, 25,
 18, etc.) 49. -llus : παραφυᾶς καὶ νεοσσός.
 καὶ <49 a.> ὄρνις. 50. -llat : ergor-
 gia (in Georgicis) (2, 17) dicuntus (-ur)
 quoties samos (ra-) ex te (se) generant :
 παραφυᾶδας βάλλει, βλαστάνει. 51. -llus
 (-os) : ὀρνίθια. (Hor. E. 2, 2, 163) 52.
 -lsat : κροτεῖ, αἰτιᾶται, ὤθει. 53. -lsati :
 κατατιτάμενοι (-ητιωμένοι), αἰτιαθέντες,
 ὀχληθέντες. (Off. ?) 54. -lsavit : ὤχλησεν.
 <54 a. (-bit) > : ὀχλήση (-ει). 55. -lver :
 κονιορτός. 56. -lvinar : καθίδρυμα,
 στρωμνή θεοῦ. (Hor. C. 1, 37, 3 ?) 57.
 -lvinum : προσκεφάλαιον. 58. -lpitum :
 βάσις, ξυλικόν. 59. -lpitus et pluteus :
 θυμέλη. (Char. ?) 60. -lvis : κονιορτός.
 (=55) 61. -mex : κίσσηρις. (Char. ?) 62.
 -milio : νᾶνος. 63. -netum : κέντημα.
 64. -ngit : κεντᾶ, νύττει (-ει), στίζει.
 (Ecclus. 22, 24 ?) 65. -nicus : φοινίκινος
 <65 a.> Φοῖνιξ τὸ γένος. 66. -niceus :
 φοινικιοῦς. 67. -nit : τημωρεῖται (τιμ-),
 κολάζει. 68. -nitur : κολάζεται, τιμωρεῖ-
 ται. (=67 ?) 69. -ni : ἄφροι. (=PO 2 ?)
 70. -niri : κολάζεσθαι. 71. -niendo : τιμω-
 ρηταῖα (-έω). (Cic. 3, 15) 72. -pae :
 πλαγγόνες αἱ τῶν παιδίων νύμφαι. (Sat. ?)

461. cf. 372 ? || 467. P. : ἄνθραξ. « Char. » 553, 8.

PU 6. Gaius, Inst. 4, 32 Rudorff. || 8. cf. Fest. 44, 4 (culliola) || 18. An Cic. 2, 23 ? ||
 25. Pugilli 30. || 26. λέχω ? cf. Cyrill. λέχω[v] : p. || 30. Pugilla 25. || 35. Verg. G. 2, 137, etc. ||
 40. cf. PA 66. || 42. cf. AE 11 (Aegyptium : φαιόν). || 56. An Cic. 3, 23 (-ia) ? || 59. Pulpitis :
 θυμέλη « Char. » 552, 18 ; cf. PL 68. || 61. cf. Gram. Lat. 4, 575, 27. || 72. cf. Pers. 2, 70.



73. -pilla : κόρη, ὀρφανή. 74. -pillus : ὀρφανός, λιπερινός. 75. -ppes : πρύμνα πλοίου. 76. -pus : βρέφος, νανίον. 77. -prior : παιδεύομαι. 78. -rgat : καθαίρει. (Verg. A. 1, 587 ?) 79. -rpura : πορφύρα. (Cic. 2, 5) 80. -puriss[im]um : φῦκος. (Fest. ?) 81. -rus : καθαρός, ψιλός. 82. -ra : ἄγνά, καθάρά, ψιλή. 83. -rgare : καθαίρειν. (= 78 ?) 84. -s : ἔμποιον (-υον) ποιον (-ῦον). (Char. ?) 85. -sillum : μικρόν. 86. -stul[li]a : φλύκταινα. 87. -tacilla (spu-tatilica ?) : κατάπτυσμα (-στα). (Fest. ?) 88. -tamen : κέλυφος, λέπυρον. 89. -tat : δοκεῖ. <89 a.> κλαδεύει, ξαίνει. (Fest. 96, 19 ?) 90. -tator : κλαδευτής, καθαριστής. (Verg. G. 2, 28) 91. -tres fungus (-os) : ψαφαρούς κομαρίνας. (Verg. G. 1, 392) 92. -tilia (?) : μονα (?). 93. -teal : περιστόμιον. 94. -tidum : σεσηπός, ὀζόμενον. 95. -teus : φρέαρ. (Verg. G. 2, 231?) 96. -tamina : κλαδεύματα. (Fest. ?) 97. -tre : ψαφαρόν, εὐδιάλυτον. (Verg. G. 2, 204) 98. -tatum : κεκλαδευμένον. (Fest. 240, 9 ?) 99. -ti : μικροί. 100. -to : οἶμαι, νομίζω. 101. -tus : μικρὸς αὐτός. (Fest. 240, 14) 102. -bes : νεολαία (Char. 70, 4) 103. ἥδη. (Char. 70, 4)

Q

QUA

Qua : ποία. <1 a.> πόθεν. <1 b.> τις. 2. -dpantale (-dr-) : κεράμιον. (Fest. 312, 15) 3. -dra : τόπος (τόμος ?). 4. -drigarius : ἄρματηλάτης, ἱππελάτης (-ηλ-), ἡνίοχος. 5. -drigugen (-iugum) : τέτρωρον. 6. -driga : τέθριππον. 7. -druplum : τετραπλοῦν. 8. -dri<iu>gum : τετράζυγον. (= 5 ?) 9. -dratum : τετράγωνον. 10. -driremis : τετρήρις (-ης). 11. -e : οἷα, ποία καὶ ἤτις.

12. -edam : τίς ποτε, τινός ποτε. 13. -e : τίς θηλυκῶς. (Char. ?) καὶ <13a.> τίνα οὐθετέρως. (Char. ?) 14. -eque : ἐκάστη. 15. -erit : ζητεῖν (= 18 ?) 16. -eso : δέομαι. (Fest. 312, 7 ?) 17. -estio : ἐξέτασις, ζήτησις, κηδεῖα καὶ βασάνων ἐξέτασις. (Syn. ?) 18. -ero : πορίζω, ζητῶ. 19. -estus : πόρος, πρόσσος. (Cic. 4, 17) 20. -estuaria : πρακτική ποριν (πόρνη). (Off. ?) 21. -estuusus : ἐπικερδής. 22. -esitus est : προσεπορίσθη. 23. -estor : ταμ[ε]ίας. 24. -le : ποταπόν, οἶον. (= 28) 25. -lem : ποταπόν. (= 28 ?) 26. -libet : τῇ τυχοῦσῃ. 27. -litas : ποιότης. 28. -lis : οἶος, ὅποιος, ποία, ποταπός. 29. -liter : ποταπῶς. 30. -los (-us) : ἥθρος (-μός), διυλιστήρ. 31. -lus : σώρακος, κόφινος. (Fest. 57, 9) 32. -m : ἄντινα πάνυ (Cic. 1, 5 ?) ἢ <32 a.> πόσηπερ. 33. -mdiu : ἐφ' ὅσον, ἐπὶ πόσον. (Cic. 1, 1, etc.) 34. -mqum : εἰ καὶ, ἐπ<ε>ίπερ, καίπερ, εἰ καὶ τὰ μάλιστα. (Cic. 1, 11, etc.) 35. -ndam : τινά ποτε. (Cic. 1, 25, etc.) 36. -mvis : εἰ καὶ τοι, εἰ καὶ τα μάλιστα. 37. -mdudum : ὥς ἂν δῆποτη (-τε). 38. -mdum (-dam) : τινά ποτε. (= 35) 39. -m mox : ἅμα τῷ, ὁπηνίκα. (Fest. 314, 5) 40. -mobrem : δι' ὅποιον πρᾶγμα. (Cic. 1, 18, etc.) 41. -mprimum : τήνταχίστην. (Cic. 3, 9) 42. -nam : τίνι δῆ. 43. -ndam : τινά ποτε. (= 35) 44. -ndo : πότε, ὅποτε, ἐφ' ὅσον, ἐπειδῆ. (Fest. 310, 28) 45. -ndoquidem : ὅποτε, ἐπειδῆ. 46. -ndocumque : ὅποτε δῆ, ὃ δῆποτε χρόνων (-ω). 47. -ndoque : ὅτε δῆ. (Hor. C. 4, 1, 17 ?) 48. -ntitas : ποσότης. (Off. ?) 49. -nticumque : ὅσον δῆποτε. 50. -ntis- per : πόσως. (Fest. ?) 51. -ntum : πόσον, πέλικον (πηλ-). (Cic. 3, 25, etc. ?) 52. -ntulum : πόσον τι. (Hor. S. 3, 124 ?) 53. -propter : διό, διόπερ. (Cic. 4, 24) 54.

75. Verg. A. 2, 256, etc. || 77. Pubor *Dosith.* (432, 7 P. : παιδεύομαι). || 80. cf. Plaut. Most. 261 ; Goetz (*Arch. Lat. Lex.* 2, 346). || 84. P. : πῦον ἄκλιτον « Char. » 548, 16. || 87. cf. Sisen. ap. Cic. Brut. 74. || 92. *Forsitan* Putitia : μωρά (Fest. 240, 18) ? || 95. *An* Fest. 238, 34 ? puteum *Cyrrill.* || 96. cf. Plaut. Capt. 655 (= Non. 157, 33). || 101. *An* μ. ἀρχαίως ?

QUA 6. Verg. A. 1, 512, etc. (-ae). || 7. cf. QUI 30. || 16. *An* Cic. 1, 27 ? || 17. *Questio cod.* || 20. cf. Digest. 23, 2, 43. || 48. Digest. 48, 3, 4.

-re : διὰ τί, διότι (Cic. 1, 12, etc. ?) 55. -rtana : τεταρτεος (-αῖος). (Hor. S. 2, 3, 290 ?) 56. -rtemur : τεταρτολογηθῶμεν. 57. -s : ἄς, ποίας. (Cic. 2, 20 ?) 58. -scumque : ἄς δὴ ποτε. (Verg. G. 2, 52, etc. ?) 59. -si : ὥσει, ὥσανεῖ, εἰ δέ. 60. -sat (-xat) : ὅταν φωνεῖ βάτραχος. (Fest. 312, 21) 61. -sillus : κάλαθος. (Fest. 41, 10) 62. -ssum : σαθρόν, σαθακὸς [υ]ν. 63. -tinus : ἐπειδὴ, ὅπως ἄν, αἰδε (ἄτε) δὴ καὶ ἐπὶ τοσοῦτόν. (Fest. 312, 26) 64. -tit : σ<ε>λει, τινάσσει. (Fest. 314, 7)

QUE

Que : τέ, καί. 2. -m : τίνα. (Cic. 1, 1 ?) 3. -madmodum : τίνα τρόπον. (Cic. 2, 12, etc.) 4. -meumque : ὅντινα οὖν δὴ ποτε. 5. -mquam : ὅλως τίνα. (Cic. 1, 26) 6. -mpiam : τινὰ ἀρχαίον (-ως). (Fest. 304, 30) 7. -mque : ὅντινα ἕκαστον. (Cic. 1, 2, etc.) 8. -ndam : ὄντινα. (Cic. 4, 17) 9. -o : δύναμαι. 10. -reus : δρῦς. (Fest. 309, 8) 11. -rela : μέμψις ματαία. 12. -ramur : μεμψώμεθα. (Cic. 2, 16) 13. -rimonia : μέμψις. (Cic. 1, 27) 14. -ritur : μέμφεται. (=15 ?) 15. -runtur : ἀποδύρονται, μέμφονται. (Cic. 2, 16.)

QUI

Qui : ὅστις, ποῖος, ποῖοι, οἱ καὶ τινὲς καὶ τίς. 2. -a : ὅτι. 3. -bus : οὔστισιν. (Cic. 2, 17) 4. -buseumque : ἕκαστοις. 5. Qui amat : ὁ φιλῶν, <5 a. (Quaesa.)> : ἡ φιλοῦσα, <5 b. (Quod a.)> : τὸ φιλο<ῦ>ν. (Char. ?) 6. -[s]eumque : ὅστις δὴ ποτε, ὅστις οὖν. 7. -dam : τινές, τινές ποτε, τίς

ποτε. 8. -d : τί. 9. -dem : μέν. 10. Q. dicit : ὁ λέγων (Char. ?) 11. Q. dicitur : ὁ λεγόμενος. (=10) 12. Q. dictus est : ὁ λεχθεὶς. (=10) 13. Q. dixit : ὁ εἰπὼν. (=10) 14. -d ita : τί ἄρα. 15. -d mea : τί πρὸς με. 16. -dni<si> : ἐπειδὴ, εἰ δέ, μῆτε. (Fest. 306, 32) 17. -d quasi : τίότι. 18. -dque : τί δέ. 19. -dsit (-dquid) : ὅτι ποτε, ὅτι ἄν. (Cic. 4, 6 ?) 20. -d sit : ὅτι ἄν εἶν (-η). 21. -dve : καὶ τί. 22. -es : ἡσυχία, ἡρεμ[ε]ία. (Verg. G. 2, 344, etc. ?) 23. -escit : ἡρεμεῖ, ἡσυχάζει, εὐσταθεῖ. (Verg. A. 1, 249, etc. ?) 24. -libet : ὁ τυχών, ὅστις δὴ ποτε. 25. Civilis : πολιτικός. (=CI 62) 26. -m(-n) : ἀλλὰ μὴν, ἀλλὰ γάρ. 27. -n : ἀλλά. (=26) 28. -ni : ἄνὰ πέντε. (Verg. A. 2, 126 ?) 29. -n potius : τί δὲ οὐ μᾶλλον. 30. -nduplum (-nt-) : πενταπλοῦν. 31. -nquatria : Παναθηναία. (Char. 33, 3) 32. -nque-remis : πεντήρης. 33. -n igitur : τί οὖν. 34. -nquennium : πενταετηρ[ε]ός. 35. -nquies : πεντάκις. 36. -nquetris (-nquertium ?) : πένταθλος. (Fest. 306, 8) 37. -nquuplum (-ntuplum) : πενταπλοῦν. (=30) 38. -nquennalis : πενταετη<ς> χρόνος. (Fest. 316, 16 ?) 39. -ppe : δηλαδὴ, ἄτε δὴ, τί δῆτα. (Fest. 306, 21) 40. -ppiam : τί ποτε. 41. -que : ἕκαστος. 42. -rinus : Ἐνυάλιος. (Verg. G. 3, 27 ?) 43. -ritan[us] : ἐπιθώμενος. (Fest.) 44. -rites : πολῖται Ῥωμαίων. (Fest. 43, 2) 45. -s : τίς. <45 a.> τίσιν, οὔστισιν. (Fest. 314, 19) 46. -squilia : σκύδαλα [quis qualia]. (Char. 33, 19) 47. -squam : ὅλως τις. (Cic. 1, 5, etc.) 48. -squamne : ἄρά τις, ἄρά γε τις. 49. -sque : ἕκαστος. (=41) 50. -squis : ὅστις ἄν, ὅστις οὖν. 51. Q. sunt : τίνες εἰσίν. 52. -quit (-vit) : ἡδυνήθη·

58. cf. QUE 4 ; QUI 6 ; QUO 32. || 61. cf. Fest. 478, 36. || 62. cf. Apul. Met. 9, 7 ?

QUE 4. cf. QUA 58 ; QUI 6 ; QUO 32. || 11. Verg. G. 1, 378 (-am).

QUI 2. Qua *cod.* || 5. *Viz cf.* Plaut. Trin. 242 (Nam qui amat quod amat, etc.) An Qui. a ὁ φ., Quod a. : ἡ φιλουμένη, τὸ φίλον ? Ex Festo (nam quod amat antiquitatem redolet) ? || 6. cf. QUA 58 ; QUE 4 ; QUO 32. || 10. Hor. E. 1, 17, 48 Wey. || 11. Hor. C. 3, 17, 6 Wey. || 19. cf. 20. || 30. cf. QUA 7. || 31. Quinquatres Char. ; Hor. E. 2, 2, 197 Wey. || 34. cf. Ciris 24 (-a) ? || 40. cf. QUE 6. || 42. Hor. C. 3, 3, 15 Wey. || 43. cf. Lucil. ap. Non. 21, 21. || 44. An Cic. 2, 23 ?

QUO

Quo : ποῦ. <1 a.> ποίω καὶ ῥ. 2. -ad : quamdiu : ἕως τινος. (Cic. 3, 17 ?) 3. -cumque : ὅπου δὴποτε. (Cic. 4, 6) 4. -t : πόσοι, πόσαι, πόσα. 5. -dam : τινί. et <5 a.> quando : πότε. 6. -dam modo : τινὶ τρόπῳ. (Cic. 1, 18) 7. -d est : τὸ <δ> ν, τὸ ὑπάρχον. (Cic. 1, 12) 8. -dlibet : τὸ τυχόν. (Hor. S. 1, 2, 126 ?) 9. -d si : εἰ δέ. (Cic. 1, 30, etc. ?) 10. -dlibes (-et) : ὅπερ ἡδύ. (=13 ?) 11. -d cum : ὅπερ μέντοι. 12. Q. libes (-et) : ὅπως ἡδύ. (=13 ?) 13. -libet : ὅπως ἡδύ, οὐ δὴποτε. 14. Q. magis : πόσω μᾶλλον. (Hor. S. 2, 2, 112 ?) 15. Q. modo : ποῖ ὅ τρόπῳ καὶ πῶς. 16. -ndam : ποτέ. (Cic. 1, 3 ?) 17. -minus : ὅπως ἔλαττον, ἡνὰ (ἵνα) μῆ. (Cic. 3, 15 ?) 18. -nam : πῇ ἄρα. (Fest. ?) 19. -niam : ἐπειδὴ. (Fest. 316, 11) 20. -niam quidem : ἐπειδὴ περ. 21. -niam vero : ἀλλ' ἐπειδὴ, ἐπειδὴ δι (δέ). 22. Q. possit : ὅπως ἂν δυνήθῃ. 23. -quam : ὅλως που. 24. -que : τέ, καί· καὶ <24 a.> ὅπου. 25. Q. : ῥ. (=1) 26. -modo : ὥς. 27. -rum : ὧν. (Cic. 1, 17, etc. ?) 28. -rsum : ὅπου ἄρα. (Hor. S. 2, 7, 21 ?) <28 a.> πρὸς τί πάλιν. (Hor. S. 2, 7, 116 ?) 29. -rumque : ὧν δὴποτε. 30. -s : οὐστinas, οἶους, οὐς. (Cic. 2, 17, etc. ?) 31. -sque : οὐς ποτε, οὐς δὴποτε. 32. -scumque : οὐς δὴποτε ἂν. 33. -ta : πόστη. (Hor. S. 2, 6, 44 ?) 34. -tannis : καθ' ἕκαστον ἔτος. (Verg. G. 2, 398 ?) 35. -ties : ὁσάκις. (Cic. 1, 15, etc. ?) 36. -t : πόσοι, πόσαι, πόσα. (=4) 37. -tum est : πόστη, πρὸ πόσων. (=39) 38. πρὸ πόσου. (=39) 39. -tum : πόστη, πόστον καὶ πρὸ πόσων. 40. -tidie : ποστεος (-αῖος). 41. -tus : πόστος. (=39 ?) 42. -<u>sque : μέχρι τίνος. (Cic. 1, 1.)

R

RA

Rabiat : λυσσᾶ. 2. -bies : λύσσα. (Hor. A. P. 79 ?) 3. -cemus : προφῶς σταφυλῆς. (Verg. G. 2, 60 ?) 4. -dicitus : ῥιζόθεν. 5. -dit : ξέει, ξύει, ξύραι (-ει). (Fest. 338, 20) 6. -dius : ἀρτίς (ἀκτ-), κερκίς καὶ <κ> νημὸς τροχῶν. 7. -dix : ῥίζα δένδρου. καὶ <7 a.> ῥάφανος. 8. -dix lanaria : στρούοιος (-θιος) βοτάνη. 9. -diatus : ἀκτινόφορος. (Fest. ?) 10. -dius : ἀκτὶς καὶ κνήμη. (=6) 11. -[d]ia : βατὶς ἰχθύος εἶδος. 12. -lla : ξυστήρ. 13. -mex : ἐντεροκλήλ. (Iuv. 10, 205 ?) 14. -menta : ἑσματα<α>, ἑσματα. 15. -mus : ῥαπδος (ῥάδ-). (Verg. A. 5, 854 ?) 16. -na : ῥάτραχος. (Verg. G. 1, 378 ?) 17. -na rubeta : φρύνος. 18. -ncidum : ταγγόν. (Hor. S. 2, 2, 89 ?) 19. -pa : γογγύλη. 20. -pax : ἀρπαξ. (Hor. C. 1, 34, 14 ?) 21. -pidus : ταχύς, ἀρπακτικός. 22. -pio : ἀρπάζω. 23. -pit : ἀρπάζει. (=17) 24. -ptim : ἀρπατιμῶς (-παγ-) ἱξ (ῆ) μετὰ ἀρπαγῆς. (Verg. G. 2, 427) 25. -ptus : ἡρπαγηνεος (-μένος), ἀρπαγείς. (Hor. C. 3, 20, 16 ?) 26. -pilum (?) : ῥαφεύς. 27. -rus : ἀραιός, σπάνιος. 28. -re : σπανίω<ς>. 29. -st<r>-us (-ster) : σκαφ<ε>ϊον. (=30 ?) 30. -ster : δίκελλα. 31. -tes : σχεδία καὶ πλοῖα. (Fest. 338, 12) 32. -tio : λόγος, ἀναλογία, ψῆφος. 33. -tiocinator : λογιστικός. 34. -tiocinatio : λογισμός. (Char. ?) 35. -tiocinale : λογικόν. 36. -tionis igitur : ἔλ<λ> οὖρον οὖν. 37. -tis : σχεδία. (=31) 38. -tiocinalia : λογικά. (=35) 39. -tis[os] : ταρσός. 40. -tum : κύριον, βέβαιον. (Fest. 340, 24) 41. -tus : οἰηθείς, λογισάμενος, δόξας. (Fest. 340, 22) 42. -ucus :

QUO 2. Hor. S. 2, 3, 91 Wey. || 18. cf. Plaut. Merc. 857, etc. || 26. Verg. G. 2, 226, etc. || 32. cf. QUA 58 ; QUE 4 ; QUI 6.

RA 7. Verg. G. 2, 31. || 9. cf. Acc. ap. Cic. de Div. 1, 22. || 11. cf. RE 118. || 12. An Rallum : ξυστήρ, <12 a.> Ralla : ξυστίς (vel-τή) (Fest. ?) ? Rallum *Gl. Nom.* (R. ratorium). 12 a. cf. Plaut. Epid. 230 (tunicam rallam, tunicam spissam). cf. ad. RE 170 ; 186. || 21. Verg. G. 2, 321, etc. || 26. Rupiam RU 52. || 34. cf. Gram Lat. IV, 577. 65 (R. : διαλογισμός) || 40. cf. 41.

βραγχ[ε]ῶν, βραγχάς. (Fest. 366, 37)
43. -ucit (?) : βραγχ[ε]ῖ. (=42 ?) 44.
-vus : καρπος (χαροπός). (Fest. 338, 7)

RE

Re : από, ανά, αντί, μετά. 2. -bellio : ἀποστάτης. <2 a.> ἀπόστασις. 3. -bile : οἰητόν. 4. -burrus (?) : ἀνάσιλλος, ἀναφάλαντος. (Ital. Levit., 13, 41) 5. -cedat (-it) : ἀποχωρεῖ. (=6) 6. -cedit : ἀναχωρεῖ, ἀποχωρεῖ. 7. -cidit : ἐπανατροπιάζει. 8. -[o]edit : μετέπεσεν. 9. -cedet (-it ?) : ὑποστρέφει. 10. -cens : νεαρόν, νεαρός. 11. -ceptaculum : δοχεῖον. 12. -ceptor : ὑποδοχεύς. (Off. ?) 13. -cepit : ἀπείληπται. (=17 ?) 14. -cepta est : παρείληπται. 15. -ceptus : παραδεχθείς, ἀναληφθείς. (Cic. 1, 19) 16. -cedit : μετέπεσεν. (=8) 17. -cipit : ἀναλαμβάνει, ἀπολαμβάνει. 18. -ciperavit : ἀνεκτίσαστο, ἀνένεωσεν. 19. -ciprosum (-us) : παλίνδρομος, ὁ προῦν καὶ ὑποχωρῶν, παλινόροσος καὶ παλυρρυτος (παλί-). (Syn. ?) 20. -cito : ἀναγορεύω, διηγούμεναι. 21. -citatio : ἀναγόρευσις, διήγημα, διήγησις. 22. -citetur : ἀναγνωσθήσεται. 23. -citavi : ἀντέβαλλον, ἀντανέγων καὶ ὅ[υ]πηγόρευσα. 24. -cogitat : ἀναλογίζεται, ἐπιλογίζεται. 25. ἀναλογίζεται [ἐνλογα ἀνάλογα], ἀναμνησκαιται (-μνησκει-). 26. -cognoscit : ἀναγνωρίζει, προσαντιδάλει. (Verg. A. 8, 721 ?) 27. -cognoscas : προσαντιδάλει. (Cic. 1, 6) 28. -conciliat : φιλοποιεῖ, διαλλάσσει. 29. -conciliare : διαλλάξαι. 30. -conciliatio : διηλλαγμένον. 31. -conditum : ἀποκεκρυμμένον, ἀποκείμενον. (Cic. 1, 4) 32. -cordatur : ἀναπολεῖ, ἀναμνησκαιται (-εται). (Cic. 4, 7) 33. -cordat : ἀναμνήσκει. 34. -cordatio : ἐνούμημα (ἐνθ-), ἀναλογισμός, ἀνάμνησις. 35. -cordatus : ἐνούμησις (ἐνθ-), ἀναμνησθείς, ἀναπολήσας. 36.

-coxit : ἀνεχώνευσεν, ἀνέψησεν. 37. -creat : ἀνακτάται. (Hor. C. 3, 24, 16 ?) 38. -creata : ἀνακτηθεῖσα. (Cic. 2, 7) 39. -creatio : παλινγενεσία (-ιγγ-). 40. -crastino : εἰς αὐρίον ἀναβάλλομαι, ὑπερτίθεμαι. 41. -crementum (-trim-) : συνίσμα, ἀπότμημα. (=278) 42. -ctor : [ε]ῖθύντης, ἄρχων, κυβερνήτης. (Verg. A. 5, 176 ?) 43. -cta linea : εὐθύγραμμον, γεω<μετρικόν>. 44. -ctum : ὀρθόν [μετρικόν]. 45. -cumbat : ἀναπέση, ἀνακαίθη (-κλιθ-). 46. -cumbit : ἀναπίπτει. (=45 ?) 47. -cusat : ἀρνέται, ἀνάνηται. 48. -cusarint : παραιτήσονται. 49. -cusarunt : παραιτήσαντο (-ητησ-). 50. -cusatio : ἀπολογία, παραίτησις. (Cic. 3, 5 ?) 51. -cutiti : ἀποσεσυρμένοι, περίτομοι. (Sat. ?) 52. -dactum : εἰσπραχθέν, εἰσοδιασθέν. 53. -degit : κατήγ<αγ>εν, ὑπήγαγεν. (Hor. C. 1, 37, 15 ?) 54. κατέστησεν, ὑπεγαγεν (ὑπήγ-). (=53) 55. -demit : ἐξωνήσατο, ἐλυτρώσατο, ἀνέλαθεν. (Verg. A. 6, 121 ?) 56. -dem<p>tor : ἐργυλάβος, ἐκλή[μ]πτωρ. (Hor. E. 2, 2, 72 ?) 57. -dem<p>tio-nem : ἀπολύτρωσιν. (Ephes. 1, 14) 58. -dhibitio : ἀνταπόδοσις. (Off. ?) 59. -digenda : τοῦ <ε>ισοδιαζομένου. 60. -dignit : ἀναλαμβάνει. (=67) 61. -dit : ἀνακάμπει, ὑποστρέφει. 62. -ditus : πρόσσος κ<αλ> ἐπάνσος. 63. -dimio : λυτροῦμαι. 64. -dis : ὀχήμασιν. (Hor. S. 1, 5, 86) 65. -dimiculat : ἀναλύνει δέματα (ἀναδέματα λύει). (=73) 66. -dintegrat : ἀνανεοῖ. 67. -digit : κατοθύνει (-ιθ-), ἀναλαμβάνει. 68. -digitur : συναγεται. (Off. ?) 69. -dimet (-it) : ἐξαγοράζει, λυτροῦται. 70. -dimiti : ἐστεφανωμένοι, ἐστεμμένοι. (Cic. 2, 10) 71. -<h>ibitur (-or) : ἀνάδοχος. 72. -dimicula : ἀναδέματα, καθετήρες. (Verg. A. 9, 616 ?) 73. -dimiculat : ἀναδέματα λύει. 74. -dimitus : ἐστεμμένος. (=70 ?) 75. -divina : παλινξωφα, ὑπόστροφος. (Fest. 334, 25) 76. -divinis : ἀναδιδό-

RE 4, ἀναφάλαρος Hermen. (sed. cf. LXX Levit. 13, 41 Cum priore interpretatione ἀνάσιλλος cf. Augustin, c. Faust. 6, l. 9. cf. 6. || 11. cf. Cic. Pis. 11 ? || 46. An Verg. G. 3, 86 etc. ? An Hor. C. 1, 12, 32 Wey ? || 47. cf. NE 20. || 51. cf. Mart. 7, 29, 5 || 58. cf. Digest. 21, 1, 21, etc. || 68. cf. Gaius, Inst. 1, 71. || 73. cf. 65. || 74. An Verg. G. 1, 349, etc. ?

μένων, 77. -divinus : παλίνζωρος. (=75 ?) 78. -unia : παρωνυχίς. (Fest. 334, 4) 79. -duces : ὑπόστροφοι. (Verg. A. 1, 397) 80. -dundare : ἐπανέναι. 81. -dundaret : περιττέυση (Cic. 1, 29) 82. -dundat : ἀναβλύζει. (Prov. 15, 28 ?) 83. -dundavit : ἐπλήθυνεν. (Cic. 3, 24) 84. -feccia (-iectio) : ἀπόλεξις κριτῶν. (=120) 85. -fectio : ἐπισκευή, ἀνανέωσις. (Off. ?) 86. -fellit : διελέ<γ> χει, ἀθετεῖ. 87. -fert (-fellit) : ἀποδοκιμάζει. (=86) καὶ <87 a. (-fert)> : [σ]ἀναφέρει καὶ ἐξηγεῖται. 88. -fer[a]t : ἀποφέρει, ἀναφέρει. (=87 a. ?) 89. -ferre : inter<es>se. (Hor. S. 1, 2, 77) 90. -fertur : ἀντιτίθεται. 91. -fert : διαλλάττει, διαφέρει. (Fest. 356, 1 ?) 92. -ficiat : ἀναλαμβάνει, ἀνανεοῖ, καινοποιεῖ. 93. -focil<l>at : ἀνα<x>τᾶται τὸν λ<e>-ιποθυμήσαντα. (Bibl. ?) 94. -fragatur : ἐναντιοῦται. 95. -frag[r]antes : ἀποψηφίζοντες. 96. -frigerare : ἀγαλλιάσασθαι. 97. -frigerat : καταψύξει, ἀναψύξει[α]. 98. -frigo : ἀναψύχω. (=97) 99. -fuderunt : μετέβαλλον. 100. -fulsit : ἀντέλαμψεν. (Verg. A. 1, 402, etc. ?) 101. -futari : ἀπελέγχεσθαι, ἀπαδοκιμάζεσθαι (ἀπο-), ἐκβάλλεσθαι, ἀνατρέπεσθαι. (Syn. ?) 102. -futat : διελέγχει, ἀμύνεται, ἀπελέγχει. (Fest. 346, 7) 103. -futant : ἀποτρέπονται.

Regimen : οἰάκισμα, ἴθουν ἥριον. (Fest. 348, 16) 105. -ga[vi]liolus : σπίν[υ]ος. (=106 ?) 106. -gausolus (-galiolus ?) : βασιλίσκος ὀρνυφίον. (Fest. ?) 107. -gina : βασιλίσ. 208. -gio : κλίμα. 109. -gionibus : κλίμασιν. (Cic. 4, 21) 110. -git : διέπει. 111. -x : βασιλεύς. (=290) 112. -ginatio (?) : βασιλείον. 113. -gluvo (degluvo) : ἐκδέρω. (=DE 206) 114. -gnum : βασιλεία, ἡγεμον[ε]ία. 115. -greditur : ἀνακάμπει,

ἀναστρέφει. 116. -gressio : ἀναστροφή. 117. -gula : κανών. 118. -iva (raia ?) [et reilara] : βατὶς εἶδος ἰχθύος. (=RA 11 ?) 119. -iecerit : ἐκβάλει. 120. -iectio : ἀποβολή, ἀπόληξις (-λεξ-) κριτῶν. 121. Re ignorata : τοῦ πράγματος ἀσυνήγορεύτου. 122. -lga togiae (?) : τῆς ἀποδ<e>ίξεως. (?) 123. -languit : ἐξησθένησεν, ἐπετροπίασεν. 124. -latum est : μετεδόθη, μετεκομίσθη, ἀπιγγέθη (-γγ-). 125. -laxat : ἀνίησιν. (Verg. G. 1, 89 ?) 126. -legatio : ἐξορισμός. (Off. ?) 127. -levati : κουφισθέντες. (Cic. 1, 31) 128. -levi : ἀπέχρ[ε]ισα. 129. -lictus : καταλελ<e>ιμμένος, καταλ<e>ιφθεῖς. 130. -ligat : ἀποδεσμεῖται, ἀποδεσμονεῖ (=εύει). (Hor. S. 1, 5, 18 ?) 131. -linquit : καταλιμπάνει. 132. -ligiosus : δ<e>ισιδάμων, θεοσεβής, θρησκ<ευ>τής. (Fest. 348, 22) 133. -ligio : θρησκεία, εὐσέβεια, διάθεσις καὶ αἰδώς. (Cic. 3, 15 ?) 134. -ligione : ἀκριθείας ἢ αἰδοῦς. (Cic. 3, 15 ?) 135. -levit : ἀπέχρισεν. (=128 ?) 136. -lines : ἀποχρ[ε]ῖσε<i>ς. (Verg. G. 4, 229) 137. -liquiae : λ<e>ίψανα. 138. -liquarium : ἐκθεσις λοιπάδος. 139. -liquatio : λοιπογραφία. 140. -luminatio : ἀνταυγασία. 141. -m : πρᾶγμα. 142. -mancipat : ἀντιπαράχωρεῖ, ἀντιπαράγραφει. (Off. ?) 143. -mancipo : ἀποκαθιστῶ. (Off. ?) 144. -mansit : ἀπέμεινεν. 145. -meat : ἀνακάμπει, ἀναστρέφει, καταπορίζει, ἐπανέρχεται. (Fest. 344, 11) 146. -medium : ἡμα, ἀντιφάρμακον, βοήθημα, θεραπεία. (Syn. ?) 147. -mentus : ἀναμνησθεῖς. (Char. 249, 15 'nemo dicit') 148. -migant : κωπιλατοῦσιν (-πηλ-). 149. -miges : ἐρέται, κωπηλάται. (Hor. Epod. 17, 16 ?) 150. -miniscitur : ἀναμνησκειται, ἀναπολεῖ. (Verg. A. 10,

85. cf. Digest. 4, 3, 11, 1, etc. || 88. -at : -ῆ, -ῃ (Hor. Car. Saec. 22) *Wey.* || 100. Verg. G. 1, 12, 28 *Wey.* || 105-6. cf. Fest. 99, 22; Suet. Caes. 81. || 108. Verg. G. 1, 53, etc. || 110. Verg. G. 1, 232, etc. || 113. *Reglubo Goetz (viz recte)*. || 118. *Reza Hermen.* || 122. *An Aretalogiae Netleship* (cf. Iuv. 15, 15 -gus) ? || 126. cf. Digest. 48, 22, 7, 5, etc. || 128. cf. 135-6. || 137. Verg. A. 1, 30, etc. (-as) || 138. *An Rel. <λοιπαδάριον> ἐκθ. λοι.* (cf. Cyrill. *Λοιπαδάριον : reliquarium*) ? || 139. *Ita etiam Cyrill.* ; cf. Digest. 26, 7, 43. || 142. cf. Gaius, Inst. 1, 134 (-atur). || 143. cf. ib. 1, 115, etc. (-atae). || 144. Cic. 3, 4 (-isse) ?

782 ?) 151. -missum : συγχωρηθέν. 152. -missior : ἀνειμένος. (Cic. 4, 12) 153. -mittit : ἀντιπέμπει. 154. -morata est : ἐπέσχευ. (Cic. 1, 4) 155. -move : ἀπόστησον. 156. -munerat : ἀντιτιμῆ. 157. -munero : ἀνταμείβομαι. 158. -mus : κώπη. 159. -nitet (-det) : μειδιᾷ, ἀντιλάμπει. 160. -niduit : ἐμειδίασεν. (=159 ?) 161. -n[es](rien) : νεφρός. (Char. 38, 7) 162. -nis (rienes) : νεφροί. (Fest. 344, 1) 163. -ni[ti]osus (rien-) : νεφριτικός. 164. -n[ñ]uit : ἀνανεύει. (Hor. E. 1, 16, 49 ?) 165. -numerat : ἀναριθμεῖ. 166. -nuntiat : ἀποτάσσεται, ἀποφαίνεται, ἀποστέλλει. 167. -nuntiaverit : ἀπαγορεύειν. 168. -or : οἶομαι. (Fest. 346, 14) 169. -oria (-potia) : ἡ τρίτη τῶν [α]γάμων, ποδοστροφία. (Fest. 350, 13) 170. Rera (?) : ἡμίκοπον. (=186) Repagula : καλυπτῆρες. (Fest. 350, 16) 172. -pagulum : κόραξ. (=250) 173. -parare : ἀναρτήσασθαι (-ακτ-). 174. -pellit : ἀπωθεῖ. 175. -pellitur : ἀπωθίζεται. (=174) 176. -pendo sodali, rependi : ἀμείβομαι, ἀντιστήκω. (=177 ?) 177. -pendo tibi : ἀμείβομαι σε. (Char. 293, 25) 178. -pensare : ἀντιστήσαι, ἀναδοῦναι. 179. -pentinus : εφνίδιος (αἰφ-). 180. -pens : ἐπιρ<ρ>έπουσα ἢ <180 a. (-pentinus) : αἰφνίδιος. (=179) 181. -petentia : ἐπανάλη[μ]ψ<ic> (=184 ?) 182. -perti sunt : ἡδρέθησαν. (Cic. 1, 9) 183. -petit : ἀπαιτεῖ, ἐπαναλαμβάνει. 184. -petitio : ἐπανάλη[μ]ψις καὶ ἀπαίτησις. 185. -pit : serpit : ἔρπει. 186. -pia (?) : ἡμίχος (-κοπον ?). 187. -peridia (-potia) : ἐπιγοδᾶ (ἐπίθδα), ἡ μετὰ τὴν ἡμέραν (ἐορτήν) ποδοστροφ[ε]ία. (=169 ; 209) 188. -percussio : ἀντιτυπ[ε]ία. 189. -plica ἀνακολαφίς, ἀναρεραμμένη. 190. -plicatura : ἀναδιπλώσις. 191. -plet :

ἀναπληροῦ. (Verg. A. 11, 140 ?) 192. -positas : ἀποθέτους. 193. -ponit : ἀποτίθην. 194. -perietur : εὐρεθήσεται. (Cic. 4, 22) 195. -peri : εὕρον. 196. -perit : εὕρεν. (=195) <196 a.> εὕρίσκει. 197. -prehendit : ἐπιλαμβάνεται. 198. -prehenditur : ψέγεται. 199. -prehendat : καταγνώσεται. 200. -presentare : ἀποκαταστήσαι, ἀποκαθιστᾶν. (=203) 201. -pertus (-pente ?) : εὐθέως. 202. -[pre]fectio : ἐπισκευή. (=85) 203. -presentat : ἀντικαθίστησιν, ἀποκαθίστησιν, ἀντιπαρίστησιν. 204. -presentent : ἀποκαταστήσουσιν (-ωσιν ?). 205. -pressit : ἀνέκυψεν. 206. -presento : ἐν παρουσίᾳ ποιῶ, ἀποκαθηστημι (-ιστ-), ἀμνομαι (-μύν-)(?), ἀποδίδωμ[ε]ι. 207. -presentare : ἀποκαταστήσαι, ἀποκαθιστᾶν. (=200) 208. -psudit (?) : ἐπιτροπιάζεται. 209. -proca (-potia) : ἐπίθδα ἢ μετὰ τὴν ἐορτή<v>. (Hor. S. 2, 2, 60) 210. -primendorum : ἐπισχετέων. (Cic. 1, 7) 211. -primi : ἐπισχεθῆναι, κωληθῆναι (-λυθ-). (Cic. 1, 30) 212. -pudiat : ἀπωσθεῖς. (Cic. 1, 19) 213. -pertus (-pente ?) : εὐθέως. (=201) 214. -pudius : ἀποστάσιον, περίλυσις. (Fest. 350, 22) 215. -pulsat : ἀνεπιτυχ[ε]ία, ἀπορ<ι>α. 216. -pulsus : ἀπωσθέντες. (Verg. A. 2, 13 ?) 217. -pulsit (-io ? -a ?) : ἀπορ[ε]ία δι' ὕδρεως. (=215 ?) 218. -pulsus : ἀπωσθεῖς, ἀποδληθεῖς, ἀποτυχών, ἀπορημένος (ἡπ-). (Syn. ?) 219. -putantur : ἀνατρέπονται. 220. -putat : ἀναλογίζεται. 221. -pulsus : ἀποτυχής (-ών), ἀπορηθεῖς, ἀπορημένος (ἡπ-). (=218) 222. -putatio : ἐπιλογισμός. 223. -quirir : ἐπιζητεῖ, ἀναζητεῖ. 224. -quies : ἀνάπαυσις. 225. -rum : πραγμάτων. (=226 ?) 226. -rum natura : φύσις πραγμάτων καὶ ἡ τοῦ παντὸς φύσις. Res : πράγμα, γένος, εἶδος. 228. -scindit :

153. Verg. G. 2, 218, etc. || 158. Verg. A. 3, 384. || 169. cf. 187; 209. || 170. Repia 186 : Repla Buecheler : an Ralla (= RA 12 a) ? || 178. cf. Apul. Met. 6, 22 ? || 179. Cic. 2, 20 (-is) ? || 184. cf. 181 ; forsitan Repetentia : repetitio, ἐπ. καὶ ἀπ. ? || 186. cf. ad 170. || 192. Verg. (cf. A. 3, 364 -postas) ? || 193. Verg. A. 5, 619. || 205. Verg. G. 1, 132, etc. || 208. An Repsuit cf. (Diomed. 453, 2 repitum pro repositum) ? via Fest. 350, 25 (Repedat.) || 216. An = 218 ? || 223. Verg. A. 6, 710, etc. || 224. Verg. G. 2, 516, etc.

ἀναξάνει, ἀνασχίζει. (Verg. A. 9, 524 ?) 229. -scinduntur : ἀναξάνονται. 230. -secat : ἀποτέμνει, ἀπορίζει (ἀφ-). 231-2. -serat : ἀποίγει (ἀν-), κυρίως μόχλον [reserat] ἀποίγει (ἀν-). 233. -siduum : ὑπόλοιπον, ἐγκατάλ<ε>ιμμα. 234. ἐνκάθισμα (ἐγκ-). 235. -siduus : ὑπόλοιπος. (Fest. 352, 26) 236. -sina : ῥήτινη. 237. -sistit : ἀνθίσταται. 238. -spectus : καταλογή, ἐντροπή, κατανόησις, ἐπιστροφή (-οφή). (Syn. ?) 239. -sipiseo : ἀναζωπυρῶ, ἀνανήφω. 240. -solvit : εὐλυτο<ι> καὶ διαλύετε (-ται). 241. -spectus : ἀναλογή, λογισμός. (=238 ?) 242. -spondet (-it) : ἀπεκρίνετο (-ατο ?). (=243) 243. -dit (-det) : ἀποκρίνεται. 244. -sponsum : λόγιον, ἀπόκρισις. (Cic. 1, 19) 245. -spruit : ἀπαπτύει (ἀνα-), ἀποβαλλεῖ, νοσεῖ. 246. -s : πρᾶγμα καὶ πράγματα καὶ <246 a.> ἰμάτια. 247. -siduo : τῷ ἐπιλοίπῳ. 248. -seratur : καυτηριάζεται (?). (Fest. 354, 29 ?) 249. -sona : ἡχώ. 250. -pagulum : κόραξ, κλιθρον (κλή-), μήτρα θύρας, μάνδαλον. 251. -sponsa novem sapientium : ἀποκρίματα ἐννέα σοφῶν. (Char. ?) 252. -staurat : ἀνασκευάζει. 253. -stis : σχοινίον μικρόν. 254. -stibulis (-bil-) : ἄγρὸς δις τοῦ ἔτους ἀποτριώμενος (ἀροτ-). (Fest. 352, 22) 255. -stitit : ἀντέστη. (= 237 ?) 256. -stipulationem : ἀνθορισμόν. (Off. ?) 257. -stipulat : ἀνθορίζει. (Off. ?) 258. -stitutum : ἀποκατεσταμένον (-καθ-). 259. -sultat : ἀναπάλλεται, ἀναβάλλε<ται>. (Verg. G. 4, 50 ?) 260. -suum papo erine orus fascies : βαργοί. (?) 261. -tentum : κατασχεθέν. 262. -tes augurales (-cupal-) : νεφέλη (-αι) ὀρναιων (-έων). 263.

-tentio : κατάσχεσις, κράτησις. (Off. ?) 264. -tia : δίκτυα, σαγήνη. 265. -ticuit : ἀπεσιώπησεν. 266. -ticulus : γύργαθος καὶ κροκύφαντος. 267. -ticulum : γύργαθος. (=266) 268. -tinaculum : ἡνία, ῥυτῆρες. 269. -tinacula : ἀπόγ<ε>ια, κατόχεῖς. 270. -torquet : ἀντιστρέφει. (Cic. 2, 2) 271. -tractas : διαλογίζει (-η). ἀναβάλλη, δεισιδαιμονεῖς, ἀναλογίζει (-η). 272. -tractat : διστάζει, παραιτεῖται. 273. -tractentur : ἀναψηλαφοῦντο. 274. -tribuit : ἀντημεΐφατο. 275. -tractant : ἀντιβάλλουσιν. 276. -tro : εἰς τὸ ὑπὶσω (ὅπ-). 277. -tractat : ὑποχωρεῖ. 278. -trimentum : σινίασμα. 279. -tudimus : ἐγομφώσαμεν. (Cic. 3, 2) 280. -tulit : ἀπήγγε<ε>ιλεν, ἀπεκόμισεν. 281. -sina : ῥητινή. (=236) 282. -verentia : ἐντροπή. 283. -vitare : περικάμψαι. 284. Re vera : ὄντως. (Hor. S. 2, 7, 99 ?) 285. -vertitur : ὑποστρέφει. 286. -vimentum : παραστροφή. 287. -venit : παλινδρομεῖ. (Fest. ?) 288. -tis[ca] : <σα>γήνη. (=264) 289. -vinctus : δεθείς. 290. -x : βασιλεύς, ἄναξ. (Cic. 2, 11.)

RI

Rivus : ὀχετός, ῥ<ε>ϊθρον. (Fest. 336, 20) 2. -ginus (-cin-) : κρότων. 3. -ctus : ἐπισχυνιον (-σχύ-). (Fest. 370, 1) 4. -gat : ἀρδεύει. (Hor. C. 3, 3, 48 ?) 5. -enosus : νεφρητικός (-φριτ-). 6. -guis : εὐποτίσ<τοις>, εὐδόλοις. 7. -gor : κρύος ἀπόσκληρον. 8. -gidum : ἀκαμπές, σκληρόν, ἰσχυρόν, στιφνὸν καὶ ψυχρόν. (Fest. 346, 18) 9. -gidam : λάμπουσαν. (Verg. G. 2, 316 ?) 10. -guus : ἀρδόμενος. 11. -ma :

231. An Fest. 354, 29 ? An Verg. A. 7, 613 ? || 237. cf. 255. || 242-3. *Graeca interp. transpos.* || 243. Hor. E. 1, 1, 47 *Wey.* || 246. cf. 227. || 248. cf. 231 ? an *Resinatur* ? || 254. *Male intellexit Philox. Festi interp.* (ager... qui biennio seritur, etc.) || 256. cf. Gaius, Inst. 4, 13. || 257. cf. ib. 4, 94, etc. || 260. *Restium papyrinarum fascies* : βαργοὶ *restituit Buecheler* (= Off. ?) || 262. cf. Fest. 19, 17 (amites). || 263. cf. Digest. 31, 1, 79. || 264. Verg. A. 4, 131, etc. || 267. Hor. S. 1, 1, 47 *Wey.* || 269. Verg. G. 1, 265, etc. || 278. cf. 41. || 280. Verg. A. 5, 598, etc. || 283. cf. 286. || 285. Gaius, Inst. 1, 132 *Rudorff.* || 286. Παρ. *redimentum Cyriil.* || 287. cf. Plaut. Trin. 156, etc. || 289. Verg. A. 2, 57 (-um).

RI 5. cf. RE 163. || 6. cf. C. R. 31, 190. || 11 a. i. e. *ruga, Francogallice rue*. cf. Hermen.

ργάας <11 a. (Rua)> : ρύμη. <11 b. (rima)> : γυναικ<ε>ία (γυν-) φύσις. (Iuv. 3, 97 ?) 12. -matur : έρευνᾷ. (Fest. 344, 34) 13. -ngitur : πικραίνεται, όργίζεται. (Fest. 370, 2) 14. -pa : όχθη. 15. -parius : όχθοφύλαξ. (Off. ?) 16. -sous : κιδωτός μεγάλη. (Fest. ?) 17. -sus : γέλως. 18. -te : όρθως, έθ[ε]ίμως. (Fest. 337, 4) 19. -vales : άντερασταί. 20. -varia : ζήλη. 21. -xa : μάχη. (Fest. 370, 2) 22. -xatur : μάχεται. (Hor. E. 1, 18, 15 ?) 23. -ctum : mensura <m> oris. (Hor. S. 1, 10, 7)

RO

Robor : είδος ξύλου, μελανδρός. 2. -boreum : δρυϊνόν. 3. -bor : ρώμη, σθένος, στερέωμα, στέλεχος. (Cic. 2, 24 ?) <3 a. (rubor)> : έρυθρίσας. 4. -bustus : ρωμάλεος. 5. -bustum : ρωμάλιον (-εον). (=4) 6. -bor : έρνος. (=1 ?) <6 a.> στερέωμα. (=3) 7. -bigo : ως πάχνη γίνεται ήν τινες έρυσίβην καλούσιν. (Verg. G. 1, 151 ?) 8. -dit : τρώγει, περιτρώγει. 9. -dunt : lacerant, invident. (Hor. S. 1, 6, 46) 10. -gat : έρωτᾷ. (Fest. 356, 27) 11. -gus : πυρά νεκρού. (=13 ?) 12. -gatae sunt : έκυρώθησαν. (Cic. 1, 28) 13. -gae : παραστηλη (?) ήρώων. 14. -garii (ror-) : άκροβολισταί. (Fest. 323, 8) 15. -gatae : είσενεχθεΐσαι. 16. -gus : πυρ<ά>. (=13) 17. -rat : ψακάζει. (Fest. 323, 9) 18. -s : δρόσος, φλοιός (?). 19. -s marinum : ξηρόμυρον. 20. -sa Gr<a>eca : λυχνίς ή ροδοδάφνη. 21. -stra : έμβολαί, ρύχνη, χελύνια. 22. -strat : έπιζητεί. 23. -strum : ράμφος και ρύγχος. 24. -ta : τρόχος. 25. -tantia : έλισσόμενα, κοιλαινόμενα (κυ-

λινδ-?), κ<υ>λίόμενα. (Verg. A. 10, 362) 26. -tavit : έδίσκευσεν, έτράχισεν.

RU

Rubet : έρυθριᾷ. (Verg. G. 1, 431 ?) 2. -dis : άπειρος, άγέλαστος, άκναφος. (=19) 3. -bellio (robigo ?) : έρυσίβη και <3 a.> ιδός σιδήρου. 4. -brum : έρυθρόν, ξανθόν. 5. -bus : βάτος. (Verg. E. 3, 89 ?) 6. -ncilia (-ncina) : ρυκάνη. (=47) 7. -beus : έρυθρός. 8. -brica : μιλ μιλίς (μιλτος) 9. -ctum (?) : καπρος (?). 10. -cluaturn (?). όρίνεται. 11. -dit : όγκᾶται. 12. -ctat : έρεύγεται. (Fest. 316, 33) 13. -[e]us : έρυγή. 14. -cto : έρσειομαι (-εύγ-). (=12) 15. -de : αιναφοη (άγναφον). 16. -des (-dis) : άπαίδευτος, άμαθής. (Fest. 321, 8) 17. -des (-dis) : ράβδος έπιστάτου μονομάχου (-ων). (=18 ?) 18. -dis : ράβδος ή τών έπιστατών τών μονομάχων. (Char. 143, 1) 19. -dis : άπειρος, άτέλεστος, άγναφος (άκ-), άτεχνος, άγέλαστος. (Syn. ?) 20. -do : όγκῶμαι. (=11) 21. -dentes : κάλοι. (Fest. 322, 10) 22. -dimentum : ιδιωτισμός, πρωτοπειρία. 23. -dus : βῶλος, χῶμα και χαλκός άνέρ-γατος και γῆς σωρός. (Fest. 320, 24 ; Char. 32, 12) 24. -fus : πυρρός. 25. -fum : ξανθόν. 26. -ga : ρυτίς. 27. -gae : ρυτίδες. (=26) 28. -gosus : ρυσός, ρυσώδης. (Hor. E. 1, 18, 105 ?) 29. -ina : πτώσις μεγάλη. 30. -it : συνπίπτει και <30 a.> συνέπεσει (-εν). 31. έπιφέρεται. 32. -llus (?) : mendicus : άγύρτης. 33. -lla (?) : χωρική, άγροΐκος. 34. -ma : θήλη. (=43) 35. -mam : mammam, κενότης (?) θηλήν. 36. -mat : έμβρωματίζει. (Fest. 333, 8) 37. -minat : μαρυᾶται. (Fest. 333, 9). 38.

(Ruga : ρύμη).|| 15. cf. SA 77 (Saltuarius).|| 16. cf. Ter. Eun. 754.

RO 5. An Cic. 2, 20 ?|| 7. Rub. cod.|| 11. Vix Verg. A. 4, 676.|| 13. πυρά, στήλη ήρ. Goetz.|| 16. An πῦρ recte ?|| 24. Verg. G. 4, 484, etc.

RU 3. Rubio Gl. Nom.|| 9. An Fructum (cf. FR 31) ?|| 10. Ructatur ? cf. 12.|| 12. Ructat <ur> Hor. A. P. 457 Wey. (male ; cf. 14).|| 19. cf. 16.|| 21. Hor. Epod. 10, 5 Wey.|| 23. R. : γῆς σωρός. Char.|| 27. Hor. C. 4, 13, 12 Wey.|| 29. Cic. 1, 14 (-as) ?|| 32-3. Rullus : άγρότης, Mendicus άγύρτης, Rulla : χωρική, άγροΐκος. Goetz.|| 36-7. Una glossa (cf. Fest. 1. c.) ?|| 37. cf. 44.|| 38. cf. Plaut. Pseud. 815.

-mex : λάπαθον. (Fest. ?) 39. -mica : κόκκυξ. 40. -migerulus : θρυλήτης. (Bibl. ?) 41. -minum (recinium) : ιμάτιον κάτω έχον πορφύρα<v>. (Fest. 342, 20) 42. -mor : θρύλος, θροῦς. (Verg. A. 7, 144 ?) 43. -mis : θήλη ἀρχαία (-ως). (Fest. 332, 11) 44. -minat : μαρυκᾶται. (=37) 45. -mpit : ῥήσσει. 46. -minantes : μαρυκωμένους. 47. -ncina : ῥυκάνη. (Fest. ?) 48. -ncinat : ῥυκανίζει καὶ ῥογάζει. (Fest. ?) 49. Rombus : ψήσσα εἶδος ἰχθύος. (Sat. ?) 50. -pes : κρημνός, κρημνοὶ καὶ ῥαγάδες. 51. -piat (?) : ῥάπτει υπητιω (ἡπητρίω). 52. -piam (?) : ῥαφεύς. 53. [-ppo]rusco : κοιαγρος, κωφαγρος. (?) (=59) 54. -plus (?) : στρόφεύς γαλεάγρος καὶ ἀπόψηκτιον (-τρον). 55. -ptum : φθαρέν. 56. -r[a]e : κατ' ἀγρόν, <56 a. (-a)> : χωρία, χωράτα (?). 57. -rsus : ἀνάπαλιν. 58. -s : ἄρουρα, χωρίον, ἀγρός. 59. -seo (?) : κοιαγρος (?), κωφαγρος (?). 60. -seum : χαμεδάφνη (-μαι-), κυνόσθατον, εἶδος βοτάνης, γο-νουπλήξ. (Fest. 320, 17) 61. -spinat : χειροτριβεῖ. 62. -tilat (rusp- ?) : ἐραυνᾶ, (-ευν-), σκυθαλίζει. (?)

S

SA

Sabucus (samb- ?) : ἀκτῆ εἶδος βοτάνης. 2. -bulum : γῆ μιλίνη (μῆλ-), ἀμμώδης. 3. -burra : ἔρμα, θεμέλιος. (Verg. G. 4, 195 ?) 4. -cmina (sag-) : θάλλος, σπονδαῖ<α> ἀρχῆς (-αῖως). (Fest. 424, 34) 5. -ccat : ὕλίζει. 6. -cellus : βαλλάντιον. (Char.) 7. -cer : ἄγιος, ἱερός. 8. -cerdos : ἱερεὺς καὶ ἱέρεια. 9. -cra : ἱερά,

ἀπόρρητα, μυστήρια. 10. -crarium : ἡρώων, θυσιαστήριον. (Cic. 1, 24, etc.) 11. -crificium : θυσία, ἱεουργ[ε]ία. 12. -crilegus : ἱερόσυλος. 13. -cramentum : ὄρκωμόςιον. (=18 ?) 14. -crarium : ἱεροθήκη. (=10) 15. -crificat : ἱεουργεῖ. 16. -crosanctum : ἄγιον, ἱερόν, καθοσιωμένον (-ωσ-). 17. -crum : ἱερόν, θεῖον. 18. -cramentum : ὄρκος στρατιωτικός. (Fest. 466, 2) 19. -crim<a> : ἀπαρχὴ γλεύκος. (Fest. 423, 1) 20. -cer ignis : ἐρυσ<i> πέλας. (=IG 18) 21. -crum : τὸν σεπτόν. 22. -crarium : ναῖσ-κάριον. (=10 ?) 23. -crosanctas : ἀπερωμένας. (Cic. 2, 18) 24. -eculum : γενεά. 25. -epes : φραγμός. (Char.) 26. -epe : πολλακίς. 27. -ecula : αἰῶνας. (Cic. 2, 11) 28. -eta : ὄρμ[ε]ία. (=137) 29. χαίτη. (=137) 30. -ecus vinarius : ὕλιστήρ. 31. -ginat (-gmat) asinum : σάσσ<ε>ι ὄνον. (Char. ?) 32. -gis (strages) : σωρός, στρώμα τῶν νεκρῶν. (=ST 71) 33. -gax : ἐχέφρων, ἀγγλίνους, πανοῦργος καὶ προγνωστικός. (Fest. 426, 5) 34. -gacissimus : ἀγγλίνους, φρονιμώτατος. (Cic. 1, 19 ?) 35. -gina : παραπλήρωμα. 36. -gatio (?) : παλμός. 37. -ginatus : σεσαγμένος. (Prov. 15, 17 ?) 38. -gitta : βέλος. 39. -gittarius : τοξότης. 40. -les : ἄλες (Char. 33, 3) 41. -laces : καταφερεῖς. (=52) 42. -etosus : δασύθριξ. 43. -epsit : περιέφραξεν. (Verg. A. 1, 411, etc. ?) 44. -epius : πλειστάκις, πυκ<v> ὅτερον. (Cic. 1, 11) 45. -epta : φραγμοί. (Verg. G. 4, 159 ?) 46. -eptum : χαράκωμα. 47. -eria (sepia) : σηπία, πόρνη ἀκάθαρτος ἀπὸ τοῦ συνεχῶς ἀσελγαίνειν. (Fest. ?) 48. -evus : χαλεπός. 49. -eta : χαίτη. (=29) 50. -lacia : Ἀμφιτρίτη Νηρεΐς. (Fest. 437,

40. cf. Hier. Epist. 117, 10, etc. || 45. Hor. Epod. 12, 12 Wey. || 47-8. cf. Varr. L. L. 6, 77. || 49. Hor. S. 2, 2, 42 ? Iuv. 4, 39 ? || 52. Rupilum RA 26. || 61. Suspinat *Cyrrill.* (χειροουργῶ : opificio, suspino) . || 62. cf. Ruspat (Fest. 322, 11).

SA 1. Sab- et Samb- *Cyrrill.* cf. Hermes 33, 413 ; Lucil. 733. Ardum, miserinum atque infelix lignum sabucum vocat (-ant ?) . || 6. cf. Gram. Lat. IV, 579, 44. || 13. Hor. C. 2, 17, 10 Wey. || 21. τὸ [v] σεπτὸν *Goetz.* || 25. cf. Gram. Lat. IV, 578, 8. || 27. Hor. Epod. 16, 65 Wey. || 36. Saltio *Cyrrill.* : Salisatio 66 : an Salitatio ? || 43. Sep- cod. || 45-6. Sep- cod. || 47. An Sep. : ση. <47 a.> Scrupta : πόρνη κ. τ. λ. (Fest. 448, 4) ?

6) 51. -les : ἄλεις, ἄλατα. (=11 ?) καὶ <51 a.> ἄστ<ε>ιότης. 52. -lax : καταφερεῖς (-ής), καταγύναιος. 53. -linae : ἀλαί. (Char. 33, 23) 53. -lapitta : ῥάπισμα. (Ital. Johann. 18, 22 ?) 55. -labrae (-leb-) : ἐν ταῖς ὁδοῖς ἀνωμαλίας καὶ βόθυνοι. (Hor. E. 1, 17. 53 ?) 56. -la-men (?) : παράβροχον. 57. -liunca : ἀχριοροδον (ἀγρό-), λευκόροδον. (Verg. E., 5 17) 58. -Imacidus : ἄλμυρός. 59. -Imacidum : ἄλμυρό[υ]ν. (=58) 60. -[m]a-cia : Ἀμφιτρίτη. (=50) 61. -Imaci<d>a aqua : ἄλμυρόν ὕδωρ. (med. ?) 62. -lit : ἄλλεται. (=69) 63. -lix : λῆτα. (Verg. E. 3, 83, etc.) 64. -Iarium : ὀψώνιον, παροχή, συνήθ<ε>ια, ἀλατικόν. 65. -lior (-lius) : ἱερεὺς ὁ τὰ διοπετῇ ὅπλα θεραπεύων, ὑμνωδός, πρύτανις. (Fest. 438, 27) 66. -lis[s]atio : παλμός. (=36 ?) 67. -liva : σίελος. (« Char. » 553, 11) 68. -litor : ταριχεύτης. 69. -lit : ἄλλεται, πηδᾷ, ὕδωρ ρεῖ. (Verg. G. 1, 449 ?) 70. -litor : ταριχεύτης. (=68) 71. -Ialium (-Iarium) : στρατιωτικόν, φιλόπλοον (?). 72. -lius : ἱερεὺς ὁ τὰ διοπετῇ ὅπλα θεραπεύων. (=65) 73. -lix Gr<a>eca : ἄγνος δένδρον. 74. -Isamentum : τάριχος. 75. -ltat (-as) : ὀρχῆ <75 a. (-at)> : ὀρχεῖται. 76. -ltator : ὀρχιστής (-ηστ-). 77. -lt<u>arius : ὀρεοφύλαξ. (Off. ?) 78. -lubre : ὑγ<i>εῖνόν. (=83 ?) 79. -lus : ὑγ<i>εῖα, σωτηρία. (Cic. 1, 11) 80. -lutaris : ὑγ<i>ε<i>νός. (Fest. 436, 21 ?) 81. -Ive : χαῖρε. 82. -Ivia : <ε>λελίσφακος εἶδος βοτάνης. 83. -lubri : ὑγ<i>εῖνός. (Verg. G. 1, 272 ?) 84. -lte<m> : κἄν, γοῦν. 85. -lutem : χαίρειν. 86. -I<u>tat : ἀσπάζεται. 87. -lutigerulus : ἐπισκέπ-

της. (Off. ?) 88. -Ivus : σῶος, σωθεῖς. 89. -utatio : ἀσπασμός. (Bibl. ?) 90. -miator : ἀκονητής. (=CO 821) 91. -nat : σῶζει, θεραπεύει<i>. 92. -nare : σῶσαι. (Cic. 2, 11, etc.) 93. -ncianda : κυρωταία (-έα). (Fest. 426, 3 ?) 94. -ne : μέντοι γε. (=106) 95. -ncio : κυρῶ. (=97 ?) 96. -nari : σωθῆναι. (Cic. 3, 15) 97. -ncit : κυροῖ, θεσπίζει. (Cic. 4, 8, etc.) 98. -ncit legem : κυροῖ νόμον <δι> ὅρκου. (Off. ?) 99. -netissimus : ἱερώτατος, οσιώτατος (θει-) ὀσιώτατος. 100. -netum : ἄγνόν, κεκυρωμένον, ἄγιον. (Fest. 426, 7.) 101. -nctus : ὀσιος, ἄγιος.

Sane : <ε>λκώως, ὑγιῶς, ὁμολογημένως, μέντοι γε. (=106) 103. -ndapelo (-pilo) : νεκροθάπτης. 104. -ndapila : νεκροφόριον. 105. -ndonicum : θηριοκτόν<ος> (?) βοτάνη (-νη). 106. -ne : μέντοι γε, ὁμοίως, <ε>λκώως, ὑγιῶς, ὁμολογημένως. 107. -nies : λύθρος, [ε]λχῶρ. (Hor. C. 3, 11, 19 ?) 108. -nium (-niem) : χλυρων (?). (Verg. A. 3, 632 ?) 109. -nguis : αἷμα. 110. -ngu<i>suga : βδέλλα λιμναία. 111. -neta : ἱερά. 112. -nnator : μυκτηριστής. 113. -nna : sub-sannator, μῶκος. (Char. ?) 114. -no : σῶζω, θεραπεύω. 115. -nus : σῶ[ι]ος, ὑγιής. 116. -pa : ἐψήμα. (Fest. 33, 37) 117. -por : γεῦσις, νόστος. (Verg. G. 2, 246) 118. -epe : πολλακίς. (=26) 119. -pere : νοεῖν. 120. -pit : φρονεῖ. 121. -piens : σοφός, φρόνιμος. 122. -pientes : σοφοί, φρόνιμοι. (=121) 123. -pientia : σοφία, φρόνησις. 124. -p<p>inus : πῖτυς. 125. -ppinus : πεύκη. (=124) 126. -reina : φορτίον ὁδοιπορικόν. (Char. ?) 127. -reinae : σκευὴ ὁδοιπορικά, γόμοι.

53. ἀλικάι Char. || 54. alapam Vulg. cf. Cyrill. Παπίζω... alapo). || 56. παράδροχος (sine interp.) etiam Cyrill. || 65. cf. 72. || 66. cf. Isid. Etym. 8, 9, 29 (Salisatores vocati sunt quia, dum eis membrorum quaecumque partes salierint, aliquid sibi exinde prosperum seu triste significare praedicunt). || 71. φιλ. Vide ne male intellexerit voeem commodum. || 77. cf. RI 15 (Riparius). || 81. Verg. G. 2, 173, etc. || 89. cf. Luc. 1, 29, etc. || 99. Cic. 1, 9 (-o); Cic. 1, 29 (-is) ? || 105. De forma Sando- pro Santo- cf. Heraeus ad Mart. 9, 94, 1. || 113. An S. seu sannator ? an Subs. delend. ? Sanna etiam Cyrill. || (Μῶκος : haec sanna). cf. Iuv. 6, 305 ; Pers. 1, 62 ; 5, 91. || 126. cf. Cyrill. (Φορτίον... haec sarcina). Viz S. <in via> : φορ. ὅδ. (Ecclus. 21, 19) restituend.

128. -reinatrix : ἡπηγτρία. (Off. ?) 129. -reire : ἀναπληρῶσαι. (Fest. 428, 31) 130. -rit : βοτανίζει. (Fest. ?) 131. -reulat : σκαλίζει. 132. -reulum : σκαλῖς, σκαφίον. 133. -rdina : θρήσσα (θρίσσα). 134. -rmenta : κλήματα ἢ φρύγανα. (Fest. 429, 2) 135. -rraca : ἄμαξα. (Iuv. 5, 23) 136. -rtago : τήγανον. (Iuv. 10, 64 ?) 137. -rta tecta : υποραφθαί (ὑποραφαί). (Fest. 428, 30) 138. -ta : σπόριμα. (Verg. G. 2, 350 ?) 139. -tagit : ἄγωνιζ. 140. -tagimus : ἄγωνιζόμεν. (=139) 141. -tellitus (-tes) : δοροφόροι (-ρυ-). (=148) 142. -tio : ἀπορά (σπ-). (Verg. G. 2, 319 ?) 143. -tiones : σπόριμα. (=138 ?) 144. -tio populum tritico : χορτάζω τὸν δημό<ν> σι[ο]του, sativi. (Char. 295, 18) 145. -tisdator : ἱκανοδότης. (Legg. ?) 146. -tis abundeque : ἱκανῶς καὶ ἐκτενῶς. 147. -tis [datis] est : ἀρκεῖ, πολὺ ἐστίν. 148. -telles : δοροφόρος. 149. -turnalibus : Κρόνοις. (Cic. 3, 10) 150. -tor : σπορεύς. (Verg. A. 1, 254 ?) 151. -tius : ἄμεινον. (Verg. E. 2, 14 ?) 152. -tura : νόμος πολλὰ περτέχων. (Fest. 416, 15) 153. -turatione : satietas, χορτάσια τροφῆς. 154. -turo exereitum commeatu[s] : χορτάζω τὸ στράτευμα ἐπιτηδ<ε>ίων. (Char. 295, 18) 155. -turnus : Κρόνος. (Verg. G. 2, 538, etc. ?) 156. -tureia : θύμβρα. 157. -turitas : χορτάσια. (Char. 106, 21 ?) 158. -tum : σπαρέν. (Hor. C. 3, 10, 6 ?) 159. -ucius : τρα<υ>-ματία. 160. -vium : φίλημα (-λη-) ἑτερικόν (-ταιρ-). 161. -turabile : χορταστικόν. 162. -xatilis : φύκος εἶδος ἰχθύος, πετρεῖος. (Fest. ?) 163. -xatiles : πετρεοί (-αῖοι) φυκίδες. (=162 ?) 164. -xeum :

πέτρινον, λίθινον. 165. -xum : πέτρα. (Char.)

SC

Scavia (-bia) : ψώρα. (Fest. ?) 2. -bies : ψώρα. (=1) 3. -viosus (-bi-) : ψωρός, λεπρός. 4. -bellum : ὑποπόδιον. (Bibl. ?) 5. -aena : ἀριστερά χεῖρ. (Fest. 432, 36 ?) 6. -alae : κλίμακες. (Verg. A. 2, 442 ?) 7. -amnum : βάθρον. 8. -ama (?) : σήκωμα, κόπρου δεῖγμα (?). 9. -ansor : καταστρωτής. (Legg. ?) 10. -alpit : γλύφει. κνήθει. 11. -alpium (-lprum) : σμίλα. 12. -api : κανόνες γεωδίακοι καὶ καρτου (χάρ-) τόμοι. 13. -apus : τόμος βιβλίων, χάρτης. 14. -apulae : συνωμῖαι. 15. -alpellum : σμιλλόν. 16. -apula : ὠμοπλατῆ[ς]. 17. -a<l>pellat : κατασχίζει, κατακνίζει. 18. -arab<a>eus : κἀνθαρος. 19. -arifat : κατασχίζει, κατακνίζει, καταχαράσσει. 20. -arifo : χαράσσω, κατακνίζω. (=19) 21. -atebra : βράσμα ὕδατος ἀπὸ γῆς. 22. -atebris : πομφόλυξιν, βόθρο<ι>ς. (Verg. G. 1, 110) 23. -atebra : πίδαξ ὕδατος, παμφολιξ (πομφόλυξ). 24. -aturrit : πηδᾷ καὶ βράζει καὶ τραυλίζει. 25. -averet : frigaret (-car-) . (Hor. S. 1, 10, 71) 26. -ava (?) : ζυγός. 27. -avet (-bet) : κνήθει. (=25 ?) 28. -aver [i] (-ber) : ψωρός. (=3 ?) 29. -aurus : σκαμδός, σκελλός, στρεβλόπους. 30. -elus : ἀνομία, ἀσέδημα, μῦσος. (Cic. 1, 14, etc.) 31. -eleratus : ἀνόσιος, μυσσάρος. 32. -iam : εἰσομαι. (=44 ?) 33. -ienter : εἰδημόνως, ἐμπειρὸς καὶ ἐπισταμένος. 34. -iens : εἰδὼς καὶ ἐμπειρός. 35. -iens locorum : ἐμπειρὸς τῶν τό<π>ων. (Char. 292, 2)

128. cf. Digest. 15, 1, 27. || 130. cf. Plaut. Capt. 663. || 134. An Verg. G. 2, 409 ? || 137 cf. Cyrill. ('Υπορ<ρ>αφ ἡ : resarcinatio). || 144. cf. 154. || 149. Hor. S. 2, 3, 5 Wey. || 152. lex per saturam Cyrill. || 154. cf. 144. || 156. cf. CU 46 ; TH 4. || 157. Forsitan pertineat ad 153. || 159. Cic. 2, 24 (-o) ? Hor. C. 3, 10, 15 Wey. || 160. cf. LA 4-5 ? || 162. cf. Plaut. Rud. 299. || 165. cf. Gram. Lat. IV, 584, 41.

SC 1-2. Una glossa (cf. ψ. : scabia, scabies Cyrill.) ; cf. Lucil. 983 (cf. DE 387) ; an Verg. G. 3, 441 ? an Deuter. 28, 27 (cf. PR 468) ? || 4. cf. Psalm. 109, 1, etc. || 8. Vix Scamma. || 9. cf. Cod. Theod. 13, 4, 2. || 15. cf. Cic. Sest. 135 ? || 17. cf. 19. || 31. Cic. 1, 27 (-e) ?

36. -ilicet : δηλαδή. (Cic. 2, 19) 37. -illa (squ-) : σκίλλα. 38. -indit : σχίζει. 39. -io : οἶδα. (=44) 40. -intilla : σπινθήρ. (Verg. A. 1, 174 ?) 41. -ipio : σκιπών. (Fest. ?) 42. -iscitari : γ[ε]ινώσκειν. 43. -issum : ἐσχισμένον. 44. -it : οἶδεν, γινώσκει. 45. -itus : εἰδῶμων, χαρίης (-εις). 46. -iscit : πυνθάνεται. 47. -ius : εἰδώς. (=45 ?) 48. -lodia (?) : καμουλκίς (χαμουλκός). (Fest. ?) 49. -obis : πρίσμα. (Iuv. 14, 67) 50. -opae : σάρος, τοῦτο ἀεὶ πλ<η>θυντικῶς λίσεται (λεγ-). (Char. 33, 21) 51. -opa regia : σιδηρήτη βοτάνη. 52. -ordiscus : ἐρίππιον. 53. -orta : χαμετύπη (-μαι-), χαμετυπ<ε>ῖον (-μαι-). (Cic. 2, 54) 54. -ortatur : ἐταιρίζει. 55. -orteā (-es) : δερματοχ[ε]ῖτων. (Fest. 442, 18) 56. -ortum : ἐταίρα, πόρνη. ἐρωμένη, φιλουμένη. 57. -orteum : σκυτινόν, δερματινόν. (Fest. 442, 17) 58. -robis : βόθρος. 59. -riptor : γραφεύς. 60. -riba : γραμματεύς. (Fest. 446, 26) 61. -riblita : ἔγχυτου (-ον) πλακοῦς. (Sat. ?) 62. -ripulum : γράμμα, σταθμός. (Char. 105, 5 ?) 63. -rofa : γρόμφαινα. (Iuv. 12, 73 ?) 64. -rupulum : μέριμνα ι(ῃ) μέριμναν. 65. -rupulosus : μ[ε]λικρολόγος. 66. -rup[ul]osum : σηραγγῶδες. 67. -ruta : γρότη. (Hor. E. 1, 7, 65 ?) 68. -rutatio : ἔρευναι. 69. -rutatur : γρυτεύει, ἐρευνᾷ. 70. -rupulo : ψυχῆς κ[ε]ῖνησις. 71. -ulna : συνθηκοφύλαξ. (Fest. ?) 72. -ulpit : γλύφει λίθον. 73. -ulptor : λιθογλύφος. 74. -urra : εὐστομος, γελωτοποιός, εὐτράπελος. (=78) 75. -urrilitas : εὐτράπελα. (Ephes. 5, 4) 76. -urrae : vili. (Hor. S. 1, 5, 52) 77. -urratur : δρακίζει. 78. -urra : δρακιστής, σκώπτης, γελωτοποιός, ἡδυλόγος ἢ εὐτράπελος. (Fest. 378, 21) 79. -utica : σκυ-

τος. (Fest. 448, 30) 80. -utra : χαλκίον. (Fest.) 81. -utum : θυρεός, ἀσπίδα.

SE

Se : ἑαυτόν, ἑαυτούς. 2. -b[r]um : λίπος. 3. -cat : πρίζει, τέμνει. 4. -cernant : διαχωρησάτωσαν (-ρισ-). (Cic. 1, 32) 5. -cessit : ἀνεχώρησεν. 6. -cernit : χωρίζει, διαχωρίζει. (Hor. C. 3, 3, 47 ?) 7. -cessus : ὑποχώρησις, ἀναχώρησις<ις>. 8. Socordia : ῥάθυμία. (Fest. 374, 11) 9. Socors : ῥάθυμος. 10. -cretum : ἀπόκρυφον. <10 a. (secundum)> : ἀκόλουθον. <10 b.> λεληθός. (=10) 11. -creto : καθ (κατ') ἰδίαν. (=89) 12. -cretum : μυστήριον. 13. -cta : αἵρεσις φιλοσόφου, δόγμα. 14. -ctamini : διώκεται (-τε). <14 a. (secta)> : ἀγωγή. (=13) 15. -ctatur : παρατηρεῖται, ἐπακολουθεῖ, μιμνῆται. (Hor. S. 1, 2, 16 ?) 16. -ctio : τιῆμα. 17. -ctor : βίωνης. (Fest. 455, 5 ?) 18. (-cundus) : δεύτερος καὶ ἴσος καὶ οὐριος καὶ θυμήρης. 19. -cundus auctor : βεβαιώτης (Off. ?) 20. -ctum (?) : τὸν τρόπον. 21. -cuturos : ἀκολουθήσοντας. 22. -curis : πέλεκυς. 23. -curus : ἀμέριμος. (Fest. 378, 1) 24. -cundo : προ<σ>φύω, αἰσίω. 25. -cundus : δεύτερος, οὐριος δεξιός. (=18) 26. -cundarius : subdiga (-ca), ὑποκριτής. 27. -cundus ventus : οὐριος ἄνεμος. 28. -cus : ἐτέρως καὶ πλησίον. (Fest. 452, 22) 29. -d : ἀλλά. 30. -dat : καταστέλλει, πράννει. 31. -datur : καταστέλλεται. (=30) 32. -ditio (?) : καλάμη. 33. -d eo<c>um : ἐπιδε. 34. -det : καονται (κάθεται). 35. -des : ἔδραι, θᾶκοι καὶ ἐφέστια. 36. -davit : κατέστηλεν. (=30) 37. -dile : ὁ θρόνος, θᾶκος. (Char. ?) 38. -ditiosus : στασιαστής. 39. -ducit : εἰς

38. Verg. G. 4, 420, etc. || 48. cf. ST 68 (Stiludio : χαμούλκιον). || 50. cf. Char. 93, 5. || 61. cf. Mart. 3, 17, 1 ; Petron. 35, 4 ; 66, 3. cf. Heraeus (Spr. d. Petron. 4). || 71. cf. Varro. ap. Gell. 20, 11, 1 ; cf. SE 100 a. || 77. Hor. E. 1, 17, 19 (-or) ? || 78. Hor. S. 2, 7, 15 Wey. || 80. cf. Plaut. Pers. 88.

SE 7. Verg. A. 1, 159 (-u). || 14. cf. Caes. B. G. 6, 35, 8 ? || 16. Viz Fest. 455, 1. || 17. Gaius, Inst. 4, 146 Rudorff. || 22. Cic. 2, 13 (-es) ? || 32. Stipula Goetz (cf. Cyrill. K. : st.) : an Spica (cf. SP 23) ?

τὸ καθ (κατ') ἰδίαν ἀποσπᾶ καὶ ἐξάγει. 40. -duli (?) : ἐνκάθετοι (ἐγκ-). 41. -dule : σπουδαίως. (=42 ?) 42. -dulo : ἀδόλως, ἀκίβδηλως, σπουδαίως, καρτερικῶς, προσεδρικῶς. (Syn. ?) 43. -dulitas : προσεδρία, σπουδή. 44. -dulus : efficiolus, μόνιμος καὶ σπουδαῖος. (Hor. S. 1, 5, 71) 45. -d[ul]o : καταστέλλω, καταπραῖνω. (=30) 46. -duco : πλανῶ, ὑπονοθεύω, ἐξαπατῶ. 57. -dulitas : ἐπιείκ<ε>ια, σπουδή. (=43 ?) 48. -duus (-dum) : ἀειζῶς βοτάνη. (Fest. 462, 13) 49. -ges : ἄρουρα καὶ λήϊον καὶ θέρος. (Fest. 460, 22) 50. -gestrum : στῆγαστρον, τεραδερμον (δέβρεις ?). (Fest. 61, 19) 51. -getibus : κάρποις, γεννήμασιν, ἀρούραις. 52. -gnis : βραδύς, κυρίως δὲ ὁ ἀδρανῆς καὶ ἀργός. 53. -gnius : βραδύτερον. (Hor. A. P. 180 ?) 54. -gregat : διαχωρίζει, διαστέλλει. (Fest. 21, 21) 55. -iunctum : διεzeugμένον, ἀπεζευγμένον. 56. -lla : δίφρος, κάθισμα. 57. -libra : ἡμίλιτρον. 58. -dum : ἀειζῶν (=48) 59. -maturum : ἡμικένον, ἀπηρμένον. 60. -men : σπορά, σπέρμα. (Cic. 1, 30) 61. -missem : ἡμισ<ε>ίας καὶ τὸ [v] <ῆ> μισ τοῦ νομίσματος. (Fest. 89, 13 ?) 62. -mens-tre : ἡμιμῆνιον. (=63 ?) 63. -menstris : ἐξαμηνιαῖος καὶ ἡμιμηνιαῖος. 64. -mentis : σπόρου. καὶ σπόρος. (=60 ?) 65. -met : αὐτὸς ἑαυτόν. 66. -minarium : φυτοόργιον, φυτούριον. 67. -minecem : ἡμινῆτα καὶ ἡμινῆτα (ἡμι-). (Verg. A. 5, 275) 68. -mis : ἡμισυ, ἡμισασάριον. (Fest. 374, 19) 69. -mita : ἀτραπός, ἡμιόδιον. 70. -minarium : σπερ<μ>όδολημα. 71. -mper : ἀεί, πάντοτε. 72. -mpiternus : αἰώνιος. 73. -mpiternum : αἰώνιον. 74. -misse : ἡμισ<ε>ίας. (=61) 75. -mivum : ἡμινῆτα 76. -m<at>um : ἡμικένον. (=59) 77. -muncia : κανθῆλιον. 78. γράμματα δώδεκα. (Fest. 374, 19)

79. -mustum : ἡμίφλεστον (-εκτ-). (Verg. A. 3, 578) 80. -natus : σύ[ν]γκλητος. (Cic. 1, 2, etc.) 81. -necta : γῆρας. (=84 ?) 82. -nsim : σχολῇ, ἡρέμα. 83. -nsus : αἰσθησις, νοῦς. (Cic. 1, 17 ?) 84. -nium : γῆρας. (Fest. 454, 30) 85. -ntentia : ἀπόφασις, γνώμη, ἐπιφώνημα, λόγος. 86. -ntes : ἀκινθαι. (Fest. 455, 22) 87. -nec-tus : γῆρας. (=84 ?) 88. -ntina : ἀντλία πλοίου. (Fest. 454, 9) 89. -orsum : secrete, καθ (κατ') ἰδίαν. 90. Sinistra : ἀριστερά. (Verg. E. 1, 18 ?) Sepasum (-parat ?) : διακρίνει, χωρίζει. 92. -paratim : χωρὶς καὶ κεχωρισμένως. 93. -plassarius (-plasia- ?) : παντοπώλης. (Fest. ?) 94. -ptentrio : ἄρκτος ἢ κατ' οὐρανόν. (Verg. G. 3, 381 ?) 95. -ptentriales : αἱ ἄρκτωι καὶ <95 a. (-is)> : ἄρκτωος. 96. -ctae : ἐνδιλοσῶφ θῆει (εἶδη φιλοσόφων). 97. -ponere : διαθεῖναι. 98. -pulchri violator : τυμβωρύχος. (Legg. ?) 99. -paratum (-im) : χωρὶς καὶ κεχωρισμένον (-ως). (=92) 100. -pelit : θαρτεῖ (θάπ-) 101. -squallia : ἡμιολία. 102. -ptentrio : ἄρκτος, ἀπαρκίας. (=95 ?) 103. -r[i]a : μοχλὸς θύρας. (Char. ?) 104. -ries : τάξις, εἰρμός, συνάφ<ε>ια, ἄλλους χρόνον· καὶ <104 a.> ὄρμαθός. («Char.» 553, 12) 105. -squilibra : λίτρα καὶ ἡμισυ. 106. -<s>quas : ἐν ἡμισυ ἀσσάριον, χαλκοῖ ἔξ. 107. -quitas : παρεδρία, σπουδή, ἐπιείκεια. 108. -quius : χεῖρον. 109. -quens : ἀκόλουθον, ἰκνούμενον. 110. -quester : μεσίτης, ἔντριτος. (Fest. 456, 18) <110 a. (sculna)> : συνθηκοφύλαξ. (=SC 71) 111. -quentes (-tia) : τὰ ἐξῆς. 112. -quitur : ἀκολουθεῖ. 113. -renum : αἰθρία, εὐδία. 114. -renissimus : εὐδιότατος, γαληνότατος. 115. -rit : σπ<ε>ρει. 116. -rpens : ἔρπετον. 117. -rmocinator (-tur) : ὀμλεῖ. 118. -riam (-em) : ἀκολουτοῦν (-θίαν). 119. -ria : neces-

40. Secreti ? || 56. cf. CO 808 ; CU 82. || 59. cf. 76. || 68. cf. 78 ; Hor. A. P. 330 Wey. || 69. Verg. A. 1, 418, etc. || 77. cf. Cato, R. R. 10. || 78. cf. 68. || 82. cf. Moret 5 ? || 87. cf. Caecil. ap. Fest. 454, 30. || 93. cf. Fest. 418, 26 ; 458, 22. Sepasarius Cyril. || 103. cf. Gram. Lat. IV, 577, 73 ; 119 b. || 104 a. cf. ST 37. || 107. cf. 43 et 47 (sedulitas). || 112. Verg. E. 2, 63, etc. || 119-119 c. cf. C. R. 31, 193.

saria, σπουδαῖα, ἀναγκαῖα. (Hor. S. 1, 1, 27) <119 a. (serra)> : πρίων. (Char.) καὶ <119 b. (serra)> : μοχλὸς θύρας (=103) καὶ <119 c. (serra)> : ῥηματικῶς πρῖσον. 120. -rpullum : ἔρπυλλον, εἶδος βοτάνης, ἀγριόπρασον. (Verg. E. 2, 11 ?) 121. -rius : βράδιον. (Cic. 1, 5) 122. -rpullon : ἔρπυλλος. (=120) 123. -rta : στέφανος. (=124) 124. -rta[t] : στέφανοι, στέμματα. 125. -rtis : στέμμασιν. (Cic. 2, 10) 126. -rticulum : δρέπανον χορτοκοπικόν. 127. -rvans : φυλάσσω καὶ φύλαξ. 128. -rvans <a>equi : φύλαξ τοῦ δικαίου. (Char. 292, 1) 129. -rvit : δουλεύει. 130. -rvitus : δουλεία, λατρ<ε>ία. 131. -rum : ὄρος τοῦ ταλακτος (γάλ-) τῶν <βοῶν>. (Char. 31, 7) 132. -rvus : δοῦλος, λάτρις. 133. -squaltera : ἡμιονία (-ολία). (=101) 134. -squilibra : λίτρα καὶ ἡμισυ. (=104) 135. -squitertium : ἐπίτριτον. 136. -sterium : δρακμή (δραχ-) (!), δηνάριον (!). (Fest. 452, 36 ?) 137. -ta : ὄρμια, χαλτή. 138. -verum : αὐστηρόν. (=139) 139. -verus : μισοπόνηρος, αὐστηρός. 140. -veritas : στεργρότης, αὐστηρότης, ἐπιστρέφ<ε>ία. (Cic. 2, 3) 141. -vocatorem : χωριστήν, ἀπατεῶνα. 142. -xtarius : ξέστης μέτρον. 143. -xit (?) : ὁμοιοῖ. (?) 144. -xus : φύσις, γονή, ὁμοιώσις, γένος. 145. -xus naturae : εἶδος φύσεως. (Fest. 453, 1) 146. -tosus : δασίος (λασ-). (Verg. E. 7, 29 ?)

SI

Si : εἰ καὶ νῦν καὶ ἐάν. 2. -bi : ἐαυτῷ καὶ αὐτοῖς καὶ θηλυκῶς. (Char. ?) 3. -bilat : συρίζει. 4. -c : οὕτως. 5. -cca : ξηρά. (=14) 6. -bi placens : αὐθαδής, αὐτά-

ρεστος. 7. -at : οὐρεῖ, ἐπὶ βρέφους. 8. -ca : μάχαιρα. (=9) 9. Θρακικὸν ξίφος ἐπικαμπές. (Cic. 2, 1, etc.) 10. -carius : σφάκτης, ἀνδροφόνος, σφαγεύς, ληστής. (Cic. 2, 7) 11. -cila (-is ?) : σμίλα, ἄρβηλ[ι]ον. (Fest. 453, 20) 12. -cilum (-is ?) : ξυρὸν σκυτῶς. (=11 ?) 13. -ccitas : αὐχαιος (-χμός), ξηρασία, ξηρότης. (Bibl. ?) 14. -ecum : ξηρόν. 15. -ca : ἐγχερίδιον. (=9 ?) 16. -cila (-is) : σμίλα, χαρτοτόμος. (=11 ?) 17. -dera : ἄστρον. (=20) 18. -deribus : ἄστροις (=20) 19. -derosus : ἄστροπλήξ, ἐπιληπτικός. 20. -dus : ἄστρον. 21. -gillari<a> : νουρόσπαστοι (νευρ-). 22. -gillum : ἀνδριαντάριον, ζώδιον καὶ σφραγίς, σύνθημα, ἐκτύπωμα. 23. -gna : ζώδια, καὶ συμ<ε>ία (ση-) καὶ σφραγῖδus (-ες). (Fest. 456, 14) καὶ <23 a.> ῥηματικῶς σφράγισον. 24. -gnaculum : σφραγιστήριον. (Bibl.) 25. -gnifer : ζωδιακός <25 a.> σημ<ε>-ιοφόρος. 26. -gnificantia : ἔμφασις, ἔννοια. 27. -gnificatio : σημασία, ἔμφασις. (=26 ?) 28. -gnaculum : σφραγιστήρ. (=24) 29. -gnis : σημ<ε>ίοις, σφραγῖσι. (Cic. 3, 6) 30. -I[v]anus : κρουός. (Fest. 482, 3) 31. -Ivanus : Πάν, Σ<ε>ιληνός. (Verg. E. 10, 24 ?) 32. -Iatarus (stlatarus) : πλάνος. (Iuv. 7, 134 ?) 33. -Ientium : σιγή, ἡσυχία. (Cic. 1, 20) 34. -Iex : μολίτης λίθος. 35. -Iicida : σκληρουργός. 36. -Iicernium : περιδήπνον (-δειπ-) λύχνους γὰρ ἄπτειν ἐν πένθει οὐ θέμις. (Fest. 376, 25) 37. -Iiqua : κεράτιον καὶ κυάμου καὶ φασιλου (-σῆλ-) λοβοὶ καὶ ξυλόγλυκον, λοβὸς τῶν χεδρόπων. 38. -Iu (-Ius) : συμός. (Fest. 460, 4) 39. -Iigo : σμιδαλῖς. 40. -Ipe (-Ipe) : σίλφον. 41. -Ivanus : Πάν, θεὸς ὕλεος (-αῖος). (=31) 42. -Ivester : ὕλικός. 43. -Ivestre :

119 a. cf. Gram. Lat. IV, 577, 74. || 128. Verg. A. 2, 427 Goetz (*vix recte*). || 131. *Ex Charisio fluxisse hanc glossam docet Cyrill.* ('Op. γάλακ. : seru, indeclinabile est). || 137. Saeta cod. cf. Mart. 1, 55, 9, etc. || 143. *An Sexus : ὅμοιοι (marginalis correctio vocis ὁμοίωσις in sequente glossa) ?* || 145. S. nature Pauli codd. P. M. L. ; natura cett.

SI 3. Verg. A. 7, 447, etc. || 7. cf. 101. || 11. "Ἀρβήλων : sicilis *Cyrill.* || 12. cf. 94. || 13. cf. Iudic. 6, 37 et 40 (ξηρασία LXX). || 24. cf. Ecclus. 17, 18, etc. ; σφραγίς LXX. || 25. cf. Cic. Div. 2, 89 ? || 25 a. Cic. Dom. 13 ? || 26-7. *Una glossa ?*

ὕλῳδεα. (Cic. 2, 24 ?) 44. -lus : σιμός. (=38) 45. -mia : πίθηκος. 46. -milia : ὁμοία. (=48) 47. -milium : ὁμοίων. (=48) 48. -milis : ὁμοιος. 49. -militer : ὁμοίως. 50. -militudo : παρὰβολή, ὁμοίωσις. 51. -mplex : ἀπλοῦς, ἀφეთής (-λής). (Verg. G. 2, 73 ?) 52. -mplicitas : ἀπλότης. (Prov. 11, 3 ?) 53. -mpulum : κύαθος. (Fest. 455, 14) 54. -mul : ὁμοῦ καὶ ἄμα. 55. ὁμόσε. 56. -mulacrum : ἀπ<ε>ικόνισμα, <ε>ἰδωλον, ξόανον. (Cic. 3, 19 ?) 57. -mulat : προσποιεῖται, σκῆπτεται. (Verg. A. 1, 209 ?) 58. -mulatus : ὑποκριτικός. (Verg. A. 4, 512 ?) 59. -n minis (-nus) : εἰ δὲ μή. (Cic. 1, 10 ?) 60. -multates : ἀπεχθείας, ἐκθρας (ἐχ-), ἀντιπολιτ<ε>ίαι (-ας ?). 61. -micipium : ἡμικεφάλιον. (=69 ?) 62. -mulatio : σκῆψις. 63. -nera (-nape) : σίνηπι. (Char. 32, 13) 64. -necrus : ἀπλοῦς. 65. -necris (-us) : ἀκαιρεος (-κέραι-), <ε>ἱλικρινής. 66. -necr[e] : ἀδλαβές, integrum. 67. -necrius : γνησίως, ἀκαιρεως (-κεραί-), σπουδαίως. (=68) 68. -necritas : <ε>ἱλικρινότης, δικαιοκρισία. 69. -nciput : ἡμικεφάλιον. (Iuv. 13, 85 ?) 70. -ne : ἄνθυ (-νευ), χωρίς. 71. -ne liberis : ἄτεκνος. (Off. ?) 72. -nes : passus fueris, ἀπασχεθείση (ἀνασχεθῇσει). (Verg. A. 5, 391) 73. -ne adfectione : ἀπαθής, ἄστοργος. (Bibl.) 74. -ne intermissione : ἀδιαλ<ε>ἱπτως, χωρὶς ὑποθέσεως. (Rom. 1, 9) 75. -nere : ἐάσαι. 76. -ne studio : ἀφιλό<π>ονος. 77. -ne ulla varietate : ἄνευ [π>ονος] ποικιλίας τινος ἢ ἀμφισδνητέσεως. (Cic. 3, 13) 78. -ncere : γνησίως, ἀκαιρεως (-κεραί-), σπουδ<αί>ως. 79. -ngulare : επικόν (ἐν-). 80. -ngularis : μονομάχος, ἀπρόκοπος. 81. -nguli : ἕκαστοι, καθ' ἓνα. 82. -ngulatim : καθ' ἕκαστον. 83. -ngillatim : καθ' ἕκαστον.

(=82) 84. -ngulatur (-ariter) : επικώσ (ἐν-). 85. -ngulis : καθ' ἓν. 86. -ngulator : ἱππαστής, κέλης. 87. -ngultantem : λύζοντα, συρρήσσοντα[ς]. (Verg. A. 9, 333) 88. -ngult[i]o : λύζω. (=90) 89. -ngultat : λύζει. (=90) 90. -ngulto : λύζω. 91. -nister : εὐάνομος, ἐπαρίστερος, ἐνάντιος. 92. -nt : εἴησαν, ἔστωσαν. (Cic. 2, 19 ?) 93. -nus : κοαπος (κόλ-). 94. -pillus (?) : ξύρον, novaculum. 95. -quidem : εἰ μέντοι γε, εἰ μὲν, εἴπερ, ἐάν μὲν οὖν. 96. -ra : σαύρα τὸ αἰδοῖον. 97. -sarra : πρόδατον μεῖζον ἐνιαυτοῦ. (Fest. ?) 98. -ser : εἶδος σταφυλίνου. 99. -s : εἰλης. <99 a.> εἰ θέλεις. (Fest. 383, 9) 100. -stit : ἵστησιν. 101. -ssiat : κάθηται, ἐπὶ βρέφους. 102. -ticula (-losa ?) : διψά<ς>. 103. -tula : κάδος. (Fest. ?) 104. -tus : τοποθεσία καὶ <104 a.> κείμενος καὶ <104 b.> θέσις. (=104 ?) 105. -tum : κείμενον. (=104 a.) 106. -ticulosus : διψάλεος. 107. -tit : διψᾷ.

SO

Sobriis : νηφαλίο<ι>ς. (Cic. 2, 10) 2. -blices (sub-) : καταπιγες (-πῆγ-) οἱ ἐν τῷ ποταμῷ. (=SU 48) 3. -brinus : ἀνεψιδοῦς. (Fest. 379, 6) 4. -brius : νήφων. 5. -cer : πενθερός. (=11) 6. -cius : κοινωνὸς ἐμπορία<ς>. 7. -ciatus : coniunctus, copulatus, κοινῶν. (Verg. A. 9, 594) 8. -cci : ἐπικρατίδες. 9. -cors : ἀκάρδιος, ἄφρων. 10. -cordia (sucerda) : ἀφρόδευμα ὄος. (=SU 109) 11. -crus (?) : πενθερός, θεϊότης (?). 12. -dalicum : ἐταιρία, ἐταιρικόν. 13. -cors : ἄνους, ἀκάρδιος. (=9) 14. -ladium : παραμυθία, παριγορία (-ηγ-). 15. -lea : βού<γ>λωσσον. (Fest. 387, 5) 16. σανδάλιον. (Fest. 387, 5) 17. -leo : εἴωθα. 18. -l :

45-6. cf. CL 42 et 45. || 54-5. *Una glossa* ? || 59. Si minus *Cic. codd.* || 64-5. *Una glossa* ? || 71. cf. Digest. 50, 16, 148. || 73. cf. Rom. 1, 31 (ἀστοργους LXX) ; 2. Tim. 3, 3 (-οι). 78. cf. 67. || 82-3. *Una glossa.* || 84. cf. 79. || 92. cf. 99. || 94. *An Sicilis* (cf. 12) ? || 96. *An Saura* ? || 98. cf. Moret. 74 ? || 99. cf. 92. || 101. cf. 7. || 102. cf. 106. || 103. cf. Plaut. Cas. 359.

SO 11. *Socer edd.* (sed cf. Plaut. Men. 957). cf. Arch. Lat. Lex. 12, 592. || 15-6. *Una glossa* (cf. Fest. 1, c.).

ἥλιος. (Char. 34, 16) 19. -let : εἴωθεν. (=17) 20. -lidum : ὀλόκληρον, σφυρήλατον. (Verg. G. 2, 79 ?) 21. -lidat : ἔδαφλει. 22. -lidum : νόμισμα. (Legg.) 23. -livago : μονήρης (-ει ?) (Fest. ?) 24. -l<I>emne : ἔθιμον. (Fest. 384, 36) 25. -lium : βασιλικὸς θρόνος. (« Char. » 554, 4) 26. -liu<m> : ἐμβάτη. (Fest. 386, 1) 27. -llemniter : ἐθιμικός (-μω), συνήθως. 28. -l<I>ers : συνετός, πρόσχος. (Fest. 384, 35) 29. -llertia : σπουδή, ἐντρέχεια. 30. -llicitaret : ὑπονοθεύσειν. 31. -llicito : ὑπονοθεύω, ἀναπείθω, προπηλακίζω, πλαγιάζω. (Syn. ?) 32. -llicitudine<s> : φροντίδες, μέριμναι. (Hor. C. 1, 18, 4 ?) 33. -llicitat : ἀναπ<ε>θι, ἐξαπατᾷ, ἀνασ<ε>λει. (Syn. ?) 34. -llicitudo (-ines ?) : ἀγωνία, μέριμνα. (=32) 35. -llicitavit : ὑπέπ<ε>ισεν, ἔπ<ε>ισεν. 36. -llicitum : conturbatum. (Hor. C. 1, 14, 17, etc.) 37. -lipaga (-puga) : ἡλιοκεντρὶς μῦθός βιδός (εἰδ-). (Fest. 388, 22) 38. -litaurlia : θυσία ἐκ τος (σὺδς) <καί> κριοῦ <καί> ταύρου [καί]. (Fest. 372, 22) 39. -lum vertit : ἀνάστατος γίνεσθαι, καταλ<ε>ίπει τὴν πατρίδα. 40. -lvit : λύει. 41. -lus : μόνος, 42. -lstitium : τροπὴ θερμῇ. (Verg. E. 7, 47 ?) 43. -lox : ἔριον (ἔριον) [καί] παχύς. (Fest. 386, 27) 44. -lutus : λελυμένος, ἀφ<ε>ιμένος. 45. -l<I>ers : ἀγχίνους, συνετός. (=28) 46. -mniculosus : ὑπνωτικός. 57. -mnium : ἐνύπνιον, ὄναρ. 48. -mnosus : ὑπνωτικός. (=46 ?) 49. -mnus : ὕπνος. 50. -nat : ἡγεῖ. 51. -nitus : ἡχος. (=58 ?) 52. -[m]nium (?) : φροντὶς ἡδωτικῶς (ιδ-). 53. φθίσις (?) 54. -ntes : λιτικοί (αἰτ-), υπειθύνει (-εὐθ-), βλαβεροί. (Fest. 372, 5) 55. -nti<c>us : ἀληθής. 56. -narat (-et) : ἡγεῖ. (Verg. E. 6, 44) 57. -nticus morbus :

ἱερὰ νόσος. (Fest. 99, 15) 58. -nus : ἡχος, προσφθία. 69. -por : κάρως. 60. -poratus : κεκαρωμένος. 61. -poro te vino : καρῶ σε οἶνου. (Char. ?) 62. -rbet : ῥοφᾷ. 63. ῥοφεῖ. (=62) 64. -rdidum : ῥυπαρόν. 65. -rba : οὐα. 66. -rex : μῦς Ποντικὸς ἡ λρουραῖος (ἀρ-). 67. -ror : ἀδελφῇ. 68. -rdes : ῥυποί (-ος ?). (« Char. » 549, 30) 69. -rtita sunt : τετύχηκεν. 70. -rs : κληῖρος. (Fest. 380, 36) 71. -spes : σῶ[ι]ς. 72. -rtes : χρησμοί, κληῖροι ναὶ (καί) κεφαλὰ δαν<ε>ισμάτων. (Fest. 380, 36.)

SP

Spado : εὐνοῦχος. (Iuv. 14, 91 ?) 2. -argere : ῥαίνειν. (Cic. 2, 23) 3. -argit : ῥαίνει [σκοραϊνομενος] (=2) 4. -arsio : κρόκος ὁ ῥαϊνόμενος <ἐν θεάτρους>. 5. -artum : λευκαία (-έα) [ἐν θεατροῖς]. 6. -arus : εἶδος ἀκαντίου (-κον-). (Fest. 443, 16) 7. -atium : διάστημα (-ημα), προθεσμία. 8. -ecimen : δεῖγμα. 9. -ectata : δοκιμαζόμενα. (Verg. G. 1, 197 ?) 10. -eciosus : πιθανός, εὐειδής. 11. -eculum : ἔσοπτρον. (Bibl. ?) 12. -ectacula : θεωρία. (Char. 34, 6) 13. -eculator : εφοντης (ἐπόπ-) κατάσκοπος. (Fest. 69, 23) <13 a.> δῆμιος. 14. -ecillum : μῆλη. 15. -eculatio : κατόπτεισις. 16. -eculatus (-tor) : κατάσκοπος. (=13) καὶ <16 a.> ὁ ἀποκεφαλίζων (=13 a ?) 17. -ecus : σπέος, σπελαιον (σπή-). (Fest. 462, 16) 18. -elunca : σπελαιον (σπή-). 19. -eratus : ἀγαπητός, εὐελπής (-ις) 20. -erat : ἐλπίζει. 21. -ernit : ὑπεροφᾷ, εἰςουθενεῖ (ἐξ-). 22. -erno : εἰςουθενῶ (ἐξ-), καταφρονεῖ (-ῶ). (=21 ?) 23. -ica : καλᾶμη, σταχύς. (« Char. » 553, 11) 24. -icula : σαυρωτῆρες.

33. Verg. G. 3, 131, etc. || 37. -pugna Paul. Fest. cf. Plin. N. H. 29, 92 (formicarum genus venenatum... solipugas Cicero appellat, solpugas Baetica). || 44. Cic. 2, 27 (-tior) ? || 50. Verg. G. 2, 163, etc. || 56. Sonorat : ἡγεῖ Goetz ; Sonabat : ἡγεῖ Buecheler. || 60. Verg. A. 5, 855 (-um). || 61. cf. Dosith. 425, 22. || 62-3. Verg. A. 3, 422. || 65. Verg. G. 3, 380 (-is). || 68. ῥύπος « Char. »

SP 3. An-sus (vel sparsus) : ῥαϊνόμενος ? || 11. cf. Sap. 7, 46, etc. || 18. Verg. A. 3, 424, etc. || 23. Spica : σταχύς « Char. »

25. -iculum : ἀκόντιον, ἀκίς, ἐπιδορατίς.
 26. -ilabra (spina alba) : βούτομον ῥάμνος. (=27) 27. -ina alba : βούτομον, ῥάμνος. 28. -ina : ἀκανθα καὶ <28 a.> ἱερὸν ὁστοῦν ι (ῥ) ῥάχις. 29. -ira : ἐπιραμα (σπεῖρ-), πλεκτάνη. (Fest. 444, 23) 30. -irantibus : καταπνεομένοις. (Verg. G. 1, 327) 31. -irat : πνεῖ. 32. -iritus : ἀναπνοή. 33. -issiscit : πυκνοῦται. 34. -isset : πυκνώση. 35. -issum : παχὺ καὶ πυκνόν. 36. -lendere : λάμπειν. 37. -lendit (-et) : λάμπει, στίλβει. 38. -lendidus : λαμπρός. 39. -lendor : λαμπρότης. 40. -olia : λάφυρα, σκυῖλα. 41. -liatus : λαφυραγωγῆσις. (Cic. 2, 14) 42. -onda : ἐνῆλατον (« Char. » 553, 27) 43. -ondeo : ἐγγυῶμαι, ἐπαγγέλλομαι, ὁμολογῶ. (Fest. 440, 1 ; 462, 22) 44. -ondet : ὁμολογεῖ. (=43 ?) 45. -ongia : σπόγγος. (Char. 109, 9) 46. -onsores : ἐπαγγελλόμενοι. (Off. ?) 47. -onsoribus : μνηστῆραι. (Off. ?) 48. -onte : προαιρέσει, ἐκουσίως. (Cic. 1, 13) 49. -onsor : ὁμολογήτης. (Off. ?) 50. -onsalia : ἔδνα. 51. συνθῆκαι καὶ ἐπαγγελίαι. 52. -onte : ἐκουσίως. (=48) 53. -onsio : συνθήκη. 54. -orta : σπυρίς. 55. -ortellarius : κοπριαρετος (?). 56. -opondit : ὑπέσχετο, ἀντεφώνησε <v>, ἐνεγ<γ>υήσατο, συνέθετο. (Syn. ?) 57. -eratus (?) : ὑπεροραθεῖς, ἐξουθενηθεῖς, καταφρονηθεῖς, ὑπερηφαν<σ>θεῖς. (Syn. ?) 58. -uma : ἀφρός. 59. -uma argentea : λιθάργυρος. 60. -ureus : ἀκάθαρτος, ἄχρειος. (Fest. ?) 61. -utum : πτύσμα.

SQ

Squalidus : αὐ<χ>μῆρος. (Fest. 440, 34)
 2. -alor : ῥύπος, αὐχμός, ξηρότης. 3. -ama : ῥύπους τὸ ἀπόπλυμα, νίτρωμα

κεφαλῆς. (Fest. 440, 36) 4. -atus : ῥίνα, εἶδος ἰχθύος. 5. -illae : καρίδες θαλάσσι-α<i>. (Hor. S. 2, 8, 42 ?) 6. -illa : καρίς. (=5)

ST

Sta : στῆθ[ε]. 2. -abat : ἔστηκεν. 3. -abilis : βέβαιος. 4. -abulum : ἱπποστάσιον, ὄνοστάσιον, πανδοχεῖον. (Luc. 10, 34 ?) 5. -agnat : γανοῖ κα<i> μιμνάζει (λιμ-). (=6) 6. -agno : περιπεταλῶ, γανῶ, λιμνάζω. 7. -agnum : κασσίτερον. (« Char. » 554, 3) <7 a.> λιμν (λίμνη), ὕδροστάσιον. (Fest. 416, 9) 8. -agnea : κασσιτέρνα. 9. -agnat : γανοῖ, στομοῖ. 10. -amen : στήμων. (« Char. » 554, 4) 11. -aminarius : νήστης, ὁ τὸν στήμονα <v>νῆθων>. 12. -atera : ζυγός. (Prov. 11, 1 ?) 13. -atim : εὐθέως, παραχρῆμα. (Cic. 3, 6 ?) 14. -atio : σταθμός, συνεδρία καὶ παρεδρία, ὁρμός. 15. στητορ<i>α. 16. -atori : ὀρθωσίω. (Cic. 1, 11) 17. -atua : ἀνδριάς, στήλη. 18. -atu<a>rium (-us) : ὀρθοστάτης. 19. -atuit : ἔστησεν, ὥρισεν προσ<έθετο>. 20. -atutus dies : ὥρις[εθετο]-μένη ἡμέρα, προθεσμία. (Fest. 414, 37) 21. -atus : κατάστασις. (=24 ? 22. -atu liber : ἐλεύθερος χρόνος κατὰ διαθήκην ἀφθεῖς. (Fest. 414, 32) 23. -atu<t>um : ὥρισμένον. 24. -atum : κατάστασιν, τύχην (-ην). (Cic. 1, 3) 25. -atu[m] liberum (-a) : ἐπικεκαμένη (-κεκτημ-) τὴν ἐλευθερίαν<v>. (Off. ?) 26. -atutis : ὥρισμένων. 27. -atutum : certum, τακτόν. 28. -atura : ἀνάστημα, μέγεθος σώματος, μῆκος ἡλικίας. 29. -atu<t>a : <έ>σταμένα. 30. -ella : ἀστηρ. (Fest. 476, 26) 31. -ellucidium (sti-) : ὕδροστάσιον. (Fest. 464, 33) 32. -ellio : ἀσκαλοδότης (-λαβ-). (Fest. 412, 5) 33. -ercora : σκύδαλα.

33. cf. Lucret. 6, 176 ?|| 37. Verg. A. 7, 9.|| 46. cf. Gaius, Inst. 3, 127.|| 47. cf. ib. 3, 123.|| 49. cf. ib. 3, 116.|| 57. Spretus *Cyrrill.* (Καταφ.: spr.): Sprenatus *Goetz.*|| 58. Verg. A. 3, 567 (-am).|| 60. cf. Fest. 474, 31 (sp. vinum).

SQ 4. cf. CE 23 (Celtis).

ST 4. πανδοκίον *N. T.*|| 8. cf. Plaut. ap. Fest. 166, 27 (-is) ?|| 14. Verg. G. 4, 8, etc.|| 19. Verg. G. 1, 353, etc.|| 20. Status d. *Fest.*|| 31. cf. 7 ?

(Philipp. 3, 8 ?) 34. -erilis : στεῖρα, ἄκαρπος, ἄγονος. (Verg. G. 2, 53 ?) 35. -erulinum (-quilinium) : κοπροδοχεῖον, κοπρία. (Bibl. ?) 36. -ereus : κόπρος. (Fest. 466, 32) 37. -eria (?) : ὄρμαθός. 38. -erne [a]equum : ἐπίσᾶζον τὸν <ἵππον>. (Char. ?) 39. -ernit : στρωννύει [ἵππον]. 40. -ernutat : πτάρνεται. 41. -etit : ἔστη. 42. -eroidum (-cidium ?) : ὀχετός. 43. -ertit : ῥέγγει. (Prov. 10, 5 ?) 44. -illa : σταγών, σταλαγμός. (Fest. 465, 8 ?) 45. -imulant : commovent. (Verg. A. 4, 302 ?) 46. -imulat : παροξύνει, ἐπ<ε>[ι-γε[σ]α]. 47. <Ca>stigmat : [στιγὰτ] νοθεύει, ἐπιπλήττει. 48. -imulos : incitamenta. (Hor. S. 2, 7, 94) 49. -imulum : κέντρον συδηροῦν (σι-). 50. -ipator : σωματοφύλαξ. (Fest. 412, 30) 51. -ipata cohors : συνελθὼν τάγμα. (Verg. A. 10, 328) 52. -ipendia : μισθοφοραί. 53. -ipendium : σιτηρέσιον. (=53 ?) 54. -ipes : στέλεχος ἄκαρπον. (Fest. 413, 5 ?) 55. -ipendium : ὀφώνιον στρατιωτικόν, μισθὸς στρατιωτικός. (Fest. 379, 5) 56. -ipem : ἐλεημοσηνεν (-ύνην). (Fest. 379, 3 ?) 57. -ipites : στελέχη, δρύοχοι, κορμοί. (Fest. 478, 6) 58. -ipula : καλάμη[ς], κάρφος. 59. -ipulationes : ἐπερωτήσεις. (Off. ?) 60. -irps : ῥίζα, κόλαψ, παραφύας. 61. -ipulatio : ἱκανοδοσία. (Off. ?) 62. -iva : ἐχέταη (-τλη) τοῦ ἀρότ<ρ>ου. (Verg. G. 1, 174) 63. -iria : ὁ τοῦ ὕδατος κ<ρ>εμάμενος κρύσταλλος. (Fest. 465, 7) 64. -lactarius : ἐργόμωκος. (Iuv. 7, 134) 65. -lata : π<ε>ρατικοῦ σκάφους εἶδος. (Fest. 410, 34) 66. -linquadrūm (?) : σκληρόν, αὐστηρόν. 67. -lipes (-lites) :

δίκαι ἀρχαί<ως>. (Fest. 410, 37) 68. -ludio (?) : χαμουακιον (-ούλκ-). 69. -ola : ἔνδυμα. 70. -ragulum : περίστωμα. (Off. ?) 71. -rages : πολυάνδριος σωρὸς νεκρῶν. 72. ἀναίρεσις πολλῇ ὡς τὴν γῇ<ν> σώμασι κατεστρώσθαι. 73. -ramentem (-ta) : στιβάδες, χορτόστρωμα. (=74) 74. -ramenta : χορτόστρατοι (-στρω-), στιβάδες. (Gen. 31, 34 ?) 75. -rautum (ser-) : θήκη δερματίνη βελῶν. (Fest. 448, 27) 76. -ren[u]a : εὐορχισμός, θάλλος. (Fest. 410, 21) 77. -renu[a]e : σπουδαίως, γόργως. (Char. 219, 16 ?) 78. -repus (-roppus) : τροπωτήρ. (Fest. 410, 6) 79. -renuus : εὐστραφής. 80. -repitus : ἥχος, φόφος, κτύπος. 81. -riata : ξυστρωτά. 82. -ridet (-it) : τρίζει. 83. -ricturae : λελιπαμμένον (?) ἢ τὸ ἀπὸ τοῦ σιδήρου πίπτον ὥσπερ σπινθῆρες. 84. μέταλλον. (=83) 85. -ridor : τρισιμός. 86. -rictoria : στιχάρια. (?) 87. -riga : λωστρυγών (?) καὶ γυνὴ φαρμακίς. (Fest. 414, 25) 88. κιμωλία (?) 89. -rigilis : ξύστρα. 90. -rigiles : ξύστραι. (=89) 91. -ri[ol]ata : ξυστρωτά. (=81) 92. -igmentum : γλοιός. (med. ?) 93. -ringit : βρύχει, σφίγγει. 94. -ringimus : παραλεγόμεθα, παραψάδουμεν καὶ σφίγγομεν. 95. -ringentia : attingentia. (Verg. A. 10, 331) 96. -ringo : σπῶμαι ἐπὶ μαχαίρας, σφίγγω (-γγ-), ψάχω. 97. -rix : ὀλολυγών, στρουθός (?). 98. -ructuris : συνθέσεσιν. 99. -rues (-uices ?) : ξύλων σωρός. (Fest. 408, 25) ἢ καὶ <99 a.> θυμάτων. (Fest. 408, 21) 100. -ructura : οἰκοδομή. 101. -ructor : οἰκοδόμος. 102. -ruentum (-ructum) : οἰκοδομημένον (φκ-). (=103)

35. cf. Luc 35, 14, etc. (κοπρίαν N. T.).|| 37. Sertum Goetz : Seria Heraeus (cf. SE 104 a.)|| 58. Verg. G. 1, 315, etc.|| 59. cf. Gaius, Inst. 2, 254, etc.|| 60. Via Cic. 1, 30.|| 61. cf. Gaius, Inst. 4, 94.|| 64. cf. SI 32. An (cum 65 Stlat-, non Stlact-) ex Festo ? cf. Schol. Iuv. Probus exponit illecebrosa'. Hinc Gl. Nom. (Stlactarius : qui alium sermonibus errare facit).|| 66. Hinc Not. Tir. (cuius materia multa e glossariis pervenit) 45, 46. Ex Not. Tir. glossa illa nebulosa Scaligeri (C. G. L. V., 611, 60).|| 67. cf. Quint. 1, 4, 16 (stlocum, stlites).|| 68 cf. SC 48.|| 70. cf. Digest. 50, 16, 45 (S. vestis..... omne pallium περίστωμα).|| 80. Verg. A. 1, 725.|| 82. Verg. G. 4, 262, etc.|| 83. Verg. A. 8, 421.|| 85. Verg. A. 1, 87, etc.|| 87. ὡς τρυγῶν Buecheler : via ὀλολυγῶν (cf. 97).|| 88. Via Creta Italia sine interp.

103. -ructum: οἰκοδομημένον (ῥκ-). 104. -ruit: κατασκευάζει, οἰκοδομεῖ. 105. -rumae: παρωτίδες, χοιράδες. 106. -rundius sive struntus: σπέλεθος. 107. -ruthio: στρουθοκάμηλος. 108. -udiosi: σπουδασταί. 109. -udiosus: φιλόπονος. (Cic. 3, 10 ?) 110. -udium (-udeo ?): φιλοπονῶ τοῦτο τὸ πρᾶγμα. (Char. ?) 111. -udiorum: ἀσκησέων. (Hor. S. 2, 1, 27) 112. -ulo (-olo): παραφιάς. (Fest. ?) 113. -ultum: μωρόν, ἀνόητον. (Cic. 1, 30) 114. -ultus: ἀνόητος. 115. -urpidus: ἐνεός, ἐκπλαγείς [θαμβός]. 116. -upor: θάμβος, κατάπληξις, ἐκπληξις. 117. -uppa: κάνναβις, στύθης (-πης) ἄγγαθα. (Fest. 418, 18) 118. -uppi: λάταγες. 119. -uprum: φθορά, μiasμός. (Cic. 1, 26, etc.) 120. -upes: ἐξηχεύη. 121. -urni: ψαροί (=122 ?) 122. -urnos (-us): ψαρός.

SU

Suadeo: παραινῶ, πείθω, συμβουλεύω. (Cic. 1, 13) 2. -dela: Πειθὼ ἡ θεός. (Hor. E. 1, 6, 38 ?) 3. -dena (sudis): σφύρενα. (-αινα). (=114) 4. -sor: γνωμοδότης. 5. -ve: ἡδύ. 6. -ves: χρηστούς. (=9) 7. χρηστοί. (=9) 8. -vitas: ἡδονή, εὐωδία, ἡδύτης. 9. -vis: χρηστός, ἡδύς. 10. -viter: χρηστῶς.

Sub: ὑπό. 12. -actum: συναχθέν. (Fest. 404, 6) 13. -at: ὀρεγιᾶ. (Fest. 408, 14) 14. -er: φελλός, δρυς φελλο (φελλόδρυς). (Fest. 418, 22 ?) 15. -disiunctiv<a>e: παρασυννημμένα. (Off. ?) 16. -ditus: ὑποβολιμαῖος. (Fest. 463, 7) 17. -divum: ὑπεθρον (-αιθ-). 18. -ditivus: ὑποβολιμαῖος, ὑπολογιμαῖος. (=16 ?) 19. -dola: ὑπούλα, ὑποκριτικά. 20. -egit: ὑπετάξατο, υπεγάγετο (ὑπηγ-). 21. ὑπέταξεν. (=20) 22. Succumbit: ὑπέπεσεν. 23. -eunda: ὑποσταταία (-έα), ὑπομπηταια

(-μνητέα). (Cic. 4, 12) 24. -est: latte [subes] ἀναδιδῶσιν. (Hor. C. 4, 5, 40) 25. -egi: ὑπέταξα. (=20 ?) 26. -flamen: τροχῶν ἀγκύριον. (=123) 27. -fulgit (-cit): ὑποστηρίζει. (Bibl. ?) 28. -gillatus: ὑπωπιασθεῖς. (Fest. 392, 6) 29. -igit (-icit): ἀξέζανεται, ἐπιπέμπεται <29 a.> ὑποτάττεται, ἐργάζεται. 30. -iecta: ὑποταγντά. 31. -igo: προσβάλλο (-ω). 32. -egi (-igo): ὑποτάσσω, μαλάσσω. 33. -ire: ὑπείσεσθαι. (Cic. 2, 15) 34. -it: ἀνέρχεται. 35. -ito: ἐξάφνης. (Cic. 2, 8, etc.) 36. -inde (sub manum): ὑπὸ χεῖρα. (=49) <36 a. (-inde)>: πολλάκις. 37. -iunctiva: ὑποτακτικά. 38. -disiunctiv<a>e: παρασυννημμένα. (=15) 39. -iectorum: ἀρχομένων, ὑποτεταγμένων. 40. -<u>la: υπήτιον (δπ-), περόνη. (=91) 41. -latum est: ἐκουφίσθη, ἀνετράπη. 42. -latus: natus. (Hor. S. 2, 5, 40) <42 a.> -limo: ὑψῶ. 43. -ligaculum: διαζώστρα. 44. περιζώστρα. (=43) 45. -limis: μετέωρος, ὑψιπέτης (Fest. 400, 17) 46. μετάρσιος, ὑψηλός. (=45) 47. -lonas (-ulae): ὄρυγες, θήλ<ε>ια ἐργαλ<ε>ια. 48. -liges (-ces): καταπηγες οἱ ἐν ποταμῷ [v] τὴν γέφυραν ὑποδιατάζοντες. (Fest. 374, 3) 47. S. manum: ὑπὸ χεῖρα. 50. -ministraturi: χορηγηθήσεσθε. (Bibl. ?) 51. -mentum: ἀνθερών (=153) 52. -ornatus: ὑπόδελγτος, ἐπιποδες (-τηδές ?). 53. -oles: ἐπιγονή, γονή, γενεά. (Fest. 402, 19; Char. 40, 4) 54. -olis: γονῆς. 55. -moveri: ἀποκ[ε]ινθηῖναι. (Off. ?) 56. -s<u>tio: ὑποκλάμμα. (=75) 57. S. <p>r<a>etextu: ἐπὶ προσχήματι. 58. -rigit: ὑπορθοῖ, ὑποστηρίζει. (Verg. A. 4, 183 ?) 59. -rigo: ἀναβιάζω, ἀνορθῶ. 60. -ructiones (-sut- ?): ὑποραφαί. (=75) 61. -ru[g]o: ὑπορύσσω. 62. -rogatione: τῇ ἀντ<ε>ισαγωγῇ. (Off. ?) 63. -ripit: ὑφαιρεῖται. 64. -sequens: ἐπα-

104. Verg. A. 4, 235. || 107. στρουθίον LXX. || 112. cf. Abol. (ex Festo, ut vid.) Stolones ramuli maioribus succrescentes ita dicuntur a Sabinis.

SU 15. cf. Digest. 50, 16, 124. || 20-1. Una glossa: Hor. E. 2, 1, 11 Wey. cf. 32. || 27. cf. Ecclus. 50, 1 (-sit). || 32. cf. 20-1. || 43-4. Una glossa ? || 45-6. Una glossa ? || 55. cf. Gaius, Inst. 2, 78; Summ- cod.

κολουθῶν. (=65 ?) 65. -sequitur : ἐπα-
 κολουθεῖ (Hor. C. 1, 18, 14 ?) 66. -sidia :
 βοήθεια. (Cic. 2, 9) 67. -sidium : βοή-
 θημα, συμμαχ[ε]ία. (Fest. 398, 9) 68.
 -stantiam : οὐσίαν, ὑπόστασιν. 69. -sti-
 tuit : ὑπεκατεστησεν (ὑπο-), αντεκατεσ-
 τησεν (ἀντι-). 70. -sidere : ὑποκαθεστηναι
 (-άναι). 71. -stringe : pr<a>ebe. (Hor. S.
 2, 5, 95) 72. -stillat : στραγγουριᾶ (-γγ-).
 73. -stantia : ὑπόστασ[ε]ις. (=68) 74.
 -stituti : ὑποκατασταθέντες. (Off. ?) 75.
 -sutio : ὑποκόλαμμα, ὑποραφή. 76. -su-
 men : ἀνακολαφή, ὑποκόλαμμα. 77. -te-
 men : κρίκη, ῥοδάνη. (« Char. ») 554, 28)
 78. -tiliter : λεπτῶς. 79. -tilis : καθά-
 ριος, ἱσχνός. 80. -traxerit : ὑφελκύσει.
 (Hebr. 10, 38 ?) 81. -ter : ὑποκάτω. 82.
 -tilitate : πιθανολογ[ε]ία. (Off. ?) 83.
 -tile : καθάριον, ἱσχνόν. (=79) 84. -te-
 men : κρίκη. (=77) 85. -tus : ὑποκάτω.
 (=81 ?) 86. -trahit : ὑποσπᾶ. 87. -traho :
 ἀφαιρούμαι, subtraxi. 88. -ucula : ὑπο-
 δητης (-δύτης) ὁ χ[ε]ιτών. (Fest. 406,
 10) 89. -vecti : ὑποδαστακθέντες (-αχθ-).
 90. -venire : βοηθεῖν, συνέρχεσθαι. 91.
 -ula : ὑπηγιον (ὅπ-) περόνη. (Bibl. ?)
 92. -ulo : αὐλητής. (Fest. 402, 2) 93.
 -ultaneus (?) : ἡθικός. 94. -ucula : ὑπο-
 δητης (-δύτης) ὁ χιτών. (=88) 95. -veni-
 re : βοηθηῖν, συναλθεῖν<v>. (=90) 96.
 -ulcus : συνοδοσκός, χυροδοσκός (χοιρ-).
 (« Char. » 551, 15) 97. -urbana : προασ-
 τ<e>ία. (Hor. E. 1, 7, 76 ?)

Succedo : εἰσέρχομε (-αι). <98 a.> διαδέ-
 χομαι. (=100) 99. -scessio (succ-) :
 διαδοχή (Off. ?) 100. -ccedo tibi : δια-
 δέχομαι σε. (Char. 293, 19) 101. -ccurrit :
 ἀπαντᾷ, βοηθεῖ. (Verg. A. 2, 317 ?) 102.
 -ccessor : διάδοχος. (Char. 86, 7) 103.
 -ccurrit : βοηθεῖ. (=101) 104. -clamatio :

ἐπιφώνημα, ἐπίλογος. 105. -ccendit :
 ὑφάντει (-άπτ-). 106. -culae : ὑάδες.
 και <106 a.> δοκίδες (Fest. 390, 11) 107.
 -ccessus (se-) : ὑποχώρησις. (« Char. » 552,
 20) 108. -ccinctum (-cingulum) : ὑπόζωμα.
 (Fest. 390, 20) 109. -cerda : χοιρ<e>ία
 κόπρος. (Fest. 390, 11) 110. -cus : χυλός.
 111. -cutit (scatit ?) : βράζει, ἀνασα-
 λεύεται. 112. -dor : ἰδρώς. 113. -davi :
 ἰδρώσα. 114. -dis : σφύραινα ἰχθύς και
 <114 a.> σκόλοψ. 115. -fficit : ἐξαρχει
 (-κεῖ). 116. -ffocatus : πνίγεις. 117. -ffra-
 gium : ψηφοφορία, δόγμα, δόσις. 118.
 -ffusorium : ἐπίχυσις. (Bibl. ?) 119. -ffisi
 (-ffitio) : θυμιάσις. (Fest. 3, 5) <119 a.
 (suffio)> : θυμιᾶ[ν]. 120. -ffragines :
 ἰγνύαι. 121. -ffocat : πνίγει, λαρυγνίζει
 (-γγ-). (Matth. 13, 22 ?) 122. -ffuderit :
 επισκίλισσι (ἐπικλύσει). (Verg. G. 1, 430)
 123. -bflamen : τροχῶν ἀγκύριον, βοή-
 θεια, κοῦφισμα ἀμάξης. 124. -ffusio :
 ὑπόχυσις. (Prov. 23, 29) 125. -ffecti :
 ὑποκατασταθέντες, τελ<e>ιωθέντες. 126.
 -ficcio (-tio) : ὑποθυμιάσις. (=119) 127.
 -fflat : φυσᾷ. 128. -ffragium : ψηφοφο-
 ρ[ε]ία, χειροτον[ε]ία. (=117) 129. -ffo-
 catio : πνιγμός. 130. -ggerit : ὑποδοη-
 θεῖ, κυρίως δὲ ἐπὶ τοῦ πολέμου δόρατα
 χορηγούμενα. 131. ὑποβάλλει. (=130 ?)
 132. -g<g>runda : ἐκθέτης. 133. -git :
 θηλάζει. 134. -ggero : ὑποβάλλω, ὑποχο-
 ρηγῶ, ὑπουργῶ, ὑποσχωρε<ύ>ω. (Syn. ?)
 135. -gulae (suc-) : ὑάδες (=106) 136.
 -ggilatus : ὑπωπιασθεῖς. (=28) 137.
 -ggestum : βῆμα, ὕφος. 138. -ggillet :
 πλῆσσει ὥστε ὑπώπια ποιεῖ. (Luc. 18,
 5 ?) 139. -gis : θηλάζεις. (=133) 140.
 -gillatio : ὑπωπιασμός. (Off. ?) 141.
 -git : θηλά<ζ>ει. (=138) 142. -i nego-
 tii : ἰδιοπράγμων. (Legg. ?) 143. -is

77. S. : ῥοδάνη (« Char. ») 80. ὑποστείλνται. N. T. 81. Verg. G. 3, 298, etc. 82. cf. Gaius, Inst. 4, 30. 91. cf. Exod. 21, 6 (ὅπῃτιον LXX), etc. 96. S. : συνοδοσκός « Char. » 99. cf. Gaius, Inst. 3, 12. 111. Scutit Abav. (So. : cattat, βράσσει). 114. cf. 3. 115. Verg. G. 2, 424, etc. 118. cf. Hier. in. Iesai, 2, 4, 1. 119. cf. Fest. 69, 29. 120. cf. Col. 6, 15, 2. 121. συνπνίγει N. T. 123. cf. 26. 132. cf. GR 92 ; cf. Cyrill. (Ἐκθέτης, Ἐξώστης : protectum, suggrunda). cf. ad ME 30. 138. ὑπωπιάζην N. T. 140. cf. Digest. 47, 10, 15, 35.

desideriis : τῷ ἰδίῳ κέρδει, τῇ ἰδίᾳ προσ-
 θέσει, τῇ ἰδίᾳ ὠφέλεια. 144. -it : ῥάπτει,
 ἡπᾶται. 145. -Icus : αὐλαξ. (Fest. 392, 17)
 146. -Iporuun (sulphur vivum) : θεῖον
 ἄπυρον. (Verg. G. 3, 449) 147. -m : εἰμί.
 148. -munt : λαμβάνουσιν. (Verg. G. 2,
 387 ?) 149. Semen candidum : κνῆφος
 (-κος). 150. -mo : δέχομαι, λαμβάνω.
 151. -mmam : ποσότητα, κεφάλαιον. 152.
 -mmatim : κεφαλαιωδῶς, λιλαήδην
 (συλλ-). 153. -mmentum : ἀνθερών.
 154. -mmus <Iictor> ἀρχираδούχος.
 (= LI 37) 155. -mptus : ἀνάλωμα, δαπάνη.
 156. -mmovet : κωλύει. 157. -mma :
 κεφάλαιον (-λαιον), σύμπαν. 158. -mit :
 λαμβάνει. 159. -men : οὐθαρ. 160. -mma-
 nus : Προμηθεύς (?). (Fest. 254, 3) 161.
 -mmus : ἀνώτατος, ὕψιστος. 162. -me :
 δέξε (-αι), λαβέ. (Verg. A. 5, 533 ?) 163.
 -mmisse : ὑφ<ε>μένως. 164. -nt : eissin
 (εἰσίν). <164 a.> suo : τῷ ἰδίῳ, τῷ σαυ-
 τοῦ. (Fest. 408, 4) 165. -a<p>te : τῷ
 ἰδίῳ. (= 164 a.)

Sup[p]Jellex : ἐνδομενία. (Verg. G. 1, 165 ?)
 167. -petit : χορηγεῖ. (= 180) 168. -er-
 vacua : περιττή, εἰκαί<α>, ματα (αἰα).
 (= 169) 169. -ervacuus : εἰκαῖος, μάταιος.
 170. -persit : περιληφθήσεται (-λειφ-)
 (Verg. G. 3, 10 ?) 171. -ersiderint : κατε-
 φρόνησαν, ὠλιγορήσαν (-ώρησ-). 172. -pe-
 ditamus : ὑποχορηγούμεθα. (Cic. 2, 25)
 173. -peta<s> : suffititas (-ficias), sum-
 ministras (-es). (Hor. Epod. 17, 64) 174.
 -eratis : ὑπερνικηθεισών. (Cic. 2, 29) 175.
 -eravit : ὑπερίσχυσεν. (= 221) 176. -pli-
 ciis : κολάσεις, ἱκεσίαις. (Cic. 1, 3) 177.
 -plementum : ἀναπλήρωμα. (Marc. 2,
 21 ?) 178. -positus : ὑποτεθε<ι>μένος. 179.
 -sitae (?) : θυμιάσεις. 180. -petit : βοηθεῖ,
 χορηγεῖ. 181. -ra modum : ὑπὲρ τὸ δέον,
 ὑπὲρ τὸ <μέτρον>. 182. [Supe] : [μετρον].
 183. -erius : ἀνωτέρω, ἐπὶ χρόνου. 184.

-erans (-ernus) : ἀνωτερικός. (= 223) 185.
 -ersedeo : ἀμελῶ. 186. -erstitiosus :
 δ<ε>ισιδαίμων. 187. -[p]remus : ἔσχα-
 τος. 188. -ra : ἐπάνω, ὑπερθεν. 189. -era-
 ria : ἐπενδύτις (-της). 190. -erstes : ἔφε-
 δρος, περι[θι]ών. (Fest. 391, 3) 191. -er-
 cunnum : ἐφ' ἧδιον, ἐπικυστήρ (-της). 192.
 -ervacuuum : εἰκαῖον. (= 169 ?) 193. -plex :
 ἱκέτης. 194. -erstites (-is) : περιόντος.
 (= 190) 195. -erstites : περιελ<ε>ιμέ-
 νοι. (Fest. 394, 37) 196. -erstitionis :
 δ<ε>ισιδαίμονιας. (= 225 ?) 197. -pac-
 ta : κεκαστυμένα. 198. -plicatio : λιτα-
 ν<ε>ία, στεφανηφορία. (Cic. 3, 15 ?) 199.
 -ernus : μετέωρος ἐπὶ τῶν <οὐρανίων>.
 200. -ercilium : ὀφρ[ο]ύς [οὐρανίων].
 (« Char. » 554, 29) 201. -erest : περιλεί-
 πεται καὶ περισσεύει. 202. -erstes : πε-
 ριών, ἔφεδρος. (= 190) 203. -erne : ὑπερ-
 θεν. (Verg. A. 6, 658 ?) 204. -erat (-est) :
 περισσεύει. (= 201) 205. -plantat : ὑποσ-
 κελίζει, περισκελίζει. (Prov. 19, 3) 206.
 -positione<m> : τὴν ὑποθήκην. (Legg. ?)
 207. -erbus : ὑπερήφανος. 208. -erficiis :
 ὑπερῶν (-ον), ἀνώγειον. 209. -inus :
 ὑπτιος. 210. -erfugium (subter-) : ὑπο-
 φυγή. 211. -ersti (-escit) : περίεστιν,
 ζῇ. (Fest. 394, 6) 212. -parat : ὑπουργεῖ.
 213. -er : ὑπερθεν. 214. -erante salo :
 περιγινόμενης τις (τῆς) ἄλός. (Verg. A.
 1, 537) 215. -erlativa : ὑπερθετικά. 216.
 -eri : οὐράνιοι. (Verg. A. 6, 871 ?) 217.
 -eramus (-premus) : ὕστατος. 218. -era-
 -bile : ὑπερ[ε]σχετικόν. 219. -ra modum :
 ὑπεράγαν, ὑπὲρ τὸ δέον. (= 181) 220.
 -peditari (-vit) : ἐπεχορήγησεν. (= 227 ?)
 221. -eravit : ὑπερίσχυσεν, περιεγένετο,
 ἐνηκησεν (-νίχ-). (Cic. 3, 24) 222. -erit
 (-est) : περισσεύει. (= 201) 223. -ernus :
 ἀνωτερικός. 224. -ero : περιγίνομαι. 225.
 -erstitem : περιόντα. (= 190) 226. -ersti-
 tio : ορησκ<ε>ία (ορη-), δαισηδαιμονία

151. cf. 157. || 153. cf. 51. || 154. *Vide ne male intellexerit scriba* LI 37, *videlicet* Lictor :
 summus, ἀρχ. || 157. cf. 151. || 158. cf. 148 ; Hor. C. 3, 2, 19, *Wey.* || 177 πλῆρωμα *N. T.* ||
 179. *An Suffitiae ? an Suffitiones* (cf. 119 ; 126) ? || 182. *Aut male anticipaverat scriba*
glossam 183, *aut illud Supe est nihil nisi indicium alphabeticum ante seriem SUPE posi-*
tum. || 190. cf. 195. || 191. *An Supercunium ?*

(-σιδ-). 227. -peditat : ἐπιχορηγεῖ. 228. -plicatio : λ[ε]ιτανεία. (=198) 229. -plico : λιτανεύω. 230. -eravit (suppur-) : ἐφλέγμα<ι>νεν καὶ υποντον (ὕπουλον) ἐγένετο. (med.) 231. -ra fas : ὑπὲρ τὸ θεῶν (δέον). 232. -alta (-pacta) : κεκασ-
 συμενα. (=197)

Su[p]rae : γαστροκνημῖαι, κνήμαι. 234. -rit (-bit ?) : καπρᾶ. (Fest. 408, 14) 235. -rdus : κωφός. 236. -rculus : βλαστός, κλωνάριον. (Verg. G. 2, 87 ?) 237. -rgit : ἐγείρεται. (Hor. C. 3, 6, 30 ?) 238. -scapit : ὑπέδεξατο. (Verg. A. 1, 175 ?) 239. -scenset : καταμαίνεται, αἰτνᾶται. 240. -sceptor : ὑποδοχέως. (Bibl. ?) <240 a. (suscenset)> : μνησικακεῖ. (=239) 241. -scipiendae : ἀναλή[μ]φθεις (-σης). (Off. ?) 242. -scipio : ἀναδέχομαι. (Cic. 2, 11) 243. -scipit : ἀναδέχεται, ὑποδέχεται. 244. -scit : ἐξεγείρει, ἐξυ<π>-νίξει. (Hor. C. 2, 10, 19 ?) 245. -spetus : ὑποπτος. (Cic. 1, 17 ?) 246. -spicari : ὑποπτεύειν. (Hor. C. 2, 4, 22 ?) 247. -scit : ἀνίστησιν, ἐξεγείρει. (=244 ?) 248. -spendit : κρεμνᾶ. 249. -spirat : στένει, σπερει (σπαί-), ἀναπνέει, ἀναστενάζει, στενοχωρεῖται, πνευματιᾶ. (Syn. ?) 250. -spiro : ἀναπνέω, στενάζω. (=249 ?) 251. -spicio : ὑποψία, ὑπόνοια. 252. -spirium : δόσπνοια. 253. -stentat : ὑποδαστάζει. 254 -spensum : ἡρητημένον. <245 a.> ἀγωνιῶντα, μεριμνῶντα, νεφροντικῶτα (πε-). 255. -stinet : ὑπομένει, ὑποδαστάζει. (Hor. S. 1, 6, 117 ?) 256. -spirans : ἀναπνέων. (Verg. A. 1, 371) 257. -stellose(?) : πανούργως. 258. -stulit : ἐπῆρεν. 259. -<r>su<m> : ἄνω. 260. -<r>sum : ἐπάνω. (=259). 261. -surrat : ψιθυρίζει. 262. -surratio : ψιθυρισμός. 263. -tela : ἐνέδρα, ἐξαπάτησις, δόλος. (Fest. 406,

25 ?) 264. -<h>tile : πανοῦργον, ἱπτον(?). 265. -tor : σκυτεὺς, σκυτοτόμος. (Iuv. 3, 293 ?) 266. -us : ἴδιος.

T

TA

Tabanus : μυμψ (-ώψ) τὸ ζῷον, οἶστρος. 2. -bellarius : γραμματηφόρος. (Fest. 492, 3) 3. -bellio : ἀγοραῖος, νομικός. (Off. ?) 4. -bernarius : ἐργαστηριάρχης, κάπηλος. 5. -bernaiculum : σκ[ρ]ήνη, σκηνοπιγία (-πηγ-), κατοικητήριον. (Fest. 490, 19) 6. -bes : τηκέδων. (Fest. 490, 31) 7. -bescit : τήκεται, φθίνει. 8. -bo : λιματι (αἶμ-) νεκροῦ, λύθρ[ου], ἔστιν δὲ μονόπτωτον. (Char. 29, 26) 9. -buit : τέτηκεν. 10. -bulae : σάνιδε<ς> καὶ γραμματε<ε>ῖα. 11. -bulae novae : χρεῶν ἀποκοπαί. (Cic. 2, 18) 12. -bulatum : σανίδωμα, σανιδωτόν. (Verg. G. 2, 361 ?) 13. -bularium : λογιστήριον. (Verg. G. 2, 502 ?) 14. -bidus : φθισικός. 15. -bo (-bum ?) : λύθρος, αἶμα νεκροῦ. (=8) 16. -ce : σῶπησης, σίγησιν. 17. -cet : σιωπᾶ. (=16 ?) 18. -citurnitas : σιωπή. (Cic. 3, 13) 19. <19 a.> Tactus : ἀφή, θίξις. 20. -ctus est : ἐβλήθη. 21. -eda : δῆς, πεύκη καὶ λαμπάς. 22. -edium : σίχχος (-κχ-), κάκησις. 23. -eniosus : κ<ε>ριότης. 24. -eter : σι<κ>χαντός. (=TE 134) 25. -edio : ἀθύμως. 26. -etram : σικχαντήν. (Cic. 1, 11) 27. -lari-bus : ἀστρά<γα>λωτοῖς. (Cic. 2, 22) 28. -lia : κορμός, σκίλα (σχ-) καὶ σκυτάλη. 29. -cte (?) : πάγκακος. 30. -lus : ἀστράγαλος. (=37) 31. -lares (-latri) : κόνδυλοι ποδῶν. (=32) 32. -la<t>ri : κόνδυλοι χειρῶν. (Fest. ?) 33. -lia : κορμός,

231. cf. 181. || 240. cf. Psalm. 3, 4, etc. (ἀντιλήπτωρ LXX). || 241. cf. Gaius, Inst. 2, 167, etc. || 248. Verg. A. 5, 489, etc. || 253. cf. 255 ; *forsitan* Sustinet : sustentat, ὑπ., ὑπ. ? || 255. cf. not. ad 253. || 257. *Vide ne male intellexerit Philox.* Sutela dolosae (Fest. 406, 25) ; cf. 263. Sutelose Goetz. || 258. Verg. G. 2, 57, etc. || 263. cf. 257 et not. ad loc. || 264. *An* λχγόν (cf. 79) ?

TA 3. cf. Digest. 48, 19, 9, 5. || 19. *sine interp.* || 20. Verg. E. 1, 17, etc. || 21. Verg. A. 9, 76. || 24-6. = TE 2-4. || 27. cf. 35. || 31-2. cf. Cyril. (Κόνδυλος ποδός ἢ χειρός : talatrum).

σχίδαξ. (=28) 24. -laria : πέδ[ε]λα. (Verg. A. 4, 239) 35. -laris tunica : ποδήρης χ[ε]ιτών. (Cic. 2, 22) 36. -lis : τοιούτος. 37. -li : ἀστράγαλοι καὶ ταρσοί· καὶ <37 a.> τοιούτω. 38. -lus : ἀστράγαλος. (=30) 39. -lra : ἀσφάλαξ. 40. -lio : ἀντιπήρωσις. 41. -lare : περίσφυρον. 42. -bificabile : τηκεδονικόν. (Fest. ?) 43. -liae : σχίδακες. (=33 ?) 44. -lla : κρομμύου λέπυρον. (Fest. 492, 28) 45. -men : εἰ καί. 46. δμως. 47. -metsi : εἰ καί. (Cic. 1, 22 ?) 48. -m : οὕτως. (Fest. 492, 11 ?) 40. -m perpidus (-ditus) : οὕτως παν[π]ώλης. (Cic. 1, 5) 50. -m quam : κάθαπερ, ὥσπερ<ε>ί, ὥσανει, οἶονανει. (Cic. 1, 4, etc. ?) 51. ὥσπερ, οἶον[ε]ῖσως. (=50 ?) 52. -ngo : θεγγάνω, ἄπτομαι. 53. -ntisper : ἐν τοσοῦτω, ἐπὶ τοῦ παρόντος. 54. -ntummodo : αὐτομόνον, μόνον αὐτό[ν]. 55. -nti : περὶ πολλοῦ. (Cic. 1, 22, etc.) 56. -ndem : ὅμως, δῆποτε, ἥδη τε. (Cic. 1, 17, etc.) 57. -nto melior : τοσοῦτω κρ<ε>ίσσων. 58. -ntidem : τοσοῦτω. 59. -ntum : μόνον, <59 a.> τοσοῦτον. 60. -ntum quod : ἀρτίως. 61. -nti : τοσοῦτοι· καὶ <61 a.> τοσοῦτου. (=55 ?) 62. -pedus (-tum) : τάπις (-ης), ψιλῆ. (Char. 61, 29) 63. -rdus : βραδύς. 64. -rdat : βραδύνει. 65. -rde : βραδέως. 66. -xatio : ποσότης. (Fest. 490, 16) 67. -xamus : ὀρίζομεν. (Off. ?) 68. -xillus : ἀστραγαλίσκος. 69. -xus : σμί<λ>αξ, ῥοδοδάφνη.

TE

Te : σὲ κλι (καί) σοῦ. 2. -dio (tae-) : ἀθύμως. (=TA 25) 3. -ter : σιγχαντός. (=TA 24) 4. -tram : σιγχαντήν. (=TA 26) 5. -trus (-os) : σκοτ<ε>ινο<ύ>ς, ἀμαύρο<υ>ς. (=136) 6. -ctorium : κονία,

κονίαμα. 7. -ctor : κονιατής. 8. -ctum : στέγη, στεινόν (-γν-). (« Char. » 554, 30) 9. -cum : σύν σοι. (Cic. 1, 8, etc. ?) 10. -edet (tae-) me huius hominis : σιγχενομε (σιγχαίνομαι) τοῦτον τὸν ἄνθρωπον. (Char. 293, 9) 11. -git : σκεπάζει καὶ ἐπικαλύπτει. 12. -ges : ψιάθος, σκέπασμα. 13. -genarius (-get-) : ψιαθοποιός. 14. -gitarius : ψιαθοπλόκος. (=13) 15. -gimentum : στέγασμα, κάλυμ<μα>. 16. -gula : κεράμισμα. <16 a. (-gmen-tum)> : σκέπασμα. (=17) 17. -gmen-tum : σκέπασμα. 18. -loxa (?) : κενταύριον. 19. -la : ἰστός (Char. ?) <19 a.> τεύχη, τόξα. (Fest. 502, 4 ?) 20. -lum : ἀκόντιον, τὸ μακρόθεν βαλλόμενον ὅπλον. (Fest. 502, 4) 21. -la : ἰστός. (=19) <21 a.> ἀμυντήρια. (=19 a. ?) 22. -lamo : Ἀγλας ("Ατ-) τὸ ὄρος. (?) 23. -llus : χθών, Γῆ ἢ θεός. 24. -merarius : τολμηρός, ῥιψοκίνδυνος. (Ecclus. 9, 25 ?) 25. -mo : αὐχὴν πηδαλίου, ῥυμός. (Verg. G. 1, 171, etc.) 26. -metum : οἶνος. (Fest. 500, 9) 27. -mperabunt : ἀποσχώνται. 28. -mperies : συγκερασμός. 29. -mperantia : συμμετρία. (Cic. 2, 25) 30. -mpes-tivus : ἀκμαίος. (=49) 31. -mperat : γλύφει κάλαμον· <31 a.> συγκιρνᾷ, φεῖδεται. 32. -mperamentum : συγκέρασμα, σήκωμα. 33. -meritate : ἀπονοία. (Cic. 2, 25) 34. -mptaverint : σαλεύσωσιν. 35. -meritas : αὐθαδία, ἀποτομία. 36. -mptatum : δοκιμασθέν, ἀμαρτηθέν. 37. -mepatores (-meratores) : προπετης (-εῖς). 38. -merasse : τετοληκέναι. (Fest. 500, 7 ?) 39. -mporius : ἐνωρίτερον. 40. -mperatum : εὐκρατον, συγκερασμένον. 41. -mplum : ἱερόν, ναός, σηκός, τέμενος. 42. -mpus : καιρός. <42 a.> κρόταφος. <42 b.> χρόνος. (=42) 43. -mere : ἀσκέπτως, παραδύλως. (Cic.

35. cf. 27. || 39. Verg. G. 1, 183 (-ae). || 43. cf. Acc. ap. Non. 179, 27. || 45-6. Una glossa ? || 62. Τάπης : hoc tapetum *Cyrrill.* || 63. Verg. A. 2, 436. || 64. Verg. A. 10, 857. || 65. Verg. G. 2, 3. || 66. Gaius, Inst. 4, 51 *Rudorff.* || 67. cf. Gaius, Inst. 3, 224. || 69. Verg. G. 2, 113 (-i). ||

TE 8. Tectum : στέγη « Char. » || 11. Verg. E. 7, 46, etc. || 19. cf. Gram. Lat. IV, 578, 41. (T. : ἰστός γυναικῶν). || 12. cf. Vitruv. 2, 7, 6 ? || 32. cf. 46. || 35. Cic. 3, 16 (-atem) ? Fest. 500, 8 (-ate) ?

3, 7) 44. -mnit : καταφρονεῖ. (Hor. S. 2, 2, 38 ?) 45. -mptat : πεiràζει. (Hor. C. 3, 7, 12 ?) 46. -mperamentum : [στρωμην οφίς] συγκέρασμα, ἐπαρμα. (=32 ?) 47. -mpestas : χειμών οὐχ ὁ τῆς τροπῆς. 48. -mperamus : ἀρκούμεθα, ἀπεχόμεθα. 49. -mpestivus : ἀκμαῖος, εὐκαιρος, ὠραῖος. 50. -mpori[a] : προσκαίρω. 51. -mpero me vino : ἀπέχομαι οἴνου (Char. 295, 7) 52. -mporius : ἐνωρότερον (=39) 53. -mulentus : οἰνωμένος, οἰνόφλυξ, μέθυσος. (Fest. 500, 14) 54. -nax : ἐγκρατής, περιεκτικός σκνιφός. (Verg. G. 2, 134 ?) 55. -ndicula : λαβίς καὶ χορδή· καὶ <55 a. (lentic-) > : ἀφάκη. 56. -ndit : τ<ε>ἵνει. 57. -nebrae : σκοτιάι. 58. -nebricosum : σκοτ<ε>ινόν, 59. -ner : τρυφερός. 60. -nerum : τρυφερόν. (=59) 61. -ner (-net) : κρατεῖ. 62. -nius (-nuis) : ἀρεόθριξ (-αιο-). 63. -nor : ἰσχύς, τόνος, τάσις. 64. τύπος. (=63 ?) 65. -norem : σχέσιν. (Verg. G. 2, 337) 66. -nore : περισχῆς, δυνάμεως. 67. -ntigine : τῇ διατάσει. (Hor. S. 1, 2, 118). 68. -ntigo : τοπος (τόν-), τάσις. (=63 ?) 69. -nsa : θρόνοι. (Fest. 500, 2) 70. -nsae : θρόνοι. (=69) 71. -ntio : τάσις. 72. -ntores : ἀφέται. (Off. ?) 73. -ntipellium : φάρμακον πρὸς ρυτίδας. (Fest. 500, 33.) 74. -ntorium : σκῆνη, σκῆνωμα. 75. -nues : ἰσχνούς, ἀσθενεῖς. (Cic. 2, 20) 76. -nuis : ἰσχνός. (=75 ?) 77. -nus : πέρας, μέχρι. (Fest. 505, 12.)

Terginum : ὁμοδύρσινον. (Fest. ?) 79. -pescit : χλ[ε]ῖνεται. (Verg. A. 9, 701 ?) 80. -pidum : χλιαρόν. 81. -rebrum : τρύπανον. 82. -rgit : καταμάσσει. 83. -rgiversari : φυγοδικεῖν. 84. -rqui (-rgus) : v<ō>τος, δορὰ ζῶων. 85. -rrestris : ἐπίγειος. (=113 ?) 86. -rgiversatur : περικάμπτει. (=101) 87. -rritorium : ἄγρὸς ἐπὶ κολωνίᾳ, ἐπιτ<ε>ῖχισμα, ἐνο-

ρία, περὶ χωρὸς. (Syn. ?) 88. -rra : γῆ. (Char. 34, 16) 89. -rminat : διορίζει. 90. -rminare : παραιῶσαι, πληρῶσαι. 91. -rreo : πτῦρῶ, φοδῶ, πτοῶ, ter<re>s. 92. -rmes : termes dicitur proprie caulibus olearum amborum (arb-). (Fest. 505, 10) 93. -rror : ἐκπληξίς, φόβος, φοβερισμός, πτόησις. (Syn. ?) 94. -rminalia : ὁροθεσία, ἐορτὴ ὁρίου θεοῦ. (Fest. 505, 19) 95. -rgiversatione : μελλησμός. 96. -rgiversatio : περικάμπις, φυ[σι]-<γοδικία>. 97. -rrae motus : σ<ε>ισμός [τοδικία]. 99. -rgimenta (?) : σήκωμα. (=32 ?) 99. -rritibile (?) : τατικόν (?). 100. -rit : τρέχει. 101. -rgiversatur : ἐθελοκακεῖ, περικάμπτει. 102. -ro : ἄλω. 103. -rebrat : τρυπᾷ. 104. -rminat : διορίζει. (=89) 105. -rgilla sive tergilum : φορίνη, χοίρου δέρμα. 106. -rrae fragor : χάσμα (?). 107. -rriclae : χαράκιδες. 108. -rmini : τέρμονες, ὄροι. 109. -rminus : δρ[ι]ος καὶ ὄριος θεός. (Fest. 505, 22) 110. -rrae hiatus : χάσμα. 111. -rrae malum : ἀριστολογ[ε]ῖα. 112. -rra inculta : χέρσος γῆ. 113. -rrestris : ἀπόγειος, χερσαῖος. 114. -rtio pedato : τρίτη περίοδος. (Fest. ?) 115. -rmino : τερμα[ε]κ τρίτου] τίζω, ὀρίζω, ὄρον τίθημι, τελειῶ, ψηφολογῶ. (Syn. ?) 116. -rnis : τρισίν. 117. -rginum : ὁμοδύρσινον. (=7) 118. -rrigenae : γηγενεῖς. 119. -ssellae : βόλια καὶ ψῆφοι. (Iuv. 11, 132 ?) 120. -ssellatum : ψηφοθέτημα. 121. -ssellat : ψηφοθετεῖ. 122. -squa : κατάκρημνοι καὶ ῥάχεις καὶ ἔρημοι τόποι [ἵνπερ] tescua. (Fest. 488, 12) 123. -stamentum : διαθήκη. (Char.) 124. -sticula : δίδυμοι, ὄρχεις. 125. -stificatio : μαρτυροποίημα τε (καὶ ?) μαρτυροποι[ε]ῖα. 126. -studo : καμάρα, χελώνη. 127. -stimonium : μαρτυρία. (Char.) 128. -stis : μάρτυς. 129. -sta (-u ?) : ὄστρα-

57. Verg. G. 1, 248, etc. || 78. Cf. Plaut. Pseud. 154. || 90. An Terminare<t> : -ῶσαι, -ῶσαι (Cic. 3, 26) ? || 92. Hor. Epod. 16, 45 Wey, qui confert Porph. ad loc. || 99. Tentibile : τα. Heraeus. Terribile : ταρακτικόν Goetz. || 100. Verg. G. 1, 298, etc. || 105. An delend. Tergilla sive ? || 106. cf. 110 ; vide ne male intellexerit Philox. Terque fragor (Verg. G. 4, 493). || 114. cf. Non. 64, 18. || 122. Hor. E. 1, 14, 19 Wey. || 123. cf. Gram. Lat. IV, 584, 56. || 127. cf. Gram.

κον. (Char. 35, 32) 130. -<s>era: σύμβολον, σύνθεμα, σύμβολα, σύντομα, κάλαμος, χαραιν (?) (Syn. ?) 131. -stes: μάρτυρες. (=128) και <131 a.> διδυμοι. (=124 ?) 132. -studo manus: χειρὸς τὸ ἐπάνω. 133. -ssera: κύδος, σύμβολον, σύντονον. (=130) 134. -ter: σικχαντός, ἀργάλεος. 135. -tricus: αὐστηρός, σοδαρός, ἀξιόπιστος. (=137) 136. -etrus (-os): σκοτ<ε>ινούς, ἀμαυρούς. 137. -tricus: durus, severus, αὐστηρός (-ηρ-), σοδαρός, ἀξιόπιστος, ιταμός. (Syn. ?) 138. -trum aspectu: εἰδεχθής, σικχός. 139. -tulit: ὑηηπεγκεν (-ήν-). (Fest. ?) 140. -xit: ὑφαίνει. (Verg. E. 10, 71 ?) 141. -xtrix: ὑφάντρια. (Off. ?) 142. -xtor: γέρδιος.

TH

Theatralis: θεατρικός. 2. -emilla (?) : θήκη πυρέως. 3. -amnus: ἔλιξ, βοτάνης εἶδος. 4. -imbra sive conila sive satureia: θύμβρα. 5. -ensae (ten-): ἄρμα θεῶν. (=TE 69 ?).

TI

Tibia: αὐλός. <1 a.> ἀντικνημίον. 2. -bicen: αὐλητής. (Fest. 503, 5) 3. -bi: σοί. 4. -gnum: ξύλον, δοκός. (Fest. 502, 1) 5. -lia: φιλύρα, κρονος (-άνον ?) (Verg. G. 1, 173 ?) 6. -lans (termes ?): πέρνη σκώληξ. (Fest. 495, 1) 7. -midus: δειλός. (Cic. 2, 12) 8. -mor: φόβος. (Cic. 1, 1) 9. -midus animi: δειλὸς τὴν ψυχὴν. 10. -mulus (tippula): ἐφουδρίς, ἐξάπουν ἐπινηχόμενον τῷ νώτῳ. (Fest. 503, 8) 11. -nguit: βάπτει. 12. -nia (-nea): σής.

(Prov. 25, 20 ?) 13. -nnitus: ἤχος χαλκώματος, βόμβος τρυφῶν. 14. -nniso (?) : κοιλιδερμος. 15. -nnulum: πλῆκτρον. 16. -rocinium: ἰδιωτισμός, πρωτοπειρία. 17. νεολεξία. (=16 ?) 18. -ro: νεόλεκτος. (=19 ?) 19. -rones: νεοστράτευτοι, νεοσύλεκτοι. 20. -ttex (?) : μύσταξ. 21. -tillare: fatigare. (Hor. S. 2, 3, 179) 22. -tillat: γαγγαλίζει. 23. -tio: δαλός. 24. -<n>tinnabulum: ἐξάψεις, κωδώνιον. 25. -tia: κρέα νηπίων ὃ λεγουσι ζίζει. (Fest. ?) 26. -tibat (-tub-): σφάλλεται, βαμβαίνει. (=27) 27. -tubat: πταίει, σφάλλεται, σκάζει. (=TR 89) 28. -tubo: σφάλλομαι, λακωνίζω, γλώσση βαμβαίνω. 29. -tulus: ἐπιγραφή.

TO

Togato: τηβεννηφόρω. (Cic. 2, 18, etc.) 2. -fi: πῶροι λίθοι. 3. -lare (-rale): περίκλ[ε]ινον [tolareni]. (=16) 4. -lerare: ὑπομεῖναι. (Fest. 490, 6) 5. -lerabiliter: ἀνεκτῶς. 6. -llit: ἐπαίρει, ἀνατρέπει, ἐγείρει. 7. -lutarius: βαδιστής. 8. -lлено (-lenno): κηλῶν<ε>ιον. (Fest. 490, 3) 9. -lus (?) : τριπτήρ. 10. -lle: λαβέ. 11. -lae (-les): παρίσθμια. (Fest. 490, 9) 12. -lia (-les): παρίσθμια. (=11) 13. -lerat: ὑπομένει. [adsaecula] 14. -luberna (?) : ads[a]ecula, παράσιτος εὐτράπελος. (Fest. ?) 15. -larius (?) : πλεονοτροφος (?). 16. -rale: περίκλ[ε]ινον. 17. -mentum: κνάφαλλον. 18. -ndet: κείρει. 19. -nsillae: παρίσθμια. (Fest. 490, 10) 20. -nitrum: βροντήν. 21. -nitru: βροντῆς. (=20 ?) 22. -nsae: κῶπαι. (Fest. 488, 32 ?) 23. -nsor: κουρεσς

Lat. IV, 584, 50. || 131. *Forsitan* T.: testicula δίδ. ὁρ. (Hor. S. 1, 2, 45 ?) || 134-8. *Taet-* cod. || 141. cf. *Digest*. 15, 1, 27. || 142. Hor. E. 1, 10, 13 (-ore)?

TH 4. cf. CU 46; SA 146.

TI 1. Hor. A. P. 202, *Wey*. || 12. *Vix* Verg. G. 4, 246 (-ae). || 24. cf. *Hermen*. ('Εξάψεις: tintinnabulum.) || 25. cf. MU 55 *et not. ad loc.* || 29. *post* TO 1 *in cod.*

TO 7. cf. TU 18. || 9. *Torulus Heraeus* (cf. 48; 26). || 10. Verg. A. 6, 370, etc. || 15. cf. 29; 40; 38. || 16. Hor. S. 2, 4, 84 (-ia) ? || 19. cf. 11-2. || 22. *vel* Verg. Aen. 7, 28. cf. *Cyrrill*. (Κῶπη: ... tonsa. Virg. libro VII « luctantur marmore tonsae ».)

(-εύς). 42. -nsus : καρ<ε>ίς. 25. -rvum : λοξόν. (=51) 26. -rculare : ληνός. (« Char. » 554, 30) 27. -rpor : φρίκη, νάρκα. (Char. 86, 11 ?) 28. -rpedo : νάρκα. (Char. 86, 11 ?) 29. -ranus (?) : ωλενοστροφος (?). 30. -rmenta : μάγγανα πολεμικά. 31. -rmina : δισεντέριον (δυσ-). 32. -rmentum : βάσανος. (« Char. » 554, 30) 33. -rnatum : τετορευμένον. 34. -rqueat : βασανί<σ>-θῆ. 35. -rques : στρεπτοί, μανιάκις. (Verg. G. 3, 168 ?) 36. -rquet : βασανίζει, στρέφει. 37. -rrens : χ<ε>ιμάρρο<υ>ς, ῥ<ε>ϊθρον. (Fest. 482, 33) 38. -rus : ωλένη. 39. -rum : ωλένην. (=38) 40. -ranus (-rarius) : ωλενο[σ]τροφος. (Fest.) ? 41. -rris : δολός (δαλ-) μέγας. 42. -rret : φρύττει. 43. -rrens : χειμάρρους. (=37) 44. -rtio : στρόφος. 45. -rtile : στρεπτόν. (Verg. A. 7, 351) 46. -rtum (-um ?) : κολλούρια. 47. -rtor : βασανιστής. (Hor. C. 3, 5, 50 ?) 48. -rculae : ἐλεοτριβεῖα (ἐλαι-). 49. -rtus : καμφθείς. (Verg. G. 4, 121 ?) 50. -rmem(-en) : κολουειν(?). 51. -rvum : λοξόν, σκυθρωπόν, παμφόβρον. (Fest. 484, 27-8) 52. -rvus : τραχύς. (=51 ?) 53. -rus : στρωμή. 54. -t : τοσοῦτον (-οι) καὶ τοσαύται. 55. -stus : νεφυ<γ>μένος (πε). 56. -tum : ἔλον. (Cic. 1, 18 ?) 57. -tidem : τοσαυτάκις, τοσαύταις ἐπὶ ἀριθμῶν. 58. -tiens : τοσαυτάκις. (Cic. 1, 11) 59. -rtula (-rcula ?) : τροχιλέα.

TR

Trabes : δόκοι τετράγωνοι. (Fest. 504, 4) 2. -cta : λάγανα. (?) 3. ψηλάφησον. 4. ἐλκύσματα, μηρύματα. 5. -ctat : ψηλαφᾷ (=3 ?) 6. -ctamus : ἐξερυνουμεν (-ῶμεν).

7. -ctabitur : ἐξετάζεται. 8. -ctum : ζήτησιν. 9. -ctare : διαχειρησαι (-ρίσ-). 10. -ctatores : παρακομισταί. 11. -ctimque : iugiter continuatim. (Verg. G. 4, 260) 12. -ctibus : τοῖς τρακτάτοις καὶ ταῖς δικαιο-λογίαις. 13. -ctabilis : εὐψιλάφητος (-ψηλ-). (Verg. A. 4, 439 ?) 14. -ctave-rint : ψηλαφήσωσιν, τυ<π>ώσωσιν. 15. -do : παραδίδωμι [πώσωσιν], <πα>ραβάλλω. 16. -ducit : ἐξάγει. 17. -ductio : ἐξαγωγή. 18. -duco : κέστρος. <18 a. (?)> : ὄχημα δίχα τροχῶν. 19. Trepallus : Πρίαπος. 20. -gula : κερκίς, βολίς. (Fest. 505, 6) 21. -hea : πυκάνη τὰς βώλους ἀφανίζουσα. (Verg. G. 1, 164) 22. -hit : σύρει. 23. -iectus : διαπέραμα (=26) 24. πόρος. (=26) 25. -icit : μεταβάλλει. 26. -ectus : διαπέραμα, πόρος et quae ex eo componuntur : ad traiectum : πρὸς τὸν πόρον ; in traiecto : ἐν τῷ πόρῳ ; ad traiciendum : πρὸς τὸ διαπερᾶσαι ; in traiciendo : ἐν τῷ διαπερᾶσαι. (Char ?) 27. -iectum : διαπέραμα. (=26) 28. -ma : κρόκη, πλοκή, ποδάνη (βοδ-). 29. -mes : τρίχος, πάροδος. (=30) 30. via angusta. (Hor. S. 2, 3, 49) 31. -nat : διανήχεται, διαπερᾷ (Verg. A. 4, 245 ?) 32. -natat : διανήχεται. (=31 ?) 33. -nquilla : ἀλκυὼν ἀρχ<αίως>, γαλήνη. (Fest.) 34. (-um ?) : γαλινά (-λην-). (=33) 35. -nquillitas : γαλήνη. 36. -nquillum : γαληνίδιον. 37. -nquillus : γαλινός (-ην-). 38. -ice : μεταθές. 39. -nsactio : τελεσμός, συμβιβασμός, πέρας, περαίωσις [α]. (Syn. ?) 40. -nsenna : ὑσπληξ, <ἀ>παλλαγή, μαππαρίου σημείον. (Fest. ?) 41. -nsac-tum : παρελθόν, τετελεσμένον. (Cic. 3, 15) 42. -nsripticus (-iis) : μεταγραφ-τέοις. (Off. ?) 43. -nsactiones : διαλύσεις,

28. cf. TU 50. || 29. cf. 15 ; 40 ; 38. || 36. Verg. A. 1, 108, etc. || 40. cf. Plaut. Mil. 696. || 49. Hor. E. 1, 18, 38 Wey. || 55. Verg. G. 1, 298 (-as). || 57. Verg. G. 2, 100, etc. || 59. Torquilla *Cyrrill.* cf. TR 141 (Trogala).

TR 11. cf. IU 36 (Iugiter : ἐφεξῆς) ? || 18. Tragula (cf. 20) ? || 18 a. Trahea (cf. 21) ? || 19. i. e. Triph- (cf. Priap. 83, 9) ; cf. 90. || 25. Verg. A. 10, 400, etc. || 33. cf. Varr. L. L. 7, 88. cf. Plaut. Cas. 26 (tranquillum est, Alcedonia sunt circa forum) unde conicio Alcedo : ἄλκ. ἀρχ., Tranquillum : γαλ. (*nimirum Festus laudaverat hunc versum*). || 42. cf. Gaius, Inst. 3, 128.

συμβιθασμούς. 44. -nsactus : ἀπηρτισμένος, πεπεραιωμένος. 45. -nsfixus : διαπεπερονημένος (-πεπερον-), ἐνδιδιλλεπερ<ον>ημένος (-δια-). 46. -nsfiguro : μεταμορφῶ, μετα[σ]χηματίζω. 47. -nsfigurabo (-atio) : μεταμόρφωσις. 48. -formatio : μεταμόρφωσις. (=47) 49. -nsfixum : διαπεπερονημένον. (=45) 50. -nsfiguramus : μεταμορφοῦμεν. (=46) 51. -nsfretat : διαπορθμίζει. 52. -ns : πέρα, ἀντί[ς]. 53. -nsfluminales : περατικοί. 54. -nsfer[e]t : μεταφέρει. 55. -nsfuga : αὐτόμολος. (Fest. 236, 13) 56. -nsfigit : ἀπαρτίζει, διακόπτει. 57. -nsitus : πάροδος, δίοδος, πέραμα. 58. -nslatus : μετενεχθείς. 59. -nslucidum : διαφανής, διαυγής. 60. -nslaticia : μεταβολιμαία. 61. -ns mare : πέραν θαλάσσης, διαποντίου. 62. -nslire : ὑπεράλλεσθαι. 63. -nslire (-sil-) : ὑπερπηδῆσαι. (=62) 64. -nsmarina : διαπόντιος. (=65) 65. -nsmarina latio : διαπόντιος διωρλά. 66. -nsnominatio : μετωνυμία. 67. -nsnominat : μετονομάζει. 68. -nsversum : πλάγιον. 69. -nsverso gradu : πλαγίου βαθμοῦ. (Off. ?) 70. -nsitum : πάροδος πλοίου. 71. -nstrum : ζυγὸν σκάφης. (=72) 72. -nstra : ζυγὰ σκάφης, κηλίδες (κληί-). (Fest. 505, 3) 73. -nsvehere (-hi ?) : διαπλευσαι. (=76) 74. -nsigere : διακόψαι. 75. -nsfixum : διαπεπαρμένον. (=49 ?) 76. -nsveni (-hi) : διαπλευσαι, διακομισ-<θῆναι>. 77. -nsversum : πλάγιον [θηνε]. (=68) 78. -petum : ἐλαίων μύλος, ἐλαιουργεῖον. (Verg. G. 2, 519 ?) 79. -nsvaricat : ὑπερδίνει. 80. -fan (?) : τριχεα (?).

Tremo : τρέμω, tremui. (Char. ?) 82. -mor : τρώμος, φόδος. 83. -mesco : τρέμω, tremui. (=81 ?) 84. -pida : φοδερά. 85. -pidare : τρέμειν, ἀγωνιᾶν, φοβεῖσθ<α>ι. 86. -pido : ἀγωνιῶ, δειλ<ι>ῶ, πτύρομαι,

πτοοῦμαι, ὀπνοοῦς (-νοῶ). (Syn. ?) 87. -pidatio : ἀγωνία [στησ πε]. 88. -pidat : festinat[ριδεσμαι] (Hor. E. 1, 10, 21) 89. -titubat, σφάλλεται, πταίει, βαμβάλλει. (Hor. C. 2, 19, 5) 90. -pallus : Πρίαπος. (=19) 91. -s : τρεῖς.

Triangulum : τρίγωνον. 93. -buta : ἐπιτάγματα. 94. -butum : τέλοςμα, ἐπικεφαλλίον (-λεῖον). 95. -buuntur : παρέχονται. 96. -buit : ἀπομερίζει, ἀπονέμει. 9. -bunal : βῆμα καὶ <97 a. (-buit)> : ἀπέν<ε>ιμεν. (=96) 98. -bunus plebis : δῆμαρχος, φύλαρχος. (Cic. 1, 4 ?) 99. -butis : ἀπονενεμημένο<ι>ς 100. -buo : περιζω (πορ-), νέμω. 101. (tetinero ?) : tinuero (te-). (Fest. 300, 31) <101 a. (truo)> : ὀνοκρόταλον. (Fest. 504, 21) 102. -bulatio : θλίψις. (Bibl.) 103. -buunt : περιποιοῦσιν. 104. -bunus : χιλιάρχος. 105. -bula : τυκάνη. (Verg. G. 1, 164 ?) 106. -bunatus : χιλιαρχία. 107. -butum capitulare : ἐπεκεφάλαιον, φόρος. (Off. ?) 108. -bus : φύλη. 109. -cosus : ἀχρεῖος, λαγγών, δυσ<έκλυτος>. 110. -codatum (?) : τρίτομον[εκλυτος]. 111. -dens : τριοδόντιον, τρίλινα (-αινα). 112. -ennalis : τριετηρικός. 113. -garium : τόπος ὅπου ἔπποι γυμνάζονται. 114. -fariam : τριχῶς. 115. -folium : λωτός, τρίφυλλον. 116. -mo : τριετοῦς. (=117) 117. -mus : τριετής. 118. -ones : ἄμαξαι. (=119 ?) 119. βόες ἀρχαίως. (Fest. 456, 1) 120. -pertita : τριμερῆ. 121. -sulci : τρίσχιστοι. (=122 ?) 122. -sulcis (-us) : τρίστιχοι (-ος), τριαύλαξ, τρίσχιστος. (Verg. G. 3, 439 ?) 123. -ticum : σῖτος, πυρός. 124. -pertita : τριμερῆ. (=120) 125. -pu diatio : χορ<ε>ία ἱερώς περὶ τὸν βωμόν. (Fest. ?) 126. -pes ferreus : πυριστατής. 127. -plex : τρίπλους. 128. -remis : τριήρης. 129. -[p]lex : τρίμιτος. 130. -pes : τρίπους. (Hor. S. 1, 3, 13 ?) 131. -stior :

47-8. *Una glossa* ? || 61. *An* διὰ πόντου ? ἀντιπέραν θ. *Cyrril.* || 69. cf. Gaius, *Inst.* 1, 60. || 70. *An* Agea : tr. πα. πλ. (cf. AG 3) || 84. Verg. A. 4, 642, etc. || 89. cf. TI 25-6. || 92. cf. Norden (*Neue Jahrb. Wiss.* 1, 35). || 97. Cic. 1, 32 ? || 110. cf. 142. || 111. Verg. G. 1, 13, etc. (-ti). || 113. cf. Funck (*Arch. Lat. Lex.* 6, 565). || 118. cf. Verg. A. 1, 744, etc. || 125. cf. Fest. 498, 25 (tripudium). || 129. Verg. A. 3, 467 (-licem).

στυγνότερος. (=132) 132. -stis : στυγνός, λυπηρός. 133. -stities : λύπη. 134. -vium : τρίοδος. 135. -tura : ἀλόγησις, ἀπότριψις. (Verg. G. 1, 190) 136. -umphus : θρίαμβος. 137. -tum : perfectum. (Hor. S. 1, 3, 91) 138. -xago : χαμεδρυς (-μαί-). 139. -umvir : παραφύλαξ. <139 a. (-umviratus)> : τριανδρικόν. 140. -tor : τορευτής.

Trogala (-ehlea) : τροχιλέα, χαλῖς (?). 142. -icotadum (?) : τρίτομον. (=110) 143. -opeum : τρόπεον, τρόπαιον. 144. -oito (-acto) : χειρίζω, ψηλαφῶ. 145. -opeoforum (-phor-) : quo tropeum portant. (?)

Trucem : χαροπόν. 147. -cidari : ἀναιρεθῆναι. (Cic. 1, 9) 148. -cidat : κατασφάζει, μαιφονεῖ, ἀναιρεῖ. 149. -culentus : ἰταμός, ὠμός. 150. ἐλεύθερος. 151. -dit : ὠθεῖ, ἐρεῖδει. (Verg. G. 2, 335 ?) 152. -culentum : ἰταμόν. (=149) 153. -lleum et guttum et aquiminale : χέρνιβον, ξεστόν. 154. -men (?) : τρυχός τριχινοσεν (?). 155. -lla lignea : ζωμῆρυσις. (Fest. 28). 156. Torunda : κολλύρια, ἐνκόλλουρα. (Fest. ?) 157. -uncus : κολοβός. (Fest. ?) <157 a.> κορμός. <157 b.> ἀκέφαλος, ακροτετημμένος (ἀπο- ?). (=157 ?) 158. στέλεχος. (=157 a. ?) 159. -ncat : ἀκροτομεῖ, κολοβοῖ. 160. -sulus (tross-) : ὁ ἐν μικρῷ παχύς. (Sat. ?) 161. -tina : τριτάνη (τρυ-). 162. -x : ἀπότομος, ἰταμός. 163. -llaria : ζωμάρυστρον. 164. -ngulus (-nc-) : κολοβός, ενκαλωος (?). (Fest. ?)

TU

Tuba : σάλπιγξ. 2. -ber : ἀπόστημα. 3.

-bera : κολουδια (κολούδνα ?). 4. -ber<os>us : τυλώδης. 5. -bera terrae : ὕδνα. (Iuv. 14, 7) 6. -bi : ἐξαγωγεῖς, ὑπόνομοι. 7. σωλήνες. (=6) 8. -bicines : σαλπικταί. 9. -bicines (tib-) in berro (?) : ἀντηρίδες δόκοι. (Fest. ?) 10. -cca : κατάχυμα ζωμοῦ. 11. -ccetum : ζωμός παχύς. (Sat. ?) 12. -dicula : τορόνη. 13. -etur : κέδεται (κ ή-), συντηρεῖ, φυλάσσει. 14. -gurius (Fest. 486, 6) <14 a. (tuto)> : στερεῶ, βεβαίω, σταθερῶ. 15. -mex : σμῶδιξ, αἰματώδης τόπος. 16. -dos (todillus) : tudeculus (todillus), ἐρίθαιος. (Fest. 480, 23) 17. -diatores : χαλκότυποι. 18. -lutanus (tolutarius) : βαδιστής. (=TO 7) 19. -ear : ἀσφαλίσωμαι. 20. -itur (-et-) : κ ήδεται. (=13) 21. -m : <ε>ῖτα καὶ τότε. 22. -muli : βουνοί, λόφος (-οι), τύμβοι, τύμβα, σορδιλα (?). 23. -mulis : βουνοῖς. (Verg. G. 2, 276 ?) 24. -met : οἰδαίνει. (Hor. C. 1, 13, 4 ?) 25. -mor : οἶδιμα (-δη-). (=26) 26. οἶδητης (-δημα ?), οἶδησις. 27. -multuator : δχλοκόπος. 28. -multiores : ἀτακτότεροι. 29. -mulus : τύμβος. (=22?) <29 a. (-multuator)> : θορυβεῖ, θυρραλεῖ. 30. -multuatur : θυρραλεῖ. (=29 a) 31. -multus : κοσκεδιον (?), θόρυβος. 32. -nc : tum [ι], τότο (-ε). 33. -ndit : θλῆ, λεπτοκοπεῖ. (Verg. A. 10, 731 ?) 34. -nica : χ[ε]ῖτων. (=35) 35. -niis : χ[ε]ῖτων. (Cic. 2, 22) 36. -lit : ἤνεγκεν, ὑπῆνεγκεν. 37. -rbelix : δῖχλος, ὀρνέου εἶδος. (Fest. ?) 38. -rbo : ῥόμβος, πριστήρ (πρη-) καὶ συστροφῆ ἀνέμων, ἱλιγξ. 39. -rbine : πριστήρ (πρη-), θυέλλη. (Verg. G. 1, 320, etc. ?) 40. -rbulentum : παραχῶδες. (Cic. 2, 21) 41. -rba : δχλος

136. Cic. 3, 26 (-os) ? || 141. cf. TO 59. || 143. Verg. G. 3, 32 (-a). || 145. Hinc Not. Tir. 46, 17. An Tr: qui tr. portat ? || 153. cf. AQ 5; GU 7. || 154. τρ. τρυχινόν *Vulcanius*. || 155. cf. 163. || 156. cf. Ansil. (Turundas : panes). || 150. Goetz conf. Schol. in Pers. 1, 82.

TU 1. Cic. 2, 13 (-as) ? || 9. in muro *Buecheler*: in versu *Heracius* (cf. Serv. Aen. 6, 186 est versus de his qui tibiae vocantur, quibus datur aliquid ad solam metri sustentationem): viz in Vergilio. || 11. cf. Pers. 2, 42. || 14. sine interp. Σκηνη ἀγροίκων vel Καλῖδος ἀγροίκου οἰκημα vel Καλύδης vel Καλύδιον *Cyrril*. || 26. Verg. A. 8, 40. || 35. cf. TA 27 (talaribus); Hor. E. 1, 18, 33 *Wey* (non recte). || 37. Turdelix : κη ήλα *Martinius* (cf. 42). || 39. Hor. S. 1, 4, 31 *Wey*.

καὶ παραχῇ. 42. -rdus : κίχλα. (« Char. » 552, 21) 43. -rges : σφυγμός. 44. -rgidus : inflatus. (Hor. S. 1, 10, 36) 45. -rgit (-et) : φλεγμενεῖ (-μαίν-), τετάρακται. 46. -ribulum : θυμιατήριον. (Apo. 8, 3?) 47. -rma : λόχος. <47 a. (-rba ?)> : διαδρομή. 48. -rtis : πύργος. 49. -rs (tus) : polle<n>, μάννα. 50. -rpedo (tor-) : νάρκα. (=TO 28) 51. -s : polline (-en), μάννα. (=49) 52. -rpes : αἰσχροί, δνείδ<ιστ>οι. 53. -s : λιθανωτός, θυμίαμα. 54. -ssis : βήξ· καὶ <54 a.> βήσσεις. (=55) 55. -ssio : βήσσω. 56. -ta : ἀνενόχαντα (-χλητα). (Hor. E. 1, 15, 44 ?) 57. -tela : παράσημον, προστασία, ἐπιτοπή, ἀσφάλ<e>ια καὶ παράσημον [καὶ] πλοίου. (Syn. ?) 58. -tor : ἐπίτροπος ὀρφανοῦ, φροντιστής. (Off. ?) 59. -tus : ἀσφαλής. 60. -us : σός. (Cio. 1, 1 ?)

V

VA

Vacat : σχολάζει, εὐκαιρεῖ. (Hor. C. 3, 18, 11?) 2. -ca : δάμαλις, βοῦς. 3. (vas-ca) : μελετητικὸς αὐλός. (=68) 4. -cillant : λεκανί<x>ζουσι, βαμβαίνουσιν. (Cio. 2, 21) 5. -ccinium : αγκουσα (ἄγχ-), ὀκνίθος. (Verg. E. 2, 18, etc.) 6. -cillantes : κρεπαλῶντες (κραί-). 7. -cillator : συκοφάντης. 8. -cillat : ὑποχωλεῖ, ὑποσκάζει. 9. -civus : εὐκαιρος. (Fest. ?) 10. -cua : κουφά καὶ σχολάζοντα καὶ <10 a.> σχολάζουσα. 11. -cuius : εὐσχυλος εὐκαιρος. (=9 ?) 12. -da : βράχῃ. (Char. 34, 9) 13. -de : ὑπαγε, ἀπιθι. 14. -dative (-datur) : κατεγγυᾶται, μετὰ παραγγελίας συντάσσεται. (Fest. ?) 15. -des : ἔγγυοι, ἀνάδοχοι. (Fest. 519, 10)

16. -dimonium : ἑγγύη, ἱκανοδοσία. (« Char. » 554, 32) 17. -dit : ἀπέρχεται.

VE

Vegetus : λυγαῖος (?). 2. -vors : ἐμμανής. (Fest. 512, 12) 3. -sania : μανία. <3 a. (-sanus)> : <μ> ἢ α<l> δεσθεῖς, μανίαν ἐμδᾶλλον, περίεργος.

VA

Vafer : δόλιος, πανουργος (-οὔργ-). (Hor. S. 1, 3, 130 ?) 19. -le : σῶζου. 20. -ge : rassim (passim), σποράδην. 21. -gina : κολεδες, ξιφοθήκη. (Cio. 1, 4) 22. -let : ἰσχύει, ὑγιαίνει. 23. -lentes : ἰσχύοντες. 24. -gitus : ὁ τῶν βρέφων κλυθμός καὶ μυγμός. (Verg. A. 6, 426) 25. -gna seu cuppa : βοῦτις μεγάλη ἥντινες γαυλὸν καλοῦσ[ε]ιν. (=CU 55) 26. -gus : δ[υ]-λήτης, ῥέμβος, πλανήτης. 27. -litudi neium (-narium) : ὑγιαστήριον, διαιτητήριον. 28. -let : ἄξιόν ἐστιν. 29. -leat : ὑγια<l>νῃ. (Cio. 3, 29 ?) 30. -litudo : ῥῶσις, ὕψος. 31. -lg[i]um : στρεβλόν. (Fest. 514, 9) 32. -lidus : ἰσχυρός. 33. -litudo longa : ἀσθέν<e>ια μακρά. 34. -lnus (-llis) : φαλαγξ (φάρ-), χαράδρα. 35. -lde : πανυ, ἄγαν. (Cio. 2, 25) 36. Balbae : ψελλαί. (=38) 37. Balba : ψελλή. (=38) 38. Balbus : ψελλός. (=BA 17) 39. -lvae : per U vocalem si scribantur, significant θύρας ἱεροῦ καὶ θύρας ἱππικοῦ καὶ θύρας διπιωτάς (διπλ-). 40. παραστάδες, θύραι. 41. -luisti : ἰσχυσας. (Cio. 1, 18) 42. -lle<m> : στενόν. 43. -lles : βῆσσαι, νάπαι, φάραγγες. 44. -llis : φάραγξ. (=34) 45. -liditas : ἀλκή. 46. -niloquus : ματαιολόγος. (Fest. ?) 47. -niloqua :

52. Hor. C. 2, 20, 22. || 58. cf. Gaius, Inst. 1, 148, etc.

VA 9. cf. Ter. Heaut. 90 (-vum tempus). || 13. Verg. A. 3, 462, etc. || 14. cf. Plaut. Pers. 289. || 16. Gaius, Inst. 4, 184 Rudorff : ἱκανοδ. om. Char.

VE 1. Vietus : λύγιος Heraeus. || VE 4 post UD 1.

VA 19. Verg. E. 3, 79, etc. || 22. Verg. A. 3, 415, etc. || 23. Verg. G. 2, 426. || 29. Hor. E. 1, 2, 49 Wey. || 31. cf. 58. || 36-9. Una glossa ? || 39. An ex Char. ? an ex Festo ? || 46. cf. Plaut. Amph. 379.

ματαιολογεῖ. 48. -nus : σκαῖός, μάταιος, κενός. 49. -por : ἀτμός. (« Char. » 552, 22) 50. -ppa : ὀξίνας. (Hor. S. 1, 5, 16 ?) 51. -pulat : δέρεται. 52. -rguus (valgus) : βλησός (βλαι-). 53. -ria : ποικίλη πάρδαλις. 54. -rices : κρησσοί (κρι-). 55. -rietas : ποικιλ[ε]ία. 56. -ricat : ὑπερβαίνει. 57. -rius : Ἰονθος, σκαμβός, ποικίλος. 58. -rtivus (?) : στρεβλός. 59. -s : ἀγγ<ε>ῖον, σκεῦος. 60. -sa : ἀγγεῖα, σκεύη. (=59) 61. -sarium : κιλικ<ε>ῖον (κυλ-). 62. -stitatem : πόρθησιν. (Cic. 1, 12) 63. -stare : πορθῆσαι. (Cic. 1, 3) 64. -statione : πορθήσει. (Cic. 2, 18) 65. -stint (-ant) : λυμαίνονται. 66. -strapes : φριμνάλια. (?) 67. -stat : πορθεῖ, πολιορκεῖ. 68. -sca : μελ<ετ>ητικός αὐλός. 69. -statio : λεηλασία. 70. -stitas : <70 a. (urtica)> : κνίζα, κνίδη. (=UR 10) 71. -tes : ποιηταί, προφήται, μάντιες. (Verg. A. 6, 65 ?) 72. -tillum : π[ο]υράμ[μ]η. (Hor. S. 1, 5, 36 ?) 73. -ticinatur : φοιβάζεται. 74. -gitus : μυκηθμός. (=24 ?)

UD

Utherosum : γόνιμον. 2. -errima : εὐφορωτάτη. <2 a. (-ae)> : εὐφορωτάται. 3. -i : ὅπου. 4. -era : θηλαί, οὖθατα, μαστοί. 3. -errimum : εὐφορώτατον. (=2) 6. -icumque : ὅπου δῆποτε, ὅπου ποτ' ἂν. 7. -ique : πανταχῇ καὶ πανταχοῦ.

UD

Udum : ὑγρόν, βεβεργμένον.

VE

Ve : τέ, ἦ. 5. -etigal : φόρος, τέλος. (Fest.

508, 18) 6. -cordia : ἀνδία (ἄνοια). 7. -ctor : ἐπιβάτης. (Verg. E. 4, 38) 8. -ctigalia : πρόσοδοι πολιτικά. (Cic. 2, 25.) 9. -ctus : κομισθείς. 10. -getis (-us) : ἀκμάζων. 11. -cors : ἄνους. (=2 ?) 12. -ctis : μοχλός σιδηροῦς. 13. -ctura : φόρετρον, ναῦλον. (Fest. ?) 14. -ctigali[or]um : τῶν συντελεσμάτων. 15. -ctor : πορθμεύς. (=7 ?) 16. -ctores : ἐπιβάται. (=7) 17. -cordia : ἄνοια (-οια). (=6) 18. -hemens : alacer, σφοδρός, γενναῖος, δυνατός. 19. -hiculum : ὄχημα. 20. -l : ἦ. 21. -lamen : φαρσός, ἱμάτιον, κάλυμμα. (Verg. A. 1, 649, etc.) 22. -lamentum : στέμμα. 23. -lat : καλύπτει, σκέπει. (Verg. A. 5, 72 ?) 24. -la : ἄρμενα, αἱ τοῦ ἰ<σ> τοῦ δθόναι. 25. -llem : θέλωμι, θελήσο<ι>μι, οφελος (ὄφελον). 26. -llicat : κατακνίξει. (Fest. ?) 27. -lim : ὄφελον, θελήσαιμι, βουλοίμην. 28. -llus : πόκος. 29. -llit : τίλλει. 30. -lox : ὠκύς. 31. -lum : παραπέτασμα. 32. -lut : οἶονεῖ, ὥσπερ. 33. -na : ζλέψ. 34. -nae : φλέδες. (=33) 35. -nabulum : ζηδύνη (ζι-). (Fest. 453, 10) 36. -nale : πράσιμον. 37. -nalitarius : σωματέμπορος. (Off. ?) 38. -nator : κυνηγός. 39. -ndit : πωλεῖ. 40. -neficus : φάρμακος. (Cic. 2, 7, etc.) 41. -nena : φάρμακα. 42. -nerari : προσκυνεῖν. (Cic. 1, 24, etc.) 43. -ndidit : πέπρακεν. (Verg. A. 6, 621 ?) 44. -nefica : φαρμάκου γυνή. 45. -nerarius (-nenar-) : φαρμακεύς. 46. -neratio : τιμή, σέβασμα. 47. σεμνότης. 48. -nenum : θανάσιμον φάρμακον. (Verg. G. 2, 378 ?) 49. -neratur : προσκυνεῖ, σεμνύνεται. (Hor. Carm. Saec. 49 ?) 50. -nerationi : σεβάσματι. 51. -nerabilis : προμνηστιαίος (?), σεβάσιμος. 52. σεμνός (=51) 53. -nis :

52. cf. 58. || 58. *An Valgus (=31 ?) ? an Vatinius (Fest. ?) ? an Vatiis ?* || 65. *Vastent corr. Goetz.* || 66. *i. e. feminalia. Vox exstat in Rufin. — Hegesipp. 3, 7, 1. Vide ne fuerit etiam in Itala.* || 68. cf. 3. || 70. *sine interp. ; pert. ad 69 ?*

UB 2 a. *An -a : -α[ι]* (cf. 5) ?

VE 3 ante VA 18. || 10. *An reuera Vegetis (tert. declin.) ?* cf. VI 42. || 13. cf. Plaut. Most. 823. || 14. cf. Cic. Leg. Agr. 1, 24 ? || 23. Hor. E. 1, 17, 25 *Wey.* || 26. cf. Plaut. Most. 834. || 29. Verg. A. 2, 480, etc. || 34. Hor. S. 2, 3, 153 *Wey.* || 35. σιβ. *vel* ζιβ. *Cyrrill.* || 37. cf. Digest. 14, 4, 1, etc. || 44. cf. ST 87.

φλεψίν (Cic. 1, 81) 54. -ni<i>t: ἐπ[α]ράθη. 55. -nia : συγ<γ>νώμη. 56. -niit : ἐπράθη. (=54) 57. -ne<r>or : ἐντρέπομαι, θρησκειώ. 58. -nit : ἤκει. <58 a.> πωλεῖται. καὶ <58 b.> ἔρχεται. (=58) 59. -nter : κοιλία. 60. -ntilat : ῥίπτει, ῥιπίζει. (Iuv. 1, 28 ?) 61. -ntilator : ὀπλοπετής καὶ λικμητής. 62. -ntrale[s] : κοιλιόδεσμος, φοῦνδα. (« Char. » 554, 32) 63. -ntr<i>o-sus : πρόκοιλος, προγάστωρ. (Fest.) 64. -ntiletur : συγκροτεῖται, δικάζεται. 65. -neria : ἀμάραντος. 66. -ntilare : γυ<μ>-νάζεσθαι. 67. -ntricoli (vertic- ?) digiti : σκυτάλαι. 68. -ntriculus : γαστροκνημία. 69. -ntus : ἄνεμος. 70. -nus : Ἀφροδ[ε]ίτη. 71. -nustus : ἐπαφρόδ[ε]ιτος. 72. -r : ἔαρ. 73. -pres : θάμνοι. (« Char. » 548, 36) 74. -ratrum : ἀμέθορος (ἐλλ-). (« Char. » 554, 7) 75. -rba : ῥήματα. (=82) 76. -rbena : θαλλία. (Verg. E. 8, 65, etc. ?) 77. -rbenna : <77 a. (vervactum)> : terra proscissa aratro, id est vomere actum. (Fest. ?) <77 b. (verberat)> : μαστιγοῖ. 78. -rberatio : ἐκία (αί-), βάσανος. 79. -rberatus : μαστιγθεῖς. 80. -rbi gratia : λόγου χάριν. 81. -rborum suavitas : πιθανολογ[ε]ία. 82. -rbum : ῥήμα. 83. -rbosus : ἀδόλοςχος, φλοιδρος (φλύαρ-). 84. -rbum commodat : λογοποιεῖται. 85. -recundia : αἰσχινή (-ύνη). 86. -recundus : αἰδήμων. 87. -recundatur : ἐντρέπεται. 88. -re[cu]ndum : εὐλαδῆταιον (-έον). 89. -redus : πῶλος. 90. -reor : ἐντρέπομαι, ὑφορῶμαι. 91. -ratrum (-ret-) : αἰδοῖον. 92. -retur : φοβ<ε>ίτε (-αι). 93. -rgiliae : Πλειάδες. (Fest. 510, 15) 95. -rgit : ῥέπει, ἐπικέκλιται κε (-al) ἀνατρέπεται. 95. -risimile : εἰκός, π[ε]θανόν. 96. -ritas : ἀλήθεια. 97. -riloquium : ἐτοιμολογ[ε]ία (-τυμ-).

Vermiculi : βάλανοι ἐπὶ τοῦ κλ<ε>ίθρου καὶ ὀδελσχοί. 99. ὀδελσχοί. (=98) 100. -rmiculus : βάλανο[υ]ς. (=98) <100 a.> σκώληξ. (=102 ?) 101. -rminat : σκωληκιᾶ. 102. -rmis : σκώληξ. 103. -rna : οἰκογενής. 104. -rnaculus : θρεπτάριον, οἰκοτραφές. 105. -rnilis : πολιτικός. 106. -redo (?) : ικεας τυχων (?). 107. -rius : ἀλγθέστερον. 108. -rpus : δρῖλος καὶ ὁ μέσος δάκτ[ο]υλος τῆς χειρός. λέγεται δὲ καὶ ὁ ἐπιπόδερος. 109. -rnula : οἰκογενής ὑποκορι<σ>τικῶς. (=103 ?) 110. -rriculum : σαγήνη. 111. -rris : κάπρος. (Hor. C. 3, 22, 7 ?) 112. -(pres ?) : παλιουρ[γ]ός, σφάλαξ. 113. -rsificatio : στιχοποι[ε]ία. 114. -rrit : σαροῖ. (Verg. G. 3, 59 ?) 115. -rruca : μυρμηκία. (=117) 116. -rrucosus : μυρμηκία[ι]ς. 117. -rrucae : ἀκροχορδόνες, μυρμηκ[ε]ία. 118. -rruca : ἀκροχορδόνιον (=117 ?) 119. -r[r]utum : θυλακόβολον. 120. -rrucis : ἀκροχορδόνιον. (Hor. S. 1, 3, 74) 121. -rsat : στρέφει. 122. -rsicoloria : ποικιλόχροα. 123. -rsipellis : χαμελέων (-μαι-). (=124) 124. -rsipellio (-is) : χαμελέων. (-μαι-). (Prov. 14, 25 ?) καὶ <124 a.> αὐκάνθρωπος (λυκ-). (Sat. ?) 125. -rsus : στίκος (-χος). 126. -rsutus : πολύτροπος, ποικιλόφρων. (Prov. 12, 23 ?) 127. -rtebrae : σφό<ν>δυλοι. 128. περόναι. 129. -rtex : ἱλιγξ ὕδατος. (Char. 88, 19) 130. -rtex montis : κεφαλὴ ὄρους, ἀκρόρ<ε>ια. 131. -rtices (?) : ῥλοι ἐν νοσίν (πο-). 132. κεφαλῆς κορυφαί. 133. -rti-cillum : σφονδύλιον περὶ αδρακτιν (ἄτρακτον). 134. -rum : ἀλγθές καὶ ἀλγθ[ε]ινόν. (Cic. 1, 5 ?) 135. -rum etiam : ἀλλά μὴν. (Cic. 1, 8, etc. ?) 136. -sanía : μανία. (=3) 137. -sanus : μανιώδης. (=3 a ?) 138. -sces (-us) : ὀλιγόσιτος, ὀλιγοδαγς (-δεής). (Fest. 506, 11) 139. -scilliae

62. Ventrale : φοῦνδα « Char. » || 63. cf. Plaut. Asin. 400, etc. || 68. Γαστ. : sura, ventr. Cyrill. ; cf. SU 233. || 73. V. : ἄκανθαί, θάμνοι, βοτανώδης τόπος « Char. » || 88. Verecundum Wey, qui ad Hor. C. 1, 27, 3, *referre velit (minus recte ut vid.)* || 90. Verg. A. 1, 671. || 92. Verg. E. 3, 4. || 97. cf. Cic. Top. 8, 35. || 103. Hor. S. 1, 2, 117 Wey, || 121. cf. 143. || 124 a. cf. Petron. 62 ? || 131. Verrucae ? || 139. *Altera pars huius glossae = QUI 46, ut ex Graeco Charisii versione apparet ; φρυγάνων χαίτη. Char.*

(quisquiliæ) : χαῖται φρυγός. (Char. 33, 19) 140. -scitur : θινῶνται, ἐστιᾶται. (Verg. A. 1, 546, etc. ?) 141. -sica : φῦσα. 142. -scus : ὀλιγόσιτος, ὀλιγοδεής. (=138) 143. -rtit : στρέφει. 144. -rsutia : πονηρία, πανουργ[ε]ία. 145. -spa : ἀνθηλων (-δών), εἶδος ὀρνέου. 146. -sper-tilio : νυκτερίς. 147. -sperugo : ἔσπερος. (Fest. 506, 14) 148. -sta : Ἑστία. (Verg. A. 1, 292 ?) 149. -stimenta : ἱμάτια. 150. -rtigo : σκοτισμός. 151. -stigma : ἔχνος. 152. -stis : ἐσθής, ἱματισμός. 153. -stitutum : ἐνδεδυμένον. 154. -stigia : ἔχνη. (=151) 155. -stibulum : προπύλαιον. 156. -stigator : ἰχνευτής. 157. -strum : ὑμέτερον. 158. -tat : κωλύει. 159. -teranus : παλαι<ος> στρατιώτης. 160. -terarius : παλαιοράφος. 161. -terator : παλαιομώλωψ, παλίντροψ, τριδικός, ἀπαταλόν (-εών). (Fest. 507, 7) 162. -terina vestia (bes-) : ὑποζύγιον. (Fest. 507, 9) 163. -ternosus : φθισικός, ὕδρωπικός. (Fest. 507, 4-5) 164. -terinarius : ἱππιατρός. 165. -tustus : ἀρχαῖος, παλαιός. 166. -turnus et vetustus : παλαιός. (=165 ?) 167. -tustas : παλαιότης. 168. -xat : ὀχλεῖ, σκυλλει, χειμάζει. 169. -xabuntur : σκυλῆσονται. (Cic. 1, 29) 170. -xare : σκυλαί. (=168 ?) 171. -xatio : σκυλμός (Cic. 1, 18) 172. -xatus : καταπονιθείς (-νη-), σκυλ[λ]εῖς. 172. -xo : καταπονῶ, σκυλεύω. (=172 ?)

VI

Via : ὁδός. 2. -ator : ὁδοίπορος. <2 a.> ἀμφοδάρχης, ἀρχιυπηρέτης. (Fest. 508, 27) 3. -aculus : ὁδῶν ἐπιμελήτης. 4. -aticum : ἐφόδιον. (Fest. ?) 5. -bices :

μῶλωπες. (=146) 6. -brare : σείσαι. (Cic. 2, 23) 7. -burna : χαμετυπίων (-μαιπι-
τύων ?) κομάροις (-ρους ?). (Verg. E. 1, 25) 8. -brat : κραδαίνει, κλίνει εν κλω (?). 9. -bruceae (-brac-) : τρίχες
β[ε]λνός. (Fest. 509, 1) 10. -ce : ἐν μέρει. 11. -cinia : γειτονία. (Verg. G. 4, 290) 12. -ci[ni]a : χορτόσπερμον. (Verg. G. 1, 75, etc. ?) 13. -cini : γείτονες. (Cic. 2, 21) 14. -cinus : γείτων. (=13) 15. -ctima-
rius : μοσχοθύτης, μοσχοτόμος. 16. -ctoria : νίκη. 17. -ctius : τροφή. 18. -ctima : θύμα. (=21 ?) 19. -cissim :
ἀνὰ μέρος. 20. -cesima : εἰκοστή. 21. -ctimae : τὰ μέγιστα θύματα. (Fest.) 22. -cus : ἀμφοδος καὶ ῥύμη, κώμη
καὶ ἐποικ[ε]ία. 23. -co : κώμης. 24. -de :
[ε]ἰδέ, βλέπε. 25. -det : βλέπει. (Cic. 1, 2 ?) 26. -delicet : δηλαδὴ, δηλονότι.
(Cic. 1, 21, etc. ?) 27. -detur : δοκεῖ,
φαίνεται. 28. -derit : ὀδεσται (ὄψ-). 29. -dua : χήρα. 30. -dubium (-vium) :
πρόστιμον χηρίας. (Fest. ?) 31. -detur
mihi : δοκεῖ μοι, φαίνεται μοι. 32. -geo :
θάλλω, vigui. (Char. ?) 33. -get : θάλλει.
(=32) 34. -gilat : γρηγορεῖ. (=35) 35. -gilo :
αλληγορώ (γρηγ-), ὀρβρίζω. 36. -gilanda :
φοροντισαί (-τέα). 37. -gilliis : ἀγρυπνίας.
(Cic. 1, 8, etc.) 38. -gores : ἀκμαί. (=40) 39. -gorem : δύναιμι καὶ
ἰσχύω, ῥώμην. 40. -gor : ἀκμή. (Char. 35, 13 ?) 41. -gil : γρηγορητής, ἀγρυ-
πνος. 42. -getis (vegetus) : ἀκμαζών.
(=VE 10) 43. -gilans : ἐπάγρυπνος,
νήφων[ος]. 44. -giles : φύλακες. 45. -lis-
sima : εὐνοσιώτατη. (Hor. S. 1, 5, 88 ?) 46. -licus :
οἰκονόμος, ἐνοικι> ὀλόγος καὶ ὁ
κατ[α] ἀγρον οἰκ[α]τονομῶν. 47. -lla :
ἐπαυλις, ἐνοίκιον. (Char. ?) 48.

143. cf. 121. || 166. *An delend.* Veturnus et ? || 167. Verg. A. 3, 415, etc. || 172. Verg. A. 4, 616.

VI 2 a. *Vide ne sit contaminatio inter viator et vici magister* (cf. C. G. L. 3, 182, 58). || 3. *An Viocurus ?* || 4. cf. Plaut. Capt. 449, etc. || 8. κλονεῖ ἐν κύκλῳ. *Heraeus.* || 21. cf. Isid. Etym. 6, 19, 34 (et erant victimae maiora sacrificia quam hostiae). || 28. Verg. A. 1, 265. || 31. Hor. E. 2, 1, 210 *Wey.* || 33. Hor. C. 1, 12, 18 *Wey.* || 36. Cic. 2, 22 (-andi) ? || 39. Verg. A. 9, 611. || 40. *sine Graeca interp. Char.* || 43. Cic. 2, 27 (-antes) ? || 46. Iuv. 3, 195 *Goetz.* || 47. ἐποίκιον « Char. » 553, 28. cf. Cyrill. ('Επ.: villula). || 49 Verg. A. 8, 266 (-a).

-litas : εὐωνία. 49. -llosum : μαλλωτόν. 50. -llus : μαλλός. 51. -men : λύγος. 52. -m : βίαν καὶ δύναμιν. (Cic. 1, 17, etc.) 53. -m facit : βίαν ποιεῖ καὶ βιάζεται. 54. -nacia : στέμφυλλα. 55. -mine : οἰσιω (-ύφ). (Verg. G. 2, 241, etc.) 56. -neit : νικῇ. 57. -nacula : δέσμα. (Cic. 1, 27) 58. -ndex : ἐκδικικός. (Fest. 516, 19) 59. -ndicatio : ἐκδικία. (Off. ?) 60. -ndicta : τιμωρία, προσαγωγή. (Off. ?) 61. -nctus : δεδεμένος. 62. -ncendas : νικηταιας (-έας). 63. -ndemia : τρύγη. (Verg. G. 2, 6, etc.) 64. -ndigestae (vindiciae) : τὰ ἐν ἀμφισθητῇσι πράγματα. (Fest. 516, 24) 65. -nitor : ἀμπελοργός. (Verg. 2, 417) 66. -nea : ἀμπελος. (Verg. G. 2, 390) 67. -nnicus (-nnulus) : νωχελής. (Fest. 519, 6) 68. -netum : ἀμπελών. 69. -num : οἶνος καὶ οἶνον. (Char. 34, 29)

Viola : λευκοῖα. 71. -lon τὸ ἄνθος. (=70 ?) 72. -ola rustica : χρυσάνθεμον βοτάνη. 73. -olat : μιᾶναι, λυμᾶνεται. 74. -olare : βιάσασθαι, μιᾶναι, παραδῆναι. (Verg. A. 7, 114 ?) 75. -olentus : βίαιος, σφοδρός. 76. -olo : μιᾶνω, δυσσεβῶ. 77. -pera : ἐχ[ε]ις. (Verg. G. 2, 417, etc.) 78. -rago : ἀνδρ<ε>ία, γενναία. (Fest. 314, 17) 79. -ret : ἀκμάζει. (Verg. G. 2, 21) 80. -rga : ῥάβδος. 81. -rgo : πάρεθνος. 82. -rgiliae : Πλ<ε>ιάδες. (=VE 93) 83. -rgulta : βλαστήματα, θάμνοι. (Verg. G. 2, 328) 84. -rgula : παραφύας. 85. -res : δυνάμεις. 86. -rilis (?) : ἴσον, κατ'ἀναλογίαν. 87. -rilis sexus : ἀρρενογονία. 88. -riliter : ἀνδρ<ε>ίως. 89. -riplotens : ἐπαγμος (-ακ-), ἐπανδρος. (Fest. 296, 20) 90. -rago : ἀνδρόγυνος (=78 ?) <90 a.> Usque : diu. 91. -ritim : κατ[α]ῖ ἄνδρα, καθ' ἓνα ἕκαστον. (Fest. 519, 14)

92. -riola : κλανίον, ψέλιον. (Char. 553, 28) 93. -riolae : κλανία, ψέλια. (=92) 94. περιχέρια, ψέλια. (=92) 95. -ride : χλωρόν. 96. -ride olum : ὀμφάκινον. 97. -rilitas : ἀνδρ<ε>ίότης. 98. -riliter : ἀνδρ<ε>ίως. (=88) 99. -rtus : ἀρετή, ἀνδρ<ε>ία, δύναμις. (Cic. 1, 3 ?) 100. δύναμις υλιχης (ύλική). 101. -rtica (urt-) marina : <ά>σκαλαμη (-φή). (=UR 15) 102. -ridia : χλωρά. (=95) 103. -riae (?) : χοινικίδες.

VO

Vorago : χάσμα. (=VO 21)

VI

Virus : ἰὸς ἐχιδνης (« Char. » 548, 18) καὶ <105 a.> ζῳίου ἀλόγου καὶ ἰχώρ. 106. -s : θέλεις. 107. -sibilia : θεωρητικά. 108. -sibilitas : ἔνοια, φαντασία. 109. -scera : ἔγκρατα. 110. -sceratio : ἀρτόκρεας. 111. -sceribus : σπλάγχνοις. (Cic. 1, 31) 112. -sorum : ἰξός. (« Char. » 548, 19) 113. -sio : βδόλος. 114. -sitat : ἐπισκοπεῖ. 115. -scerationem : εὐφρασ<ι>αν. 116. -sio : φαντασία. 117. -sa : ὀφθεῖσι (-α) καὶ <117 a.> οὐείρατα. 118. -strigilium (?) : σφραγιστοφύλαξ. 119. -sum : δραμα, ἐνύπνιον. 120. -sio : βδόλος. (=113) 121. -sus : ὀφθεῖσι καὶ <121 a.> ὀψειε (-ις). 122. -tare : ἐκκλ[ε]ῖναι. (Cic. 1, 17) 123. -tium : ἑλάττωμα, ἀμάρτημα, σίνος. (=132) 124. -tamus : ἐκκλ[ε]ῖνόμεν (-εν). 125. -tambundus : ἐκκλ[ε]ῖνων. 126. -tuligo (-til-) : ἄλφος, ἀλωπηκεα (-ία). (Fest. 507, 15) 127. -tiosus : ἐπιστηνής (-σιν-) καὶ νοσηλός, παθητικός. 128. -ta : βίος. (Cic. 1, 16 ?) 129. -tiata : ἐφθαρμένη. 130. -tio-

56. Hor. S. 2, 5, 73 Wey. || 58. Gaius, Inst. 4, 21, etc. Rudorff. || 59. cf. Gaius, Inst. 4, 5. || 60. cf. Gaius, Inst. 1, 132, etc. || 69. V. : οἶνος, quamvis Virgilius vina dixerit Char. || 74. Hor. S. 2, 3, 139 Wey. || 78. An Verg. A. 12, 468 ? || 80. Verg. G. 2, 117, etc. || 86. cf. IN 729 (In virile). ||

VO 2 post UN 22.

VI 113. cf. 120. Visium : βδέσμα Cyrill. (et Vissio : βδέω). cf. Funck (Arch. Lat. Lex. 8, 388). || 124. Cic. 1, 2 (-emus) ?

sitas : κακία, σινότης. 131. -tellum : λέκιθος (-κυθ-) φόϋ. (Hor. S. 2, 4, 57 ?) 132. -tium : ἐλάττωμα, μοχθηρία, πλεονέκτημα, σίνος. (Syn ?) 133. -tricus : πατρώος. 134. -tiat : σινοῖ, φοίρει. 135. -tionum : τῶν σφαλμάτων, τῶν ἐλαττωμάτων. (Hor. S. 1, 3, 35 ?) 136. -tta : τενία (ται-). 137. -tulus : μόσχος. (Verg. G. 4, 299 ?) 138. -tumen (bit-) : ἄσφαλτον. (= BI 67) 139. -tupere : ψέγει. 140. -tor (?) : καλοπλόκος. 141. -tium furi dico : καταγ[ε]νώσκω τοῦ κλέπτου. (Char. ?) 142. -tulus ma- <ri>nus : φώκη. (Iuv. 3, 238 ?) 143. -vax : πολύζωος, μακρόβιος, πολυγήρωος. 144. -vida : fortis, ἐρρωμένη, ἀκμάζουσα[ις]. (Verg. A. 5, 754, etc. ?) 145. <i>σ>χυρά, βεβαία. (= 144 ?) 146. -vices (-hie-) : μώλωπες ἀπὸ πληγῶν. (Fest. 507, 26) 147. μώλωπες. (= 146) 148. -vidum : ζωτικόν. 149. -vide : ζώντως, ισχυρῶς. 150. -verna (?) : <150 a. (vira-go)> : γενναία. (= 78) 151. -vacis : diu viventis. (Verg. G. 2, 181) 152. -x : μόλις καὶ ἄμα. (Char. ?)

UL

Uloiscitur : ἀμύνεται. 2. -cos (-cus) : ἔλκος. 3. -ixes : Ὀδυσεύς. (Verg. A. 2, 44, etc.) 4. -terius : περετέρω (-ραι-).

UN

Unda : νᾶμα, ὕδωρ κε (καὶ) κύμα.

UL

Ultimus : ἔσχατος. 6. -na : πῆχυς. (Char.)

7. -tio : ἄμυνα, τιμωρία. 8. -trix : νέμεσις, ἀμύντ<ε>ρα. (Verg. A. 6, 570 ?) 9. -ltronius : αὐτεπάγγελτος. 10. -tro citroque : ἐξωθεν καὶ ἐνδοθεν, τοῦτ' ἐστὶν πανταχοῦ. 11. Ulula : ὀλολυγών. (Verg. E. 8, 55 ?) 12. -lulat : ὀλολύζει.

UM

Umbiculus : ὀμφαλὸς ἀσπίδος, τηβέννης. 2. -or : ποτία (νοτ-), ὕγρασία, ἱμάς. 3. -midus : ἔνηκμος (-ικ-), ὕγρός. 4. -ilis (hum-) : ταπεινός, χθάμαλος.

UN

Un[i]a : μία· κε (-αι) <2 a.> ἄμα καὶ ὁμοῦ. 3. -cinus : κόραξ σιδηροῦς. 4. -nctor : ἄλ<ε>ίπτης. 5. -icuba : μονολέχης. (Bibl. ?) 6. -edo : μεμηκυλα (-μαίκ-). 7. -de : πόθεν. 8. -decumique : πόθεν δὴ ποτε. 9. -da : νᾶμα καὶ ὕδωρ (-ρ) καὶ κύμα. (= 1) 10. -ctio : ἄλ<ε>ίψις. 11. -dantia flammis : βράσσοντα. (Verg. A. 6, 218) 12. -guella : ὀνύχια. 13. -guibus : ὄνυζιν. 14. -guentum : μύρον, ἄλ<ε>ίμμα. 15. -gues resecat : ὄνυχίζει. 16. -icus et unigena : μονογενής. 17. -igena : μονογενής. (= 16) 18. -iversi : σύμπαντες. 19. -us : (Cic. 1, 31 ?) 20. -gueumparis (-guentarius) : μυρεψός. (Ecclus. 38, 7 ?) 21. -iones : μαργαρίται μεγάλοι, μονόκοκκα. 22. -iversum : ὁμοθυμαδόν.

VO

Vobis : ὑμ[ε]ῖν. (Cic. 2, 1 ?) 3. -cabulum : προσηγούρα. 4. -cat : καλεῖ. (Cic. 4, 13)

140. Ὑσιοπλόκος (οἰου-) : v. *Cyrrill.* || 141. cf. *Dosith.* 425, 1 (*Vitio furi duco.*) || 146. cf. 5. || 150. cf. *Cyrrill.* (Γαλεάγρα : cavea, viverra, mustellarium) ? cf. CA 195. || 152. cf. *Dosith.* 409, 20 (*Vix : μόλις, ἄμα.*)

UL 2. cf. VU 6. || 4. Verg. A. 12, 806.

UN 2 post UM 4. || UL 6. cf. Gram. Lat. 578, 50.

UN 1 ante UL 5. || 5. cf. Hier. adv. Iovin. 1, 49 (-as). || 6. cf. Brev. Exp. Geo. 2, 69 (pomum unedon dicitur quod, si unum edatur tam <in>iucundum est ut <non> et aliud exposcas); Plin. N. H. 15, 98 (pomum inhonorum, ut cui nomen ex argumento sit unum tantum edendi). || 13. Verg. G. 3, 535, etc. || 18. Cic. 4, 15 (-os) ? || 21. cf. Phaedr. 4, 5, 36 ?

5. -ciferat : καταβοᾶ. 6. -ciferatio : παιανισμός. 7. -cis simus (imago) : ἰχώ (ή-). (Verg. G. 4, 50) 8. -lat : πέταται, ἵπταται. 9. -latus : πτεσeis (πτή-) 10. -iens : βουλόμενος, θέλων. (=13) 11. -lgatus : διατεθρυλημένος. 12. -lucer : πτηνός. (=14 ?) 13. -lo : βούλομαι, θέλω. 14. -lucres : πτηνά καὶ πτηνόν. 15. -lun-tarius : αὐθαίρετος. 16. -lvo : ἐλίσσω. 17. κυλίω. 18. -luptas : ἡδονή, τέρψις. 19. -mer : ὕνις. 20. -mitina : αιμετος (ἐμ-). 21. -rago : χάσμα. 22. -rat : καταπίνει. (Verg. A. 1, 117 ?) 23. -s : ὕμᾱς (Cic. 4, 1 ?) 24. -tum : εὐχή. 25. -to : προθέσει[ς], σκοπῶ. 26. -veo : ἀνατίθηναι, consecro. 27. -vere : εὐχεσθαι. 28. -x : φώνη.

UR

Urbanus : ἀστ<ε>ίος, πολιτικός. 2. -bs : πόλις, μόνη 'Ρώμη. 3. -ceus : ξέστης. (Hor. A. P. 22 ?)

VI

Volem<i> : κολοκυνθίδες ἄπιοι. (Verg. G. 2, 87 ?) 30. -lutat : κυλίει. 31. -lutabrum : κυλίστρα ζώων. (Verg. G. 3, 411 ?) 32. -la [vogo] : θέναρ τὸ κοῖλον τῆς χειρός. (Fest. 511, 3)

UR

Urciolus (-ce-) : ξέστης, ξεστῖον ὑπο<κο>-ριστικῶς. 5. -guet : απειγεί (ἐπ-), πονεῖ. 6. -inator : κολυμβητής, δυτής. 7. -it : καίει, διακεῖ (-καίει). 8. -na : κληρωτοίς, κάλπις, ὕδρία. 9. -sus : ἄρκος. 10. -tica : κνίς, κνίζα, urticae. 11. -bata (or-) : περιεσφραγισμένα. 12. -cetis (-ceus) : στάμνος. (=3 ?) 13. -guet : απειγεί (ἐπ-),

πονεῖ. 14. -or (-us) : βοῦς Γερμανός. (Verg. G. 2, 374 ; 3, 532) 15. -tica marina : ἀσκαλαφή.

US

Usque adeo : μέχρι τινος. 2. -que quoque : ἀεὶ πανταχοῦ.

UR

UrUCA : κάμψη.

US

Uspinio (vispillo ?) : νεκροδότης (?). 4. -pium : πού. 5. -ura : τόκος. 6. -urp[i]a-tioni : ἰδιοποιήμασιν, παίσιμασιν. 7. -urpator : σφετεριστής. 8. -urpare : τοῦ χρῆσασθαι, τοῦ ἰδιοποιήσασθαι. 9. -ur-pat : παρασπᾶται, ἰδιοποιεῖται. 10. χρῆται, σφ<ετ>αιρίζεται (-τερ-), ἀπο-χρῆται ὅστις σχηματισμένη κλοπή. 11. -trina : πυρ[ι]καία. (Fest. 29, 10) 12. -urpatio : ἐξιδι<ο>ποίησις. 13. -trina : καύστρα νεκρῶν. (=11 ?) 14. -us : χρῆσις καὶ <14 a.> χρησάμενος. 15. -susfructus : νομή, χρῆσις, καρπία. (Off. ?) 16. -tor : νεκροκαύστης. 17. -itata : καταπαξευμένα (-ημαξ-). 18. -tum : κεκαυ-μένον.

UT

Ut : ἵνα καὶ ὥς, ὅπως. 2. -er : ἀσκός. 3. πότερος. 4. -erque : ἐκάτερος. (Cic. 4, 7 ?) 5. U. fit : οἷα γίνεταί. (Hor. E. 2, 2, 14 ?) 6. -ile : χρήσιμον. 7. -ilitas : χρησιμότης, ἐπιτηδ<ε>ιότης. 8. -inam : ε<τ>θε. (Cic. 1, 22) 9. -ique : πάντως, ὅτι μὲν. 10. -itur : χρᾶται. 11. -rita (ut

VO 16-7. Una glossa ? cf. Dosith. 407, 8 (V. : κυλίω).

19. Verg. G. 1, 46, etc. || 21. Verg. A. 7, 569. || 23. cf. 2. || 30. cf. 17 ? || 32. V. : θέναρ χειρός Cyrill. : V. : κοῖλον ποδός Gl. Serv., unde colligo Philoxenum et pedem nominasse.

UR 4. cf. AB 18 ? OR 14. || 8. Verg. A. 6, 22. || 11. Vix cf. Cyrill. (Περιχάραξις : urbatio). || 15. cf. VI 101. || 16. cf. ER 5 (Eruca)

US 3. cf. BI 57-8. || 15. cf. Gaius, Inst. 2, 30, etc. || 16. Cic. Mil. 90 ? || 19. cf. 12.

UT 2. cf. 18.

puta): οἶον. (=14 ?) 12. -rique : ἐκότεροι.
 (=4) 13. -rum : πότερόν ποτε. 14. -pote :
 κάθαπερ, quippe. (Hor. S. 1,5, 94, etc.)
 15. -i : ut, ὅπως. 16. -ique : πάντως.
 (=9) 17. Vituligo : ἀλφός. (=VI 126) 18.
 -ris : ἀσκός. (=2) 19. -rique : ἀμφοτέ-
 ροι ἐκ πολλῶν. 20. -rumque : παροπό-
 τερον. 21. -rumne : πότερον ἄρα, πότε ἄρα.
 22. -rubi : παρ' ὁπότερον.

UV (VU)

Uva : σταφυλή <1 a.> κιονίς, γαργαρεών.
 2. U. acerba : ὄμφαξ. 3. U. passa : σταφίς.
 Vulcanus : Ἥφαιστος. 5. -pecula et vulpes :
 ἀλώπηξ. 6. -nus : ulnus (-cus), ἔλκος.
 7. -turnus : Εὐρος (Eurus ?). 8. -turius :
 γύψ. (Char. 98, 3) 9. Uverosum (ub-) :

γόνιμον. (=UB 1) 10. -gatum : δεδημευ-
 μένον, διαπεφημισμένον 11. Volemi :
 κολοκύνθιδες, ἀπ[π]ιοι. (=VO 29) 12.
 -va : μήτρα. 13. -gare (-ris) : κοινός,
 λεώδες (-ης), χυδαῖος. 14. -nus : τραῦμα.
 (Cic. 4, 13 ?) 15. -sella : τριχολαβίς, ἀκαν-
 θολαβίς 16. -tus : εἶδος ὄψεως. (Cic. 1,
 1) 17. -neratus : τραυματίας.

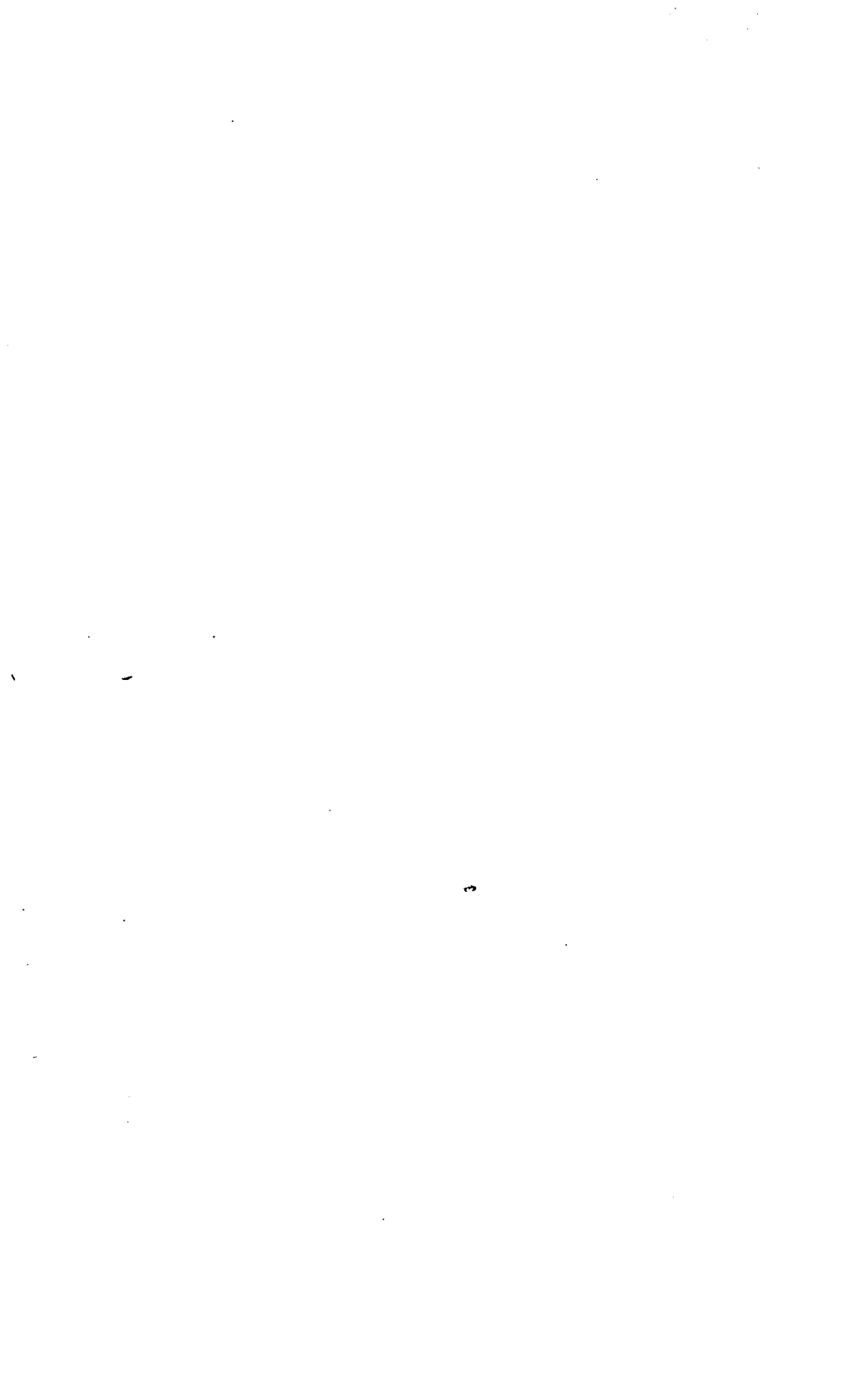
UX

Uxor : γυνή, γαμετή, μοχος (ἄλοχος). 2.
 -ius : γυναικομανής, γυναικοκρατού-
 μενος. (Verg. A. 4, 266 ?) 3. -iosus : ὁ
 τὴν ἰδίαν γυναικὰ φιλῶν.

EXPLICIUNT GLOSÆ PER ELEMEN-
TUM

UU 6. cf. UL 2. || 7. Εὐρος et 'Οὐριος et Χῶρος *Hermen.* || 13. *Vulgaris Cyrill., Hermen.*
 14. cf. 6.

UX 2. Hor. C. 1, 2, 20 *Wey.*



•

TABULA RERUM

Glossarium Arma.	1
— Abavus.	23
— Philoxeni	123

R 7.0047

...in ...
...
...